सोमवार, 10 फरवरी 2025

मौसम

तापमान 30 – 20
आर्द्रता 52%
सूर्योदयः 6:12 सूर्यास्तः 17:30

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

तूफानी शतक जड़कर फॉर्म में लौटे रोहित, इंग्लैंड को चार विकेट से हराकर भारत ने जीती श्रृंखला -पृष्ठ 8

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, माघ शुक्लपक्ष त्रयोदशी, वि.स. 2081, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

सुविचार : अपनों से कभी रूठना नहीं, क्यूंकि मुस्कुराहट भी अपनों से ही मिलती है।

RED-X
B.W.P. PLY,
BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND
LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में मुठभेड़ में 31 नक्सली ढेर

दो सुरक्षाकर्मियों ने भी गंवाई जान

बीजापुर : छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ एक बड़े अभियान में सुरक्षाबलों ने रविवार को भीषण मुठभेड़ के दौरान 31 नक्सलियों को मार गिराया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मुठभेड़ में दो सुरक्षाकर्मियों की भी जान चली गई तथा दो अन्य घायल हो गए। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बताया कि 650 से अधिक सुरक्षाकर्मियों ने विभिन्न दिशाओं से इंद्रावती राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में प्रवेश किया और 31 नक्सलियों को उनके ठिकाने पर ही ढेर कर दिया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि देश और प्रदेश से नक्सलवाद का खात्मा निश्चित है। साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में राज्य को मार्च 2026 तक नक्सलवाद से मुक्ति मिल जाएगी। इस घटना के साथ ही इस साल अब तक राज्य में अलग-अलग मुठभेड़ों में सुरक्षाबलों ने 81 नक्सलियों को मार गिराया है। बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी ने बताया कि मुठभेड़ सुबह इंद्रावती राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र के जंगल में हुई, जब विभिन्न सुरक्षाबलों का एक संयुक्त दल नक्सल रोधी अभियान पर निकला था। पुलिस महानिरीक्षक ने बताया कि इस अभियान में जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी), विशेष कार्य बल (एसटीएफ) और बस्तर फाइटर्स (राज्य पुलिस की सभी इकाइयां) के जवान शामिल थे। पुलिस महानिरीक्षक ने कहा, '' अब तक मुठभेड़ स्थल से 31 'वर्दीधारी' नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं। इसके अलावा, घटनास्थल से एके-47, इंसास, एसएलआर और .303 राइफलों और बैरल ग्रेनेड लांचर (बीजीएल) सहित हथियारों का एक बड़ा जखीरा और विस्फोटक भी जब्त किया गया है। '' पुलिस अधिकारी ने कहा कि मुठभेड़ में दो सुरक्षाकर्मियों ने भी जान गंवाई है, जिनमें से एक राज्य पुलिस के जिला रिजर्व गार्ड से तथा दूसरा विशेष कार्य बल से था। उन्होंने कहा कि दो अन्य सुरक्षाकर्मी घायल हो गए।

नक्सलवाद को 31 मार्च, 2026 तक समाप्त कर देंगे, इसके बाद किसी भारतीय को जान नहीं गंवानी पड़ेगी: शाह

नयी दिल्ली : केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि 31 मार्च 2026 तक नक्सलियों का खात्मा कर दिया जाएगा और देश के किसी भी नागरिक को इसके कारण अपनी जान नहीं गंवानी पड़ेगी। छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों द्वारा 31 नक्सलियों को मार गिराने के बाद शाह ने यह बात कही। उन्होंने कहा, ''मानवता विरोधी नक्सलवाद को समाप्त करने में आज हमने अपने दो बहादुर जवानों को खोया है। यह देश इन वीरों का सदा ऋणी रहेगा। शहीद जवानों के परिजनों के प्रति भावपूर्ण संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। साथ ही पुनः यह संकल्प दोहराता हूं कि 31 मार्च 2026 से पहले हम देश से नक्सलवाद को जड़ से समाप्त कर देंगे, ताकि देश के किसी भी नागरिक को इसके कारण अपनी जान न गंवानी पड़े।''

मुजीबुर रहमान के आवास को ध्वस्त करने पर भारत की टिप्पणी 'अनुचित': बांग्लादेश

ढाका : बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान के आवास को ध्वस्त किए जाने को देश का आंतरिक मामला बताते हुए अंतरिम सरकार ने रविवार को कहा कि इस घटना पर भारत की टिप्पणी 'अप्रत्याशित और अनुचित' थी। बांग्लादेश में बुधवार रात से हिंसा भड़की हुई है, जिसमें हजारों प्रदर्शनकारियों ने ढाका में शेख मुजीबुर रहमान के 32 धानमंडी स्थित आवास में आग लगा दी। रहमान ने इस आवास से ही देश के मुक्ति संग्राम का नेतृत्व किया था, जिसे बाद में एक स्मारक के रूप में बदल दिया गया था। इसी ऐतिहासिक आवास से रहमान ने 1971 में पाकिस्तान से बांग्लादेश की स्वतंत्रता की घोषणा की थी। भारत ने ऐतिहासिक आवास को ध्वस्त किये जाने पर बृहस्पतिवार को दुख व्यक्त किया और कहा कि 'बर्बरता की इस घटना' की कड़ी निंदा की जानी चाहिए।

माध्यमिक परीक्षा आज से शुरू, 9 लाख 84 हजार 753 परीक्षार्थी होंगे शामिल

कोलकाता, समाज्ञा : पश्चिम बंगाल बोर्ड की माध्यमिक परीक्षा आज से शुरू हो रही है। यह परीक्षा छात्रों के जीवन की पहली बड़ी मानी जाती है। इस वर्ष कुल 9 लाख 84 हजार 753 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होंगे, जिनमें 4 लाख 28 हजार 803 लड़के और 5 लाख 55 हजार 950 लड़कियां शामिल हैं। माध्यमिक परीक्षा 10 फरवरी से 22 फरवरी तक चलेगी। परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र सुबह 10:45 बजे मिलेगा और परीक्षा 11:00 बजे से लेकर दोपहर 2:00 बजे तक चलेगी। हर साल की तरह इस बार भी बोर्ड ने मालदह जिले में कड़ी निगरानी का इंतजाम किया है। जिले के 122 परीक्षा केंद्रों पर 263 स्कूलों के परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। हर परीक्षा केंद्र पर अतिरिक्त 2 वेन्यू सुपरवाइजर नियुक्त किए गए हैं। परीक्षा के सुचारू संचालन और सुरक्षा के लिए बोर्ड और पुलिस ने सभी आवश्यक इंतजाम किए हैं। परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए कोलकाता पुलिस ने हेल्पलाइन नंबर 9432610039 शुरू किया है, ताकि किसी भी समस्या के मामले में परीक्षार्थी संपर्क कर सकते हैं। परीक्षार्थियों के लिए कई महत्वपूर्ण नियम भी बनाए गए हैं।

बंगाल में होने वाले 2026 के विधानसभा चुनावों में भाजपा सत्ता में आएगी : प्रधान

कोलकाता : केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने रविवार को कहा कि 2026 के विधानसभा चुनावों में पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी सत्ता में आएगी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने ममता बनर्जी सरकार पर पश्चिम बंगाल में केंद्रीय परियोजनाओं के कार्यान्वयन में बाधा डालने का आरोप लगाया। इसके साथ ही मंत्री ने केंद्र की ओर से राज्य की अनदेखी करने के प्रदेश सरकार के आरोपों की आलोचना की। प्रधान ने यहां एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा, 'पश्चिम बंगाल में भाजपा का वोट शेयर 2019 से लगभग 30-40 प्रतिशत रहा है और अगर पार्टी को 10 प्रतिशत वोट और मिलते हैं, तो वह ममता बनर्जी सरकार को सत्ता से हटा देगी।' प्रधान ने कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) की हार लोगों का भाजपा में भारी विश्वास और

'भ्रष्ट' अरविंद केजरीवाल सरकार की अस्वीकृति को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने पश्चिम बंगाल में 42 में से 18 सीटें जीतकर अपनी छाप छोड़ी थी। उन्होंने कहा, 'हमने 2021 के विधानसभा चुनावों में 77 सीटें और 2024 के आम चुनावों में 12 लोकसभा सीटें जीतीं। 2019 से भाजपा का मतदान प्रतिशत लगभग 30-40 प्रतिशत रहा है और हमें पश्चिम बंगाल में सत्ता में आने के लिए 10 प्रतिशत वोटों की आवश्यकता है। 2026 में हम राज्य में सत्ता में होंगे।' प्रधान ने कहा कि जब वह केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री थे, तो वह ओडिशा, झारखंड और पश्चिम बंगाल को जोड़ने वाली 710 किलोमीटर लंबी गैस पाइपलाइन स्थापित करना चाहते थे। हालांकि, उन्होंने कहा कि कई मौकों पर राज्य सरकार के साथ इस मुद्दे पर चर्चा करने के बावजूद सात साल बाद भी पश्चिम बंगाल का हिस्सा अब तक नहीं मिला है। प्रधान ने टीएमसी सरकार पर पश्चिम बंगाल में पाइपलाइन का विस्तार करने के लिए जमीन नहीं देने और राज्य में रेलवे परियोजनाओं को लागू करने तथा अधिक नवोदय विद्यालय स्थापित करने के लिए केंद्र के साथ सहयोग नहीं करने का आरोप लगाया।

पहली बार 'एयरो इंडिया' में हिस्सा लेंगे एसयू-57, एफ-35 लड़ाकू विमान

नयी दिल्ली : 'एयरो इंडिया' प्रदर्शनी में पहली बार दुनिया के दो सबसे उन्नत पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान- रूसी सुखोई एसयू-57 और अमेरिकी एफ-35 लाइटनिंग 2- भाग लेंगे, जो 'स्टेल्थ' (रडार से बचने) क्षमताओं से सुसज्जित हैं। रक्षा मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी। एशिया के सबसे बड़े एयर शो के रूप में इसका 15वां संस्करण 10-14 फरवरी तक बेंगलुरू के येलहांका स्थित वायुसेना अड्डे पर आयोजित किया जाएगा। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि 42,000 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र में आयोजित और 150 विदेशी कंपनियों सहित 900 से अधिक प्रदर्शकों की भागीदारी के साथ यह आयोजन अब तक का सबसे बड़ा 'एयरो इंडिया' होगा। इसमें कहा गया, इतिहास में पहली बार, एयरो इंडिया 2025 में दुनिया के दो सबसे उन्नत पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान - रूसी सुखोई एसयू-57 और अमेरिकी एफ-35 लाइटनिंग 2 - भाग लेंगे। मंत्रालय ने कहा कि यह वैश्विक रक्षा सहयोग और तकनीकी उन्नति में एक मील का पत्थर है, जो विमानन के शौकीनों और रक्षा विशेषज्ञों को इन अत्याधुनिक युद्धक विमानों को देखने का एक अद्वितीय अवसर प्रदान करता है। इस संस्करण का व्यापक विषय है - 'एक अरब अवसरों का मार्ग'। सुखोई एसयू-57 विमान का वर्णन करते हुए इसमें कहा गया है कि, रूस का प्रमुख स्टेल्थ बहुउद्देश्यीय लड़ाकू विमान उत्कृष्ट हवाई श्रेष्ठता और हमला क्षमताओं के लिए डिजाइन किया गया है।

एयरोस्पेस क्षेत्र के 'भविष्य' का साक्षी बनने को उत्सुक हूं : एयरो इंडिया 2025 पर राजनाथ

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि वह बेंगलुरु में 'एयरो इंडिया' के 15वें संस्करण में भाग लेंगे, जिसमें अत्याधुनिक रक्षा प्रौद्योगिकियों और वैश्विक विमानन उत्कृष्टता का प्रदर्शन किया जाएगा। 'एयरो इंडिया' को एशिया का सबसे बड़ा एयर शो माना जाता है, जिसका आयोजन बेंगलुरु शहर के येलहंका वायुसेना स्टेशन में किया जाता है।

दिल्ली के नए मुख्यमंत्री के चयन की कवायद शुरू होने के बीच नड्डा ने शाह से मुलाकात की

नयी दिल्ली : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक दिन पहले ही दिल्ली विधानसभा चुनाव में जीत के साथ नए मुख्यमंत्री के चयन को लेकर कवायद तेज होने के बीच पार्टी अध्यक्ष जे पी नड्डा ने रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित वरिष्ठ नेताओं ने शनिवार को भाजपा मुख्यालय में विचार-विमर्श किया था। पार्टी की शानदार जीत के बाद मोदी ने उत्साही कार्यकर्ताओं को संबोधित किया था। भाजपा ने चुनावों में हर क्षेत्र और अधिकतर समुदायों के बीच प्रभावशाली बढ़त हासिल की है, इसलिए उसके पास मुख्यमंत्री पद के संभावित उम्मीदवारों की एक विस्तृत सूची है। विभिन्न राज्यों में अपने मुख्यमंत्रियों को चुनने में पार्टी के विकल्पों को अक्सर बड़े राजनीतिक संदेश के रूप में देखा जाता है, ऐसे में राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि दिल्ली कोई अपवाद नहीं होगा। आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल को हराने वाले जाट समुदाय के नेता प्रवेश वर्मा जैसे प्रमुख चेहरे और सतीश उपाध्याय, विजेंद्र गुप्ता, आशीष सूद एवं पवन शर्मा जैसे संगठन के अनुभवी नेताओं की चर्चा हो रही है, लेकिन भाजपा का इतिहास अपेक्षाकृत कम चर्चित नेताओं को आगे बढ़ाने का रहा है।

मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने इस्तीफा दिया

इम्फाल : मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने रविवार को राजभवन में राज्यपाल अजय कुमार भल्ला को अपना इस्तीफा सौंप दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सिंह ने राज्यपाल को लिखे अपने पत्र में कहा, ''अब तक मणिपुर के लोगों की सेवा करना मेरे लिए सम्मान की बात रही है। मैं प्रत्येक मणिपुरी के हितों की रक्षा के लिए समय पर की गई कार्रवाई, विकास कार्यों और विभिन्न परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए केंद्र सरकार का बहुत आभारी हूं।'' पत्र में कहा गया है, ''आपके कार्यालय के माध्यम से केंद्र सरकार से मेरा विनम्र अनुरोध है कि इसे जारी रखा जाए। मैं इस अवसर पर उनमें से सबसे महत्वपूर्ण कार्यों को गिनाना चाहता हूं... मणिपुर की क्षेत्रीय अखंडता को बनाए रखना, जिसका हजारों वर्षों से समृद्ध और विविध सभ्यतागत इतिहास रहा है।''

आतिशी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया

नयी दिल्ली : दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) की करारी हार के एक दिन बाद रविवार को उपराज्यपाल वी के सक्सेना को अपना इस्तीफा सौंप दिया। अधिकारियों ने बताया कि आतिशी ने राज निवास में सक्सेना को अपना इस्तीफा सौंपा। आम आदमी पार्टी को भले ही विधानसभा चुनाव में करारी हार का सामना करना पड़ा लेकिन आतिशी अपनी कालकाजी सीट बचाने में सफल रहीं। उपराज्यपाल कार्यालय ने कहा कि सक्सेना ने निवर्तमान मुख्यमंत्री को नयी सरकार के गठन तक पद पर बने रहने को कहा है। भाजपा नेताओं के अनुसार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अगले सप्ताह विदेश दौरे से लौटने के बाद भाजपा सरकार बनाने का दावा पेश कर सकती है। राज निवास ने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर पोस्ट किया, ''माननीय उपराज्यपाल वी के सक्सेना को आज मुख्यमंत्री आतिशी का इस्तीफा मिला। उन्होंने नयी सरकार के गठन तक उन्हें (आतिशी) अपने पद पर बने रहने को कहा है।''

नौसेना भारत के समुद्री हितों की रक्षा करना जारी रखेगी: एडमिरल त्रिपाठी

नयी दिल्ली : नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने कहा है कि उनका बल 'कभी भी, कहीं भी और किसी भी तरह' भारत के समुद्री हितों की रक्षा करना जारी रखेगा। नौसेना प्रमुख ने यह टिप्पणी शनिवार को यहां नए नौसेना भवन में आयोजित भारतीय नौसेना प्रमुखों के सम्मेलन में की। नौसेना के एक प्रवक्ता ने रविवार को एक बयान में कहा कि सम्मेलन का उद्देश्य इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले आठ पूर्व नौसेना प्रमुखों के सामूहिक अनुभव और ज्ञान से लाभ उठाना है। प्रवक्ता ने कहा कि इन पूर्व प्रमुखों को नीतिगत पहल, तकनीकी, सामग्री और परिचालन रसद प्रगति और भावी योजनाओं सहित परिचालन संबंधित एक अद्यतन प्रस्तुति से अवगत कराया गया। बयान में नौसेना प्रमुख के हवाले से कहा गया, ''हम आपकी शानदार विरासत को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं और भारतीय नौसेना 'कभी भी, कहीं भी, किसी भी तरह' भारत के राष्ट्रीय समुद्री हितों की रक्षा करना जारी रखेगी।'' सम्मेलन में उभरते भू-राजनीतिक परिदृश्य और प्रतिमानों के लिहाज से युद्ध और समुद्री रणनीति के भविष्य पर विचारों के खुले आदान-प्रदान को बढ़ावा देने, रुचि के प्रमुख मुद्दों पर विचार-विमर्श करने के लिए एक सत्र 'मंथन' भी आयोजित किया गया था।

उचित मूल्य में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की नी-रिप्लेसमेंट सर्जरी

सलाह दे रहे हैं विख्यात ऑर्थोपेडिक एवं जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन

DR. SANTOSH KUMAR
Consultant Orthopaedic & Joint Replacement Surgeon
Head, Institute of Computer Assisted
Joint Replacement Surgery, BELLE VUE CLINIC & WOODLANDS HOSPITAL

हमारे समाज में, विशेषकर व्यस्क व्यक्तियों के चलने-फिरने की समस्या का प्रमुख कारण है नी-आरथ्राइटिस। इस प्रकार की समस्याओं को प्राथमिक स्तर पर औषधियों और फिजियोथेरापी से ठीक करना मुमकिन तो है, पर समस्या जटिल होने पर **घुटने का प्रत्यारोपण या नी-रिप्लेसमेंट** ही एकमात्र निश्चित समाधान है।

मेरे तत्वावधान में नी-रिप्लेसमेंट पद्धति बिल्कुल पूर्वनिर्धारित (प्रेडिक्टेबल) है। सबसे पहले हम हर प्रकार के प्रिऑपरेटिव इन्वेस्टिगेशन करते हैं जैसे कि विभिन्न प्रकार के ब्लड टेस्ट, यूरिन टेस्ट, ईसीजी, इकोकार्डियोग्राफ इत्यादि। मेरे यहाँ रोगियों की सुरक्षा को सबसे अधिक प्राथमिकता दी जाती है। हमारे साथ हैं अनुभवी मेडिसिन चिकित्सक, कार्डियोलॉजिस्ट से सम्मिलित एक पूर्ण समर्पित टीम। सर्जरी के पहले, सर्जरी के दौरान और सर्जरी के बाद भी चिकित्सा से जुड़ी सभी जरूरतों का पूरा ख्या रखना ही हमारी टीम वर्क की सफलता सुनिश्चित करता है।

सम्पूर्ण उपयुक्त (प्रिसिशनल) सर्जरी और इसके बाद रोगी के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के उद्देश्य से मैं कम्प्यूटर एसिस्टेड मिनिमली इनवेसिव सर्जरी करता हूँ। रोगी अपनी सम्पूर्ण चिकित्सा में एक दर्दरहित अनुभव का एहसास कर पाएं, मैं इसका पूरा ख्याल रहता हूँ। सर्जरी के बाद रोगी घुटने को मोड़ पाएं और जमीन पर बैठ पाएं, इसके लिए मैं 'Rotation Platform High Flexion Knees' का इस्तेमाल करता हूँ। सर्जरी के दूसरे दिन से ही रोगी चल-फिर सकते हैं और तीन दिनों में घर वापस जा सकते हैं। मैं हर श्रेणी और हर प्रकार की बीमा कराए व्यक्तियों की सर्जरी करता हूँ और वे सभी व्यक्ति जो किसी बीमा संस्था के दायरे में नहीं आते हैं, उनकी सर्जरी भी बहुत उचित मूल्य में करता हूँ। किसी रोगी की आर्थिक समस्या के बारे में पता चलने पर, मैं उसकी समस्या का भी समाधान करने के लिए हमेशा प्रयासरत रहता हूँ।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:
DR. SANTOSH KUMAR KNEE FOUNDATION
Chamber : Plot No 332, Laketown
Block A, Kolkata-700 089
✆ : 98319 11584 / 98312 66632

e-mail : santdr@gmail.com
www.drsantoshkumarortho.com
www.mykneemylife.org
www.momentumorthocare.com

रेपो दरों में कमी से आर्थिकी को गति

कुछ ही समय पहले संसद में पेश सालाना बजट में सरकार ने आयकर को लेकर राहत की घोषणा की थी। अब एक हफ्ते बाद रिजर्व बैंक ने रेपो रेट कम करके आम आदमी को राहत देने की एक और कोशिश की है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने तीन दिवसीय मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद रेपो रेट में 25 बेसिस प्वाइंट की कटौती की घोषणा की है। इस तरह अब रेपो रेट 6.5 प्रतिशत से घटकर 6.25 रह गया है। सही मायनों में भारतीय अर्थव्यवस्था की चुनौतियों और बदलते अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य के मद्देनजर केंद्रीय बैंक ने आखिरकार बहुप्रतीक्षित दर में कमी की दिशा में कदम बढ़ाया है। यह पिछले पांच वर्षों में कटौती की दिशा में उठाया गया पहला कदम है। जो आर्थिक विकास और मुद्रास्फीति को संतुलित करने की दिशा में केंद्रीय बैंक के दृष्टिकोण में आए बदलाव का संकेत भी देता है। निश्चित रूप से यह निर्णय ऐसे समय में सामने आया है जब देश की आर्थिक गति धीमी नजर आ रही है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिये सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर का 6.7 फीसदी रहने का अनुमान लगाया जा रहा है। निश्चय ही यह वर्ष 2023-24 में हासिल की गई 8.2 प्रतिशत दर से काफी कम है। अब तक केंद्रीय बैंक मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाने के मकसद से रेपो दर में कटौती से बचता रहा है। दरअसल, राजनीतिक नफा-नुकसान की दृष्टि से महंगाई का मुद्दा बेहद संवेदनशील होता है। विपक्ष महंगाई बढ़ने को सतारूढ़ दल की विफलता के रूप में दर्शाने की ताक में रहता है। हालांकि, अभी भी मुद्रास्फीति केंद्रीय बैंक के चार फीसदी के लक्षित मानक स्तर से ऊपर बनी हुई है। लेकिन धीमी पड़ती विकास दर की चुनौती को देखते हुए विकास व मुद्रास्फीति में संतुलन बनाने की कवायद की गई है। हालांकि, आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने अपनी पहली नीतिगत समीक्षा में लंबे समय तक दर कटौती चक्र की अटकलों को खारिज किया है।

बहरहाल, देश के उद्योग जगत की हस्तियों ने रेपो दर में कटौती का स्वागत किया है। इसके बावजूद ऋण लेने की लागत पर इसके प्रभाव को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। हालांकि, कुछ आर्थिक मामलों के जानकार मानते हैं कि रेपो दर में कटौती बेहद कम है और इसका लाभ देर से मिलेगा। इसकी मूल वजह यह भी है कि बैंक, पहले से ही नकदी तरलता की कमी का सामना कर रहे हैं। संभव है कि बैंक लोन लेने वालों को तुरंत लाभ न दें। वैसे रेपो दर में कटौती के बाद उपभोक्ताओं के ऋण की ईएमआई कम होने की उम्मीद तो जगी है। इसके अलावा केंद्रीय बैंक ने मौद्रिक नीति से परे वित्तीय लेनदेन में साइबर सुरक्षा बढ़ाने के उपाय भी किए हैं। जिसमें बैंकों व गैर बैंकिंग वित्तीय संस्थानों के लिये अलग डोमेन की जरूरत को महसूस किया गया है। दरअसल,इसका मकसद डिजिटल धोखाधड़ी पर अंकुश लगाने और ऑनलाइन बैंकिंग में उपभोक्ताओं का विश्वास बढ़ाना है। निश्चित ही लगातार बढ़ते साइबर अपराधों को देखते हुए यह अतिरिक्त सुरक्षा उपाय स्वागत योग्य ही है। इसके अलावा आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने एक अप्रैल से लागू होने वाले प्रस्तावित कड़े बैंकिंग मानदंडों को स्थगित करने की बात कही है। जो उनके पूर्ववर्ती की तुलना में अधिक लचीले नियामक रुख का संकेत भी है। निश्चय ही यह कदम बैंकों के ऋण प्रवाह को बाधित किए बिना तरलता और पूंजी आवश्यकताओं के अनुकूलन के लिये अधिक समय प्रदान करता है। आज पूरी दुनिया आर्थिक अनिश्चितताओं के दौर से गुजर रही है। जिसके मूल में अस्थिर ऊर्जा कीमतें और ट्रंप के सत्ता में आने के बाद अमेरिका की आक्रामक मौद्रिक नीतियां हैं, जो नये जोखिम पैदा करती हैं। फिलहाल आरबीआई का सतर्क बदलाव वित्तीय स्थिरता को मुश्किल में डाले बिना विकास को गति देने के प्रयास को ही दर्शाता है। वहीं दूसरी ओर आम आदमी की आकांक्षा है कि उसे सस्ता होम व कार लोन मिले। जो ऋण लिया गया है उसकी ईएमआई कम हो तथा ऋण मुक्ति की अवधि कम हो सके। बहरहाल, मध्यवर्ग क्लास फील गुड की मनोदशा में है।

परीक्षा योद्धाओं की नई परिभाषा: परीक्षा के युद्धक्षेत्र से परे

धर्मेंद्र प्रधान
केंद्रीय शिक्षा मंत्री

प्रकृति ने अपनी असीम बुद्धि से प्रत्येक मनुष्य को एक अलग पहचान दी है - हमारी उंगलियों के निशान से लेकर आंखों की पुतलियों तक, हमारे अनुभव से लेकर विचारों तक, हमारी प्रतिभाओं से लेकर उपलब्धियों तक। मानवीय विशिष्टता के बारे में यह गहन सत्य हमारे समाज की विशेषता रही है और हमारी शिक्षा प्रणाली को इस विशेषता को प्रतिबिंबित करना चाहिए। प्रत्येक बच्चे में कुछ जन्मजात प्रतिभा होती है, कुछ शैक्षिक प्रतिभा से चमकते हैं, अन्य रचनात्मकता के लिए तत्पर होते हैं, कई अन्य एथलेटिक और पेशेवर कौशल से युक्त होते हैं। इस विशिष्टता को दर्शाते हुए, स्वामी विवेकानंद ने एक बार कहा था, शिक्षा मनुष्य में पहले से मौजूद पूर्णता की अभिव्यक्ति है।

एक बच्चे की प्राकृतिक प्रतिभा को निखारना और उसे उसकी पसंद के शैक्षणिक और पाठ्येतर गतिविधियों में रचनात्मक रूप से शामिल करना हमारे शैक्षणिक संस्थानों के सामने कठिन चुनौतियां रही हैं। शिक्षकों और नीति निर्माताओं के रूप में हमारी भूमिका एक बच्चे की अनूठी प्रतिभा को विकसित करना है, जिससे वह चुने हुए लक्ष्य में श्रेष्टता प्राप्त कर सके। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 ने प्रतिभा को परिभाषित करने और उसको विकसित करने के तरीके में एक विलक्षण बदलाव किया है। यह एक दार्शनिक ढांचा है जो वास्तव में हमारे प्रत्येक बच्चे में मौजूद विशिष्टता की सूक्ष्म रूपरेखा का वर्णन कर सकता है जो हमारे देश की उन्नति में योगदान देता है।

हमारे प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में, हम शिक्षा में संपूर्ण सुधार लागू कर रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि बच्चे की शैक्षिक यात्रा हमेशा रोमांचकारी और यादगार बनी रहे। बच्चे पढ़ाई और परीक्षा के दौरान किसी भी तरह के तनाव और दबाव से मुक्त रहें। यह दृष्टिकोण हमारे शैक्षिक सुधारों का केंद्र है, बुनियादी शिक्षा से लेकर शिक्षा और अनुसंधान के उच्चतम स्तरों तक।

कुछ साल पहले, हमारे युवा शिक्षार्थियों के लिए बाल वाटिका या खिलौना-आधारित शिक्षा ने व्यापक संदेह को आमंत्रित किया होगा। आज, एनईपी की बदौलत, ये अभिनव दृष्टिकोण प्रारंभिक शिक्षा में आमूल परिवर्तन ला रहे हैं, जिससे सीखना कष्टदायक होने के बजाय एक आनंददायक कार्य बन गया है। हमारी नई शिक्षा प्रणाली यह मानती है कि प्रत्येक बच्चा अपनी प्राकृतिक प्रतिभा के अनुसार विकास करता है।

हमारी क्रेडिट ट्रांसफर नीति जो एक अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट स्थापित करती है, एक और उन्नतिशील कदम आगे बढ़ाती है। यह माना जाता है कि जीवन का मार्ग हमेशा सीधा नहीं हो सकता है, बल्कि इसमें उतार-चढ़ाव भी हो सकते हैं और सीखना विभिन्न परिस्थितियों में विभिन्न गति से हो सकता है। शिक्षार्थी औपचारिक शिक्षा को रोक सकते हैं क्योंकि वे अपनी रुचि के अनुसार काम करते हैं, व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करते हैं तथा अपने परिवार का समर्थन करते हैं। जब वे औपचारिक शिक्षा में वापस लौटते हैं, तो उनके अपने अनुभव और उपलब्धियां काम आती हैं और इन्हें महत्व दिया जाता है जो उनके क्रेडिट अकादमिक रिकॉर्ड में शामिल किया जाता है। यह अनुकूलनियता इस बात को जोर देती है कि सीखने के दरवाज़े हमेशा खुले रहते हैं, जो लोगों को उनके जीवन के किसी भी मोड़ पर सीखने के पारिस्थितिकी तंत्र में वापस लाते हैं।

सरकार ऐसी संस्कृति विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है, जहां परीक्षा में सफलता कभी भी संपूर्ण विकास पर हावी न हो, जिससे हमारे युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान न हो। इस महत्वपूर्ण चुनौती को पहचानते हुए, हमारी सरकार ने परीक्षा से संबंधित तनाव को दूर करने में मदद करना एक राष्ट्रीय प्राथमिकता बना दिया है। प्रधानमंत्री की अभूतपूर्व परीक्षा पे चर्चा पहल छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों के मूल्यांकन के तरीके को बदलने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। छात्रों और अभिभावकों के साथ प्रधानमंत्री की बातचीत ने परीक्षा की चिंता को राष्ट्रीय संवाद में बदल दिया है। उन्होंने पिछले कई वर्षों से परीक्षाओं को लेकर होने वाली चिंता को दूर करने का प्रयास किया है, जो संवेदनशील दिमाग पर अनावश्यक दबाव डालती है।

प्रधानमंत्री के अपने जीवन और अनुभवों से लिए गए व्यावहारिक सुझावों को परीक्षार्थियों ने खूब सराहा है, जिससे उनका परीक्षा में तनाव मुक्त प्रदर्शन आश्वस्त हुआ है। सच्चे नेतृत्व के एक उदाहरण में, हम भारतीयों की भावी पीढ़ी को बढ़ावा देने के लिए एक दूरदर्शी नेता के समर्पण को देख रहे हैं जो राष्ट्र निर्माण में योगदान देता है और राष्ट्र की प्रगति की ओर निरंतर अग्रसर होना सुनिश्चित करता है। माता-पिता और समाज तथा नागरिक पर ये परिवर्तन केंद्रित है। परीक्षा पे चर्चा मानसिक स्वास्थ्य और शिक्षण सहायक, वातावरण के महत्व को उजागर करने में परिवर्तनकारी रही है। यह एक ऐसी मानसिकता है जिसे केवल 10वीं और 12वीं के छात्रों की बोर्ड की कक्षाओं के अलावा सभी कक्षाओं और सभी उम्र के छात्रों में बढ़ावा दिया जाना चाहिए । परीक्षा के समय दबाव और तनाव को दूर करने के सभी चरणों को सिखाया जाना चाहिए।

रवींद्रनाथ टैगोर के बुद्धिमान शब्दों में, बच्चे को अपनी शिक्षा तक सीमित न रखें, क्योंकि वह किसी और समय में पैदा हुआ है। शैक्षिक परिवर्तन के प्रति हमारा दृष्टिकोण इसी ज्ञान से निर्देशित है। यह विचार कि शिक्षा में तनाव अनिवार्य है, इस समझ को बदलने की आवश्यकता है कि वास्तविक शिक्षा पोषण करने वाले वातावरण में पनपती है। जब समुदाय, शिक्षक और परिवार मिलकर ऐसा माहौल बनाते हैं जहां छात्र का विकास हो सकें, तो सफलता अवश्य मिलती है। कक्षा से लेकर खेल के मैदान तक, व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्रों से लेकर अनुसंधान प्रयोगशालाओं तक, हमें ऐसे स्थान बनाने चाहिए जहां अलग-अलग प्रतिभाएं अपनी चमक पा सकें और विकास कर सकें। पारंपरिक एक-आकार-सभी-फिट दृष्टिकोण को बदलने की कोशिश की जा रही है ताकि एक से अधिक सूक्ष्म, उत्तरदायी प्रणाली को रास्ता दिया जा सके जो व्यक्तिगत क्षमता को पहचान सके और उसका विकास कर सकती हो।

जैसे-जैसे हम विकासित भारत की ओर तेज़ी से आगे बढ़ रहे हैं, हमारी शिक्षा प्रणाली राष्ट्रीय परिवर्तन की एक प्रमुख आधारशिला के रूप में खड़ी है। हम मानते हैं कि हर कौशल में योग्यता होती है, हर यात्रा का मूल्य होता है, और हर बच्चे को उत्कृष्टता के लिए अपना अनूठा मार्ग खोजने का अधिकार है। जब हम विविध प्रतिभाओं का पोषण करते हैं, हम अपने समाज के ताने-बाने को मजबूत करते हैं और सभी क्षेत्रों में अपने राष्ट्र की क्षमताओं को बढ़ाते हैं।

आज, मैं अपने महान राष्ट्र के प्रत्येक माता-पिता, शिक्षक और नागरिक का आह्वान करता हूं। शिक्षा का परिवर्तन केवल एक सरकारी पहल नहीं है - यह एक राष्ट्रीय मिशन है जो हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता और साझा दृष्टिकोण की मांग करता है। हम अपने लक्ष्यों को तब प्राप्त करेंगे जब सरकार और नागरिक समाज के बीच सहयोग और साझेदारी हमारी नीतियों और कार्यों को परिभाषित करेगी।

हमारे बच्चे हमारा भविष्य हैं। वे अपनी अनूठी प्रतिभा से चमकेंगे और देश को गौरवान्वित करेंगे। एक उज्ज्वल भविष्य हमारा आह्वान करता है। हम मानते हैं कि प्रत्येक बच्चे की अद्वितीयता में भारत के भविष्य की विलक्षणता निहित है। तनाव मुक्त शिक्षा हमारे बेहद प्रतिभाशाली छात्रों के अनुपम योगदान को निखारने की कुंजी होगी।

दिल्ली के नतीजे न चौंकाने वाले न अप्रत्याशित

ऋतुपर्ण दवे

दिल्ली के नतीजों को महागठबंधन की रार, तकरार या हार कहें या फिर भाजपा का आत्मविश्वास, लेकिन सच यही है कि जीत मतदाताओं की हुई है। यकीनन दिल्ली के मतदाताओं के दोनों हाथ में लड्डू थे। शायद, इसी वजह से दिल्ली में मतदाताओं ने काफी सोच-विचार कर भाजपा को चुना। हो सकता है कि इस बार केजरीवाल और उनकी टीम अपने वायदों पर खरे नहीं उतरे या आरोपों के कुचक्र में ऐसी घिरते चले गए कि जनमानस को उनकी कथनी और करनी में तो अंतर समझ आने लगा। वहीं पुरानी घोषणाओं और भावनाओं का खेला हुआ। आम आदमी पार्टी को इस बार उसके नेताओं के पुराने भावुक भाषणों ने करारी चोट दी। जिसमें नीली वैगन आर और मुख्यमंत्री के आवास को लेकर जुमलों जैसी बातें थी। भाजपा ने भी मतदाताओं को निजी तौर पर लाभ के पिटारों और पुरानी सौगातों में वृध्दि का जो दांव खेला उसी का असर सामने है। फायदे के दौर में ज्यादा फायदा कौन नहीं चाहेगा? भाजपा ने भी फायदों की झड़ी पर दांव लगाया तो क्या बुरा किया? इधर केजरीवाल भी अपनों से ही उलझते चले गए और गठबंधन भी बिखरता गया।

आम आदमी पार्टी को शीश महल, शराब घोटाला जैसे आरोपों ने ऐसा धराशायी किया कि आप की 'झाड़ू ' ने अपनों को साफ कर नाउम्मीद कर दिया। हालांकि भाजपा को अपना सूखा दूर करने में 27 साल लग गए। लेकिन यह सच है कि लोकसभा चुनावों के बाद दिल्ली के महज 70 सीटों के चुनाव पर देश-दुनिया की निगाहें थी। दिल्ली के चुनाव इसलिए भी बेहद खास थे कि नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद वहां पर सरकार न बना पाना उनकी सबसे बड़ी कसक थी। यही वजह थी कि मोदी ने भी इस बार न केवल अपना दांव चला बल्कि अपने भाषणों से भी काफी कुछ संदेश देने की कोशिश की। आखिर दिल्ली में भी मोदी मैजिक पहली ही बार ही सही, चल गया।

हालांकि कहा जरूर जा रहा था कि संघर्ष त्रिकोणीय होगा लेकिन नतीजे आमने-सामने के ही दिखे। कांग्रेस को जरूर इस बात पर संतोष करना होगा कि उसके वोट प्रतिशत में थोड़ा इजाफा हुआ है। लेकिन यह नाकाफी है। हां यदि इण्डिया गठबन्धन यहां भी एकजुटता से लड़ता तो संभव है कि नतीजे कुछ बदले भी आ सकते थे। लेकिन यह महज कयास हैं। कुल मिलाकर इसे घोषणाओं में कौन कितना आगे रहा उसी की जीत हुई कहा जा सकता है। 70 सीटों वाली दिल्ली विधानसभा में भाजपा 48 सीटों के बहुमत सत्ता में आई। वहीं आम आदमी पार्टी 22 सीटों पर सिमट गई। मतों के प्रतिशत के लिहाज जहां भाजपा को 45.56 तो आम आदमी पार्टी को 43.57 प्रतिशत मत मिले। अंतर भले ही कम रहा लेकिन अंकगणित के आंकड़ों ने आप को चित्त कर दिया। कांग्रेस को जरूर 2020 के मुकाबले ज्यादा मत मिले जो 4.63 से बढ़कर 6.34 हो गए। निश्चित रूप से हरेक सीट के विश्लेषण के बाद समझ आएगा कि कांग्रेस आप के लिए कितनी वोट कटवा रही। अब भाजपा के लिए अभी तो यह जश्न का दौर है। लेकिन वायदों पर भी खरा उतरना होगा। निश्चित रूप से मुफ्त की रेवड़ी की बहार और वायदों में बरकरार रहने वाली पार्टियों का ही वक्त आता दिख रहा है। शायद दिल्ली में भाजपा की जीत और आम आदमी पार्टी की हार के बाद सभी की निगाहें अब बिहार पर हैं। वहां के मतदाताओं के हाथ अभी दिल्ली जैसा लाभ नहीं है। वहां सत्ताधारी गठबंधन के अंदर निश्चित रूप से इस जीत के बाद मंथन का दौर चल रहा होगा कि मतदाताओं को अपने पक्ष में बनाए रखने की लिए और कितनी घोषणाएं कर तुरंत उन्हें अमल में लाया जा सकता है।

आम आदमी पार्टी के क्षत्रपों की हार से पूरे देश में एक बड़ा संदेश जरूर गया है। आने वाला दौर और राज्यों के चुनावों के ट्रेन्ड काफी बदलने वाले हैं। दिल्ली के नतीजों के बाद अब जिन-जिन राज्यों में चुनाव होने हैं वहां पर विकास के अलावा मुफ्त की रेवड़ी बांटने या जीतने के बाद देने के वायदों को देखना होगा।

भाजपा की जीत या आप की हार को राजनीतिक दृष्टि से तो देखा ही जाएगा लेकिन इसका विकास की योजनाओं पर भी दूरगामी असर होगा। इसके अलावा गठबन्धन की राजनीति के लिए भी बड़ा संदेश छुपा है। बन्द मुट्ठी लाख की खुल गई तो खाक की। कांग्रेस बेहतर न कर पाने के बाद भले ही कहे कि हमें आम आदमी पार्टी ने हरियाणा में धोखा दिया तो हमने दिल्ली में उसे उसकी हैसियत बता दी। वास्तविक हैसियत तो मतदाताओं ने दिखा दी है। लगता नहीं कि भविष्य में गठबन्धन धर्म में कांग्रेस ने भी खुद अपने लिए चुनौतियां नहीं बढ़ा लीं?

कहते हैं वक्त कभी थमता नहीं है। लेकिन कांग्रेस की हालत और जनता में विश्वास को लेकर अब यह चिंतन और मंथन का भी समय है। कांग्रेस को अपने वजूद के लिए नए सिरे से छोटे-बड़े से समझौते पर सोचना होगा। वहीं आम आदमी पार्टी को भी इस बात को लेकर जूझना होगा कि पंजाब के वायदों को पूरा न कर पाने का दिल्ली में कितना खामियाजा उठाना पड़ा? लेकिन एक बार फिर विपक्षी एकता और महागठबंधन की ताकत को लेकर फिर चिंतन-मंथन का दौर शुरू होगा। शायद विपक्ष सीख ले? इसके लिए बिहार के चुनाव का इंतजार करना होगा।

सच है कि भाजपा को आत्मविश्वास और मजबूत संगठनात्मक ढ़ांचे के साथ अनुशासित होकर चुनाव लड़ने से भी बहुत फायदा हुआ। वहीं जिस तरह से प्रचंड जनादेश से सरकार में आने के बाद ही आम आदमी पार्टी से जुड़े महत्वपूर्ण तुरुप और दूसरे दिग्गजों को मजबूरन कहें या जानबूझकर अलग किया गया या होने को मजबूर होना पड़ा यह हार भी कहीं न कहीं उसकी कीमत है। अब आप के सामने बची-खुची एकजुटता बनाए रखना भी बड़ी बल्कि बहुत चुनौती होगी। इसमें कोई संदेह नहीं कि केजरीवाल के लिए सबसे बड़ी मुश्किल अपनी पार्टी को दोबारा मजबूत कर पाना और पंजाब की सरकार को जनता की उम्मीदों पर खरा उतारना होगा। यह तय है कि केजरीवाल के लिए आने वाले दिन और भी मुश्किलों से भरे होंगे।

भाजपा के लिए दिल्ली की बाधा तो दूर हुई। अब देखना है कि डबल इंजन की ताकत क्या करिश्मा कर दिखाती है। बहरहाल अभी तो आप और कांग्रेस की हालत को देखकर यही कहना ठीक होगा कि ये पब्लिक है सब जानती है। हाँ, दिल्ली के नतीजे न चौंकाने वाले थे और न ही अप्रत्याशित। गर्व से कह सकते हैं लोकतंत्र जिंदाबाद।

आज का पंचांग

कोलकाता : 10 फरवरी, सोमवार, 2025, विक्रम सम्वत् 2081, माघ शुक्लपक्ष त्रयोदशी, 19:01 तक, नक्षत्र : पुनर्वसु, 18:01 तक, योग : प्रीति, 10:27 तक, सूर्योदय: 6:12, सूर्यास्त: 17:30, चन्द्रोदय : 15:24, चन्द्रास्त: 04:33, शक सम्वतः 1945 सुभाकृतु, सूर्य राशि : मकर, चन्द्र राशि : मिथुन, राहू काल : 07:39 से 09:02

राशिफल

मेष : मेष राशि वालों को लाभ होगा और आपको दूसरों की मदद करने से खुशी मिलेगी। दिन परोपकार के काम में बीतेगा और आपको धन सम्मान के मामले में लाभ होगा।

वृष : वृष राशि वालों के लिए लाभ के योग बने हैं और आपका दिन परिवार के लोगों के साथ शानदार बीतेगा। दोपहर तक कोई अच्छी खबर मिल सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन : मिथुन राशि के लोगों के लिए दिन लाभ और सफलता से भरा होगा। किसी कीमती चीज या फिर संपत्ति को पाने की चाहत पूरी हो सकती है। काम बहुत रहेगा। फालतू खर्च से बचें।

कर्क : कर्क राशि वालों को अचानक धन लाभ हो सकता है। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। आपको जल्दबाजी में भावुक होकर कोई फैसला न लेने की सलाह है।

सिंह : सिंह राशि वालों को राजनीति में बड़ी सफलता मिल सकती है। प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ेंगे। रुका हुआ काम पूरा होगा आपको सेहत की वजह से काफी भागदौड़ करनी पड़ सकती है।

कन्या : कन्या राशि वालों का दिन सफलता से भरा होगा और आपके लिए तरक्की के योग बने हैं। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। किसी रचनात्मक काम में मन लगेगा।

तुला : तुला राशि वालों को शिक्षा और प्रतियोगिता में सफलता मिल सकती है। आमदनी के नए रास्ते खुलेंगे। अच्छी बातचीत करने की कला से आपको सम्मान मिलेगा।

वृश्चिक : वृश्चिक राशि वालों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। धन, सम्मान और यश में वृद्धि होगी। अपने लोगों से मुलाकात होगी। बोलते समय संभलकर बोलें, वरना मुश्किल हो सकती है।

धनु : धनु राशि वालों को घर का काफी खर्च घर के सामान पर होगा। सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। किसी कर्मचारी या रिश्तेदार की वजह से तनाव हो सकता है।

मकर : मकर राशि वालों को व्यापार में अच्छा मुनाफा होगा। आर्थिक स्थिति और मजबूत होगी। व्यापार बदलने का विचार कर सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी।

कुम्भ : कुंभ राशि वालों का दिन हर काम काफी सोचकर करने वाला है। कोई प्रॉपर्टी खरीदते-बेचते समय उसके सारे नियम-कानूनों को ध्यान से समझ लें। धन लाभ के योग हैं।

मीन : आज किसी प्रिय मित्र की सहायता में समय व्यतीत होगा, और ऐसा करके आपको खुशी ही मिलेगी। धार्मिक तथा आध्यात्मिक कार्यों में भी आपकी रुचि बनी रहेगी।

विदेश की खबरें

बांग्लादेश: अवामी लीग के नेता के घर पर हमले और हिंसा की घटना के बाद 40 लोग गिरफ्तार

ढाका : बांग्लादेश की राजधानी ढाका के बाहरी इलाके में अवामी लीग के एक नेता के घर में तोड़फोड़ के दौरान एक छात्र समूह के कार्यकर्ताओं पर हुए हिंसक हमले के बाद 40 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मीडिया में आई एक खबर में यह जानकारी दी गई है। इस हमले में कई लोग घायल हो गए। मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस की सरकार ने शुक्रवार रात गाजीपुर जिले में छात्रों और आम लोगों पर हुए हमले के बाद शनिवार को ऑपरेशन डेविल हंट का आदेश दिया था। 'यूनाइटेड न्यूज ऑफ बांग्लादेश' की खबर के अनुसार, गाजीपुर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) चौधरी जाबेर सादिक ने बताया कि इस अभियान के तहत जिले के विभिन्न हिस्सों से 40 लोगों को पकड़ा गया है। देश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के सभी चिह्नों को शुक्रवार की रात नष्ट करने और तोड़फोड़ करने वाली भीड़ के कम से कम 14 लोग गाजीपुर शहर के दक्षिणखान इलाके में हमले की चपेट में आकर घायल हो गए। यह हिंसा पूर्व मुक्ति संग्राम मामलों के मंत्री मोजम्मेल हक के आवास पर हमले के दौरान हुई थी। इस घटना के बाद घायलों को तुरंत इलाज के लिए शहीद ताजुद्दीन अहमद मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था और बाद में उनमें से कुछ को ढाका मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया था।

नेपाल: महाकुंभ जा रही बस दुर्घटनाग्रस्त, 40 तीर्थयात्री घायल

काठमांडू : पश्चिमी नेपाल से महाकुंभ के लिए प्रयागराज जा रही एक बस रविवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिससे 40 तीर्थयात्री घायल हो गए।यह दुर्घटना काठमांडू से 500 किलोमीटर पश्चिम में सुरखेत जिले के भेरीगंगा नगर पालिका के बाबई क्षेत्र में शाम साढ़े पांच बजे हुई। पुलिस के अनुसार, दुर्घटना उस समय हुई जब करनाली जिले के सुरखेत से एक बस में सवार होकर 40 यात्री महाकुंभ जा रहे थे।

युद्ध विराम समझौते के तहत गाजा के प्रमुख गलियारे से इजराइली सेना की वापसी शुरू

तेल अवीव : हमास के साथ युद्ध विराम समझौते के तहत इजराइली सेना ने गाजा के एक प्रमुख गलियारे से हटना शुरू कर दिया है। इजराइली अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। युद्धविराम समझौते के एक भाग के रूप में इजराइल ने नेत्ज़ारिम गलियारे से अपनी सेनाएं हटाने पर सहमति व्यक्त की थी। यह एक भू-पट्टी है जो उत्तरी गाजा को दक्षिणी गाजा से अलग करती है। इजराइली अधिकारी ने नाम गुप्त रखने की शर्त पर यह बात कही, क्योंकि उन्हें मीडिया के साथ सैन्य टुकड़ियों की आवाजाही पर चर्चा करने का अधिकार नहीं था। इजराइल ने युद्ध विराम की शुरुआत में फलस्तीनियों को युद्धग्रस्त उत्तरी क्षेत्र में अपने घरों की ओर जाने के लिए नेत्ज़ारिम पार करने की अनुमति देना शुरू कर दिया था। इसके अलावा क्षेत्र से सेनाओं की वापसी समझौते के प्रति एक और प्रतिबद्धता को पूरा करेगी। यह अभी तक स्पष्ट नहीं है कि रविवार को इजराइल ने कितने सैनिक वापस बुलाये थे।

वर्ग पहेली नं. 3000

1	2		■	3		4	■	5	
■		■	6		■	7			■
8		9		■	10		■	11	12
	■		■	13		■	14		
15	16		17		■	18		■	
■		■	19		■		■	20	
21		22	■	23	24		25		■
	■		■	26		■		■	27
28				■		■	29		

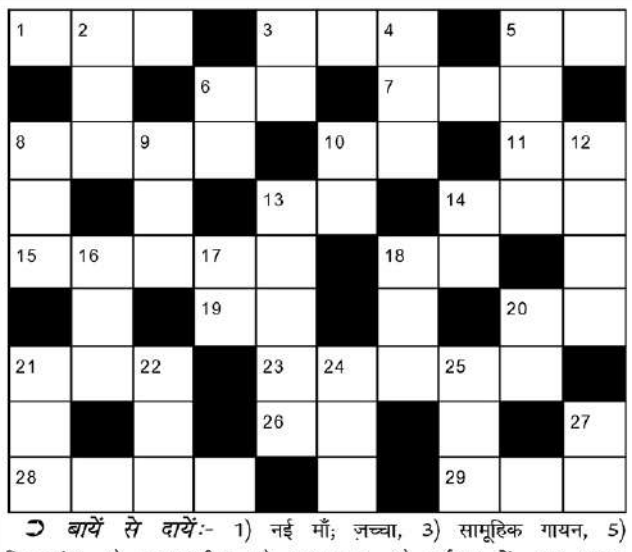

बायें से दायें:- 1) नई माँ; ज़च्चा, 3) सामूहिक गायन, 5) मित्रताभंग, 6) आसनग्रहीत, 7) तथागतपुत्र, 8) वर्तमान में; इस समय, 10) धेनुका, 11) छँटनी; दुर्गुण; दुर्भिक्ष; कटौती, 13) साक्षर, 14) परंपरा; आचरण, 15) सिपाही, 18) कागज़ का टुकड़ा; प्रश्नपत्र, 19) अफ़वाह; दिखावा; वायु; ट्रैंड, 20) डैना, 21) गद्देदार, 23) विनम्र; नतशीश, 26) तरबतर, 28) खिली जवानी; यौवन, 29) करेले जैसा.

ऊपर से नीचे:- 2) सूर्य, 3) भंडारघर; वेश्यालय, 4) पांथशाला, 5) बहते पानी का मंदध्वनि, 6) एक पालतू पशु, 8) हठ, 9) खोपड़ी, 10) घना, 12) त्रुटि; किंतु परंतु, 13) अनुमति, 14) उल्लेख; विवेचना, 16) गणवेश, 17) जलन; दहन, 18) अत्यधिक, 20) दलदल; कीचड़, 21) वृद्ध, 22) शिताबी; चुस्ती; दक्षता, 24) टटोल, सर्च, 25) पुष्पगुच्छा, 27) छोड़ कर.

(उत्तर: अगले अंक में)

पिछली पहेली का उत्तर

स	म्म	ति	■	छु	ट	का	■	ज़ा	ती
■	■	त	स्क	री	■	रा	ष्ट्री	य	■
दू	भ	र	■	■	ठें	गा	■	का	बू
स	■	बि	य	र	■	र	टा	■	च
रा	ह	त	■	ज	ज	■	प	क	ड़
■	स्त	र	■	स्व	ग	त	■	■	ख़ा
■	क्षे	■	ब	ला	■	प	र	वा	ना
अ	प	वा	द	■	भू	ना	■	ल्मी	■
न्य	■	चा	ल	ढा	ल	■	च	कि	त

शब्दवेधी

सुडोकू-पहेली-2960

			1		5	8		
6	2						9	
			3					
9				2	8			
						1		
				4				
							6	2
	1	5						
7								

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 2959 का उत्तर

8	4	9	3	5	7	2	6	1
2	5	3	8	1	6	4	7	9
6	1	7	2	9	4	3	5	8
4	3	8	9	6	2	5	1	7
1	9	2	5	7	3	6	8	4
5	7	6	4	8	1	9	3	2
9	2	1	7	3	5	8	4	6
7	8	5	6	4	9	1	2	3
3	6	4	1	2	8	7	9	5

आर. जी. कर मेडिकल कॉलेज की घटना ने बंगाल के सिस्टम में सड़न को उजागर किया : प्रधान

कोलकाता : केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने रविवार को पश्चिम बंगाल की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि आर. जी. कर मेडिकल कॉलेज में एक प्रशिक्षु चिकित्सक की बलात्कार के बाद हत्या की घटना यह साबित करती है कि राज्य का सिस्टम पूरी तरह सड़ चुका है। प्रधान ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में 'गुंडों' को नागरिक पुलिस जैसी सामाजिक पहलों में शामिल किया गया है। उन्होंने कोलकाता में एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बातचीत में कहा कि इस तरह की घटना भारत जैसे लोकतांत्रिक देश के लिए चिंता

का विषय है। उन्होंने कहा, जो कुछ आर. जी. कर में हुआ, वह गंभीर चिंता का विषय है। समाज की सुरक्षा के लिए बनाए गए तंत्र में गुंडों की भर्ती इस बात का संकेत है कि यह व्यवस्था सड़ चुकी है। यह लोकतंत्र के लिए चिंता का विषय है। प्रधान का इशारा कोलकाता पुलिस के सिविक वॉलंटियर संजय रॉय की ओर था।

प्रधान ने कहा, हम चाहते हैं कि पीड़िता के परिवार को जल्द से जल्द न्याय मिले। उनकी बेटी देश की हर एक महिला का प्रतिनिधित्व करती है। हमें सीबीआई (केंद्रीय जांच ब्यूरो) पर भरोसा है और धैर्य रखना होगा।

आर. जी. कर मेडिकल कॉलेज की पीड़िता के रविवार को जन्मदिन के अवसर पर उनके माता-पिता और प्रदर्शनकारी जूनियर डॉक्टरों ने न्याय की मांग को लेकर एक रैली निकालने की घोषणा की। जब प्रधान से प्रदर्शन कर रहे जूनियर चिकित्सकों पर राज्य सरकार द्वारा की जा रही अनुशासनात्मक कार्रवाई के विषय में पूछा गया तो उन्होंने कहा, न्याय के लिए किए जा रहे किसी भी आंदोलन को कमतर नहीं आंकना चाहिए। हाल ही में कोलकाता के न्यू टाउन इलाके में 14 साल की बच्ची के साथ कथित दुष्कर्म और हत्या की घटना के विषय में प्रधान से पूछे जाने पर उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि राज्य में किसी भी बेटी के साथ ऐसी घटनाएं न हों। अगर ऐसा नहीं हुआ, तो बंगाल के लोग इसका विरोध करेंगे। मुझे उन पर पूरा भरोसा है।

दक्षिण कोलकाता में अवैध निर्माण पर मेयर कार्यालय में दर्ज हुई शिकायत, जांच जारी

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण कोलकाता में एक बार फिर अवैध निर्माण की शिकायत सामने आई है। जिसे मेयर फिरहाद हकीम के दफ्तर में जमा किया गया है। कोलकाता नगर निगम अवैध निर्माण के मामलों को लेकर पहले से ही परेशान है, और अब यह नया मामला चर्चा का विषय बन गया है। इस शिकायत में बताया गया है कि 15, 15/1ए और 9/2ए ग्रोव लेन के पते पर एक सामान्य दीवार मौजूद है, जिसका उपयोग 9/2बी ग्रोव लेन के एक परिवार ने अवैध निर्माण करने के लिए किया है। आरोप है कि इस परिवार ने गुंडों को बुलाकर यह निर्माण किया है। शिकायत में नगर निगम से तत्काल कार्रवाई की मांग

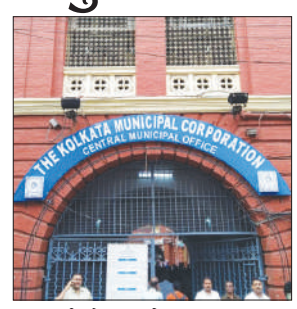

की गई है। इसके साथ ही यह शिकायत पत्र कोलकाता नगर निगम के बिल्डिंग विभाग के डायरेक्टर जनरल के पास भी भेजा गया है। दक्षिण कोलकाता लोकसभा क्षेत्र के रासबिहारी विधानसभा के अंतर्गत 84 नंबर वार्ड में यह मामला तूल पकड़ चुका है।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि चूंकि पत्र में अपराधियों के रहने का आरोप लगाया गया है, इसलिए टालिगंज थाना पुलिस भी इस मामले पर नजर रखे हुए है। स्थानीय तृणमूल काउंसलर परमिता चट्टोपाध्याय ने कहा, दोनों पक्ष मेरे पास आए थे। मैंने उनकी शिकायत नगर निगम के बिल्डिंग विभाग को फॉरवर्ड कर दी है। रासबिहारी विधानसभा क्षेत्र के वर्तमान विधायक और मेयर परिषद देवाशीष कुमार, जो शासक दल के दक्षिण कोलकाता जिले के संगठन के अध्यक्ष भी हैं, इस मामले को लेकर गंभीर हैं। जैसे ही यह मामला सामने आया, कोलकाता नगर निगम के बिल्डिंग विभाग ने जांच शुरू कर दी है।

आज से विस का सत्र शुरु, बुधवार को ममता सरकार का बजट

कोलकाता : पश्चिम बंगाल विधानसभा का बजट सत्र आज राज्यपाल डॉ सीवी आनंद बोस के अभिभाषण के साथ शुरू होगा। दोपहर दो बजे से राज्यपाल का अभिभाषण होगा। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी इस दौरान सदन में मौजूद रहेंगी। इसके दो दिन बाद यानी 12 फरवरी बुधवार को विधानसभा में राज्य का बजट पेश किया जाएगा। वित्त राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) चंद्रिमा भट्टाचार्य वित्त वर्ष 2025-26 का बजट पेश करेंगी। शुक्रवार को विधानसभा अध्यक्ष (स्पीकर) बिमान बनर्जी ने सर्वदलीय बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में कहा था कि बजट सत्र इस साल भी दो चरणों में आयोजित किए

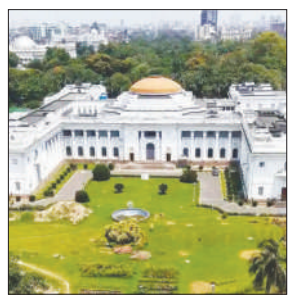

जाएंगे। पहले चरण में 10 से 19 फरवरी तक जबकि दूसरे चरण में 10 मार्च से 20 मार्च तक बजट सत्र चलेगा। 10 को विधानसभा सत्र शुरू होने के अगले दिन 11 फरवरी को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए शोक प्रस्ताव सदन में चर्चा के लिए लाया जाएगा। 12 फरवरी को शाम चार बजे से बजट पेश किया जाएगा। अध्यक्ष ने बताया कि बजट सत्र के दौरान बहुत सारे बिल भी पेश किए जाएंगे। कौन-कौन से बिल आएंगे, इसके बारे में फिलहाल जानकारी नहीं दी गई है। बता दें कि ममता सरकार व राजभवन में टकराव की वजह से पिछले साल राज्यपाल के अभिभाषण के बिना बजट सत्र आयोजित हुआ था। राज्यपाल बोस विभिन्न मुद्दों को लेकर ममता सरकार पर आरोप लगाते रहे हैं। ममता व तृणमूल के नेताओं ने भी राज्यपाल पर विभिन्न आरोप लगाए हैं। हालांकि हाल में राज्यपाल व मुख्यमंत्री के संबंधों में नरमी आई है।

न्याय की मांग को लेकर आरजी कर अस्पताल में मार्च

❑ **तृणमूल नेता का कटाक्ष**

कोलकाता : आरजी कर अस्पताल में चिकित्सक युवती के बलात्कार और हत्या के मामले में न्याय की मांग को लेकर एक बार फिर मार्च निकाला गया। यह मार्च कॉलेज स्ट्रीट से शुरू होकर आरजी कर अस्पताल तक पहुंचा। हालांकि, अस्पताल के गेट पर पहुंचते ही विरोध प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाकर्मियों के बीच झड़प हो गई, क्योंकि उन्हें अंदर जाने से रोक दिया गया।

इस मुद्दे पर तृणमूल नेता कुणाल घोष ने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया दी और आरोप लगाया कि अभया मंच के नाम पर बाहरी लोग अस्पताल में घुसने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने लिखा, कुछ लोग और मीडिया का एक वर्ग इस मुद्दे को लेकर नाटक कर रहा है। मार्च में कौन थे? कुछ डॉक्टर और बाकी विपक्षी

दलों के कार्यकर्ता। कुल संख्या पाँच-छह सौ से ज्यादा नहीं थी।

इस मामले पर डीसी दीपक सरकार ने कहा, अगर 1000 लोग अंदर घुसते हैं, तो सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित होगी। इसलिए इमरजेंसी गेट से प्रवेश और 6 नंबर गेट से निकासी की व्यवस्था की गई थी।

मार्च में पीड़िता के माता-पिता भी शामिल हुए, क्योंकि रविवार को उनकी बेटी का जन्मदिन था। तृणमूल नेता ने इस पर कटाक्ष करते हुए कहा, न्याय की मांग कर रहे हैं? किसके लिए? संजय को उम्रकैद की सजा मिली है, लेकिन हम फांसी की मांग कर रहे हैं। जबकि ये लोग कुछ और चाहते हैं। वे न तो पुलिस, न सीबीआई, न अदालत किसी पर विश्वास करते हैं।

उन्होंने आगे कहा, अगर कोई दावा कर रहा है कि इस अपराध में संजय अकेला नहीं था और अन्य लोग भी शामिल थे, तो सीबीआई को उन्हें तुरंत बुलाना चाहिए। अगर उनके पास सबूत हैं तो पेश करें, वरना यह साफ हो जाएगा कि वे संजय को बचाने की कोशिश कर रहे हैं।

इस विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस नेता सौम्य आइच, आरएसपी के मनोज भट्टाचार्य, सीपीएम के बैरकपुर उम्मीदवार और अभिनेता देवदत्त घोष सहित कई राजनीतिक हस्तियां भी शामिल थीं।

गौरतलब है कि रविवार को पीड़िता का 32वां जन्मदिन था। उनके माता-पिता ने उनकी यादों के साथ दिन बिताया और संकल्प लिया कि वे न्याय की लड़ाई से कभी पीछे नहीं हटेंगे।

वैवाहिक बलात्कार पर अपवाद महिलाओं की स्वायत्तता, समानता को कमजोर करता है : डेरेक ओ'ब्रायन

नयी दिल्ली/कोलकाता : राज्यसभा में तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने रविवार को कहा कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 63 के तहत वैवाहिक बलात्कार को अपवाद बताना महिलाओं की स्वायत्तता और समानता को कमजोर करता है। बीएनएस की धारा 63 (पहले भारतीय दंड संहिता की धारा 375 के तहत) का अपवाद 2 (जो बलात्कार को परिभाषित करता है) किसी व्यक्ति द्वारा 18 वर्ष से अधिक उम्र की अपनी पत्नी के साथ जबरन यौन संबंध बनाए जाने को बलात्कार के रूप में खारिज करता है। वरिष्ठ तृणमूल नेता ने शुक्रवार को इस अपवाद को हटाने की मांग करते हुए राज्यसभा में एक निजी विधेयक पेश किया। ओ'ब्रायन ने रविवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'संसद में आपराधिक कानूनों में संशोधन के लिए एक नया निजी विधेयक पेश किया गया है। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 63 वैवाहिक बलात्कार के संबंध में अपवाद प्रदान करती है।' उन्होंने कहा, 'यह महिलाओं की स्वायत्तता और समानता को कमजोर करता है। मेरा विधेयक यह सुनिश्चित करने के लिए है कि वैवाहिक बलात्कार आपराधिक कानूनों के दायरे से बाहर न हो।'

सॉल्टलेक में आवारा कुत्तों को खाना खिलाने पर महिला से मारपीट

कोलकाता : सॉल्टलेक के ईसी ब्लॉक स्थित केंद्रीय सरकारी आवास में शनिवार रात कुछ लोगों ने एक महिला पर हमला कर दिया क्योंकि वह आवारा कुत्तों को खाना खिला रही थी। पीड़ित महिला बु आथा इलाके में लगभग 250 कुत्तों को खाना खिलाती हैं और उनकी देखभाल करती हैं। स्थानीय लोगों का एक गुट इससे नाराज था और महिला को धमकियां देता था। शनिवार को जब वह कुत्तों को खाना खिला रही थीं, तभी 25-30 युवकों ने उन पर हमला कर दिया। उन्होंने महिला का मोबाइल फोन तोड़ दिया और स्कूटी में भी तोड़फोड़ की। महिला ने किसी तरह वहां से भागकर जान बचाई। जब कुछ स्थानीय बुजुर्ग और युवक महिला की मदद के लिए आए तो हमलावरों ने उन्हें भी लाठी, लोहे की रॉड और ईंटों से पीटा। इस हमले से इलाके में दहशत फैल गई है। पीड़िता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है और पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

12 फरवरी को पूर्वी कमान के 39 बहादुर सैनिकों को मिलेगा वीरता पदक

❑ **पहली बार रांची में आयोजित होगा पूर्वी सेना कमान का अलंकरण समारोह**

❑ **अलंकरण समारोह की पूर्व संध्या पर भव्य सांस्कृतिक समारोह 'शौर्य संध्याऴ का होगा आयोजन**

कोलकाता : सेना के पूर्वी कमान का वार्षिक अलंकरण समारोह-2025 का आगामी 12 फरवरी को झारखंड की राजधानी रांची के दीपाटोली मिलिट्री स्टेशन में आयोजन होगा। यह पहली बार है जब रांची में इतने बड़े अलंकरण समारोह का आयोजन होने जा रहा है। हर साल अलंकरण समारोह के जरिए भारतीय सेना मातृभूमि की रक्षा में अदम्य वीरता का परिचय देने वाले और उत्कृष्ट व सराहनीय कार्य करने वाले अपने बहादुर सैनिकों व अधिकारियों एवं उत्कृष्ट इकाइयों को सम्मानित करती है। समारोह में मुख्य अतिथि सेना के पूर्वी कमान के प्रमुख (जनरल आफिसर कमांडिंग इन चीफ) लेफ्टिनेंट जनरल रामचंद्र तिवारी इस बार वीरता पुरस्कार विजेता 39 बहादुर सैनिकों व अधिकारियों को पदक से नवाजेंगे।

पूर्वी कमान द्वारा एक बयान में बताया गया कि इसमें 20 सैनिकों को सेना पदक (वीरता), चार को सेना पदक (विशिष्ट सेवा), दो को युद्ध सेवा पदक के अलावा 11 को विशिष्ट सेवा पदक सहित कुल 39 पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा।

इसके अलावा, पूर्वी कमान की 45 इकाइयों को जीओसी-इन-सी प्रशंसा पत्र से सम्मानित किया जाएगा। समारोह में झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी शामिल होंगे। अलंकरण समारोह की पूर्व संध्या पर 11 फरवरी को शाम साढ़े चार बजे से दीपाटोली मिलिट्री स्टेशन में एक भव्य सांस्कृतिक समारोह 'शौर्य संध्याऴ आयोजित किया जाएगा, जिसमें मार्शल आर्ट प्रदर्शन, हेलिकाप्टरों द्वारा फ्लाई-पास्ट, आर्मी बैंड सिम्फनी फ्यूजन प्रदर्शन और आतिशबाजी का प्रदर्शन शामिल होगा। समारोह में सेना के वरिष्ठ अधिकारियों सहित वीरता पुरस्कार विजेताओं व उनके परिवार के सदस्यों, सैन्यकर्मी, नागरिक प्रशासन के गणमान्य लोग, स्कूल-कालेजों के छात्र-छात्राएं आदि शामिल होंगे।

बताते चलें कि लगातार तीसरे साल कोलकाता के बाहर पूर्वी कमान का अलंकरण समारोह आयोजित होने जा रहा है। साल 2023 में पहली बार कोलकाता के बाहर असम के जोरहाट में पूर्वी कमान के अलंकरण समारोह का आयोजन हुआ था।

पिछले साल भी कोलकाता के बाहर उत्तर बंगाल के बेंगडुबी मिलिट्री स्टेशन में अलंकरण समारोह हुआ था। इतने बड़े समारोह का आयोजन पहले आम तौर पर हर साल कोलकाता स्थित पूर्वी कमान मुख्यालय में ही किया जाता था।

लेकिन, देश के सभी महत्वपूर्ण शहरों को सुर्खियों में लाने के लिए इस तरह के महत्वपूर्ण समारोहों के संचालन की राष्ट्रीय नीति के अनुरूप, पिछले कुछ वर्षों से अलंकरण समारोह अलग-अलग शहरों में आयोजित किया जा रहा है। देश में सेना के सबसे बड़े कमान पूर्वी कमान पर पूर्वोत्तर राज्यों सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश सेक्टरों में चीन के साथ लगती वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) की रक्षा का दायित्व है, जिसका मुख्यालय कोलकाता में ही है।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर उर्दू, अरबी में संदिग्ध सिग्नल का पता चला

❑ **संभावित चरमपंथी गतिविधियों को लेकर बढ़ीं चिंता**

❑ **रेडियो संचालकों ने संचार मंत्रालय को किया सूचित**

कोलकाता : हैम रेडियो संचालकों ने पिछले दो महीने में दक्षिण बंगाल में भारत-बांग्लादेश सीमा पर बांग्ला, उर्दू और अरबी में संदिग्ध सिग्नल का पता लगाया है, जिससे संभावित चरमपंथी गतिविधियों को लेकर चिंता बढ़ गई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हैम या शौकिया रेडियो संचालकों को केंद्रीय संचार मंत्रालय के तहत लाइसेंस प्राप्त होता है और उन्हें विशिष्ट रेडियो फ्रीक्वेंसी का उपयोग करके संचार करने का अधिकार होता है। यह घटनाक्रम बांग्लादेश में

जारी अशांति और भारत विरोधी बयानबाजी के बढ़ने के बीच हुआ है।

पहली बार गत दिसंबर में हैम रेडियो संचालकों ने उत्तर 24 परगना के बशीरहाट और बनगांव के साथ-साथ दक्षिण 24 परगना के सुंदरबन में बांग्ला, अरबी और उर्दू में अनधिकृत संचार के बारे में पता लगाया था। इन संचार से चिंतित संचालकों ने संचार मंत्रालय को सूचित किया। बाद में मामले को निगरानी के लिए कोलकाता में स्थित अंतरराष्ट्रीय निगरानी स्टेशन (रेडियो) को भेज दिया गया। पश्चिम बंगाल रेडियो क्लब के सचिव अंबरीश नाग बिस्वास ने कहा कि ये संदिग्ध रेडियो सिग्नल रात एक बजे से तीन बजे के बीच पकड़े गए हैं। ये बांग्लादेशी उच्चारण के साथ बांग्ला, उर्दू और अरबी भाषा में हैं। कभी-कभी, सिग्नल किसी दूसरी भाषा में भी होते हैं, जिन्हें हम पहचान नहीं पाते। जब भी हमने बात करने वालों से उनकी पहचान पूछी, तो वे चुप हो गए। इस तरह का पहला सिग्नल दिसंबर के मध्य में उत्तर 24 परगना जिले के सोदपुर में एक हैम रेडियो आपरेटर ने पकड़ा था। शुरू में हमने इसे ज्यादा महत्व नहीं दिया। लेकिन फिर बशीरहाट, बनगांव और बाद में दक्षिण 24 परगना जिले से भी इसी तरह के सिग्नल मिले। यहां तक कि जनवरी के मध्य में गंगासागर मेले के दौरान भी कई हैम रेडियो उपयोगकर्ताओं ने इन संदिग्ध संकेतों को सुनने की बात कही।

भारत और बांग्लादेश के बीच 4,096 किलोमीटर लंबी सीमा है, जिसमें से 2,217 किलोमीटर बंगाल के साथ लगती है। इसका अधिकतर हिस्सा खुला है। पिछले साल अगस्त में ढाका में शेख हसीना के सत्ता से बेदखल होने के बाद बढ़े तनाव के बीच सीमा सुरक्षा का मुद्दा प्रमुखता से उभरा है।

न्यू टाउन में ई-रिक्शा चालक ने नाबालिग से किया था दुष्कर्म और हत्या

कोलकाता : न्यू टाउन के जंगल से शुक्रवार को एक नाबालिग लड़की का अर्धनग्न शव बरामद हुआ, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस जांच में पता चला है कि एक ई-रिक्शा चालक ने लड़की को घर छोड़ने के बहाने अपनी रिक्शा में बैठाया था।

घटना की जांच में पुलिस को सीसीटीवी फुटेज मिले, जिनमें नाबालिका को ई-रिक्शा में बैठते हुए देखा गया। पहले उसे पीछे की सीट पर बैठाया गया था, लेकिन जब अन्य यात्री सवार हुए तो ड्राइवर ने उसे आगे की सीट पर बैठा लिया। अन्य यात्रियों को उनके गंतव्य पर छोड़ने के बाद आरोपी ने नाबालिका को न्यू टाउन की सुनसान गलियों में घुमाया और फिर लोहे के पुल के पास एक सुनसान जंगल में ले गया।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने पहले नाबालिका के साथ दुष्कर्म किया और फिर उसकी गला दबाकर

हत्या कर दी। जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज में रिक्शा को सिटी स्कायर सिग्नल से गुजरते हुए देखा गया।

पुलिस ने तुरंत छानबीन शुरू की और शनिवार देर रात न्यू टाउन पुलिस कैंप इलाके से आरोपी ई-रिक्शा चालक सौमित्र राय उर्फ राज (26) को गिरफ्तार कर लिया। वह नदिया के रानाघाट का निवासी है और न्यू टाउन आदर्श पल्ली इलाके में किराए के मकान में रहता था।

शुक्रवार रात जब मृतका का शव घर लाया गया तो इलाके में तनाव फैल गया। गुस्साए स्थानीय लोगों ने शव वाहन को रोककर विरोध प्रदर्शन किया और मांग की कि उन्हें पोस्टमार्टम रिपोर्ट दी जाए तथा दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए।

Name Change

I, Mary Hembrom (Old Name) W/O Anil Hembrom resident of West Santinagar (Prantik), Howrah, 711227 West Bengal (full address) do hereby declare that I have changed my name from Mary Hembrom (Old Name) to Mary Murmu Hembrom (New /Correct Name) and henceforth I shall be known as Mary Murmu Hembrom (New/Correct Name) in all purpose, vide affidavit no B-1067/02 sworn before notary public at (Howrah) on (20.02.2002) Mary Murmu Hembrom (New/Correct name) and Mary Hembrom (old name) both are same and one identical person.

माध्यमिक परीक्षा के पहले दिन छात्रों का हौसला बढ़ाने स्कूलों का दौरा करेंगे कोलकाता पुलिस कमिश्नर

कोलकाता : माध्यमिक परीक्षा 2025 की शुरुआत के अवसर पर, कोलकाता के पुलिस कमिश्नर परीक्षार्थियों का मनोबल बढ़ाने के लिए सुबह 09:15 बजे से विभिन्न स्कूलों का दौरा करेंगे। कमिश्नर सबसे पहले पद्मपुकुर इंस्टीट्यूशन फॉर बॉयज (44 शरत बोस रोड, चक्रबेड़िया, कोलकाता-20) जाएंगे और इसके बाद यूनाइटेड मिशनरी गर्ल्स हाई स्कूल (3 एटीएम रोड, कोलकाता-20) का दौरा करेंगे। यह पहल छात्रों को तनावमुक्त और आत्मविश्वास से भरपूर माहौल देने के लिए की जा रही है, ताकि वे परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। पुलिस कमिश्नर छात्रों को शुभकामनाएं देंगे और परीक्षा के दौरान सुरक्षा एवं सुचारू व्यवस्थाओं का भी जायजा लेंगे।

दलाई लामा के बड़े भाई ग्यालो थोंडुप का बंगाल के कलिम्पोंग में 97 साल की उम्र में निधन

कोलकाता : तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा के बड़े भाई ग्यालो थोंडुप का पश्चिम बंगाल के कलिम्पोंग में उनके आवास पर उम्र संबंधी बीमारियों के कारण निधन हो गया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। वह 97 वर्ष के थे। अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि पिछले दो सप्ताह से बीमार थोंडुप ने शनिवार दोपहर अंतिम सांस ली। उन्होंने बताया कि इस मौके पर उनके बेटे और पोती मौजूद थी। उन्होंने बताया कि परिवार के अन्य सदस्यों के आने के बाद 11 फरवरी को उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। दलाई लामा अभी कर्नाटक में हैं और उन्होंने बायलाकुप्पे कस्बे के एक मठ में थोंडुप की स्मृति में आयोजित प्रार्थना सत्र में भाग लिया।

तृणमूल पार्षद पर लाखों की उगाही मांगने का आरोप, लोग भड़के, किया रास्ता जाम

कोलकाता : एक बार फिर तृणमूल के एक पार्षद पर लाखों रुपये मांगने के आरोप को लेकर महेशतल्ला का वार्ड नंबर 6 में लोगों ने जम कर हंगामा किया। आरोप है कि, उक्त पार्षद ने एक व्यवसायी से एक लाख रुपए से ज्यादा की रकम की मांग की गई। मांग पूरी न होने पर पार्षद के लोगों ने व्यवसायी की बुरी तरह पिटाई कर दी। घटना में एक व्यवसायी समेत कई लोगों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। यह सनसनीखेज घटना दक्षिण 24 परगना के महेशतला नगरपालिका के वार्ड नंबर 6 में घटी। घटना की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय निवासियों ने विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने काफी देर तक संतोषपुर रोड को जाम रखा। पुलिस और स्थानीय सूत्रों के अनुसार, शकील अहमद मंडल महेशतला नगर पालिका के वार्ड नंबर

6 का तृणमूल पार्षद है। कथित तौर पर उनके नाम पर एक व्यवसायी से कुछ लोगों एक लाख से अधिक रुपये की मांग की। पीड़ित व्यवसायी के परिवार ने दावा किया कि उनकी एक पुरानी दुकान जर्जर हालत में थी। उसकी मरम्मत का काम चल रहा था। उसी समय दो लोगों वहां आ धमके और पैसे की मांग करने लगे। व्यवसायी ने पैसे देने से इनकार कर दिया। इसके बाद उसकी बुरी तरह पिटाई की गई। इतना ही नहीं, उसे बचाने आए कई लोग भी गंभीर रूप से घायल हो गए। इधर वार्ड नंबर 6 के तृणमूल पार्षद शकील अहमद मंडल ने कहा कि वह अपराधियों को नहीं जानते और उन्होंने किसी से किसी को रुपये मांगने के लिए नहीं भेजा। उन्होंने दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की भी मांग की।

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।
www.samagya.in
समाज्ञा
NEWS PAPER ADVERTISING SOLUTION
▪ MATRIMONIAL ▪ EDUCATION ▪ OBITUARY
▪ PROPERTY ▪ NAME CHANGE ▪ REMEMBRANCE
▪ RECRUITMENT ▪ PUBLIC NOTICE ▪ DISPLAY
TO AD IN SAMAGYA PLEASE CONTACT
samagyaadvt@gmail.com | www samagya.in
81, Chintamani Dey Road, Howrah 711 101, Mobile: 70444 44522

माध्यमिक परीक्षा के दौरान सरकारी बसों की विशेष सेवा

कोलकाता : माध्यमिक परीक्षा के मद्देनजर राज्य परिवहन निगम ने 10, 11, 15, 17, 18, 19, 20 और 22 फरवरी को विशेष बस सेवा शुरू करने की घोषणा की है। इन दिनों सुबह 8:45 बजे से दोपहर 2:45 बजे के बीच कोलकाता राज्य परिवहन निगम (उडढउ) और ट्राम कंपनी की बसें शहर के विभिन्न प्रमुख बस स्टैंड से चलेंगी।

जिन मार्गों पर यात्रियों की भीड़ अधिक होती है, वहां सुबह 8:45 और 9:15 बजे दो चरणों में बसें छोड़ी जाएंगी, जबकि अन्य स्थानों पर बसें सुबह 9:00 बजे रवाना होंगी। इन बसों पर परीक्षा स्पेशल का बोर्ड लगाया जाएगा, ताकि माध्यमिक परीक्षार्थियों को प्राथमिकता दी जा सके, हालांकि अन्य यात्री भी इनमें यात्रा कर सकते हैं।

परीक्षा समाप्त होने के बाद दोपहर 2:15 और 2:45 बजे बसें विभिन्न बस स्टैंडों से लौटेंगी। हावड़ा की ओर जाने वाली बसें सरसुना, ठाकुरपुकुर, हरिदेवपुर, जादवपुर और बैरकपुर से चलाई जाएंगी। इसके अलावा, गरिया से देशप्रिया पार्क होते हुए 5 नंबर रूट और टॉलीगंज होते हुए 7 नंबर रूट पर भी हावड़ा जाने वाली बसें चलेंगी।

बालिगंज स्टेशन से एस्प्लेनेड, डनलप से बालिगंज, दक्षिणेश्वर से एस्प्लेनेड, कूड़घाट से दक्षिणेश्वर, कांकुड़गाछी से बेहाला, न्यू टाउन से सियालदह और दमदम एयरपोर्ट से एस्प्लेनेड के बीच भी बस सेवाएं उपलब्ध रहेंगी।

कोलकाता ट्राम कंपनी की ओर से टॉलीगंज से घटकपुकुर, हावड़ा स्टेशन से खिदिरपुर हरीमोहन घोष कॉलेज और आमतला, बारासात से आमतला और बैरकपुर, पार्क सर्कस से डनकुनी तथा बेलगछिया से बी. बी. डी. बाग-टिकियापाड़ा रूट पर बसें चलाई जाएंगी।

इसके अलावा, श्यामबाजार और गरियाहाट से एस्प्लेनेड रूट पर ट्राम सेवा भी जारी रहेगी। निजी बस सेवाओं को भी सामान्य रूप से चालू रखने और यातायात को सुचारू बनाए रखने के लिए प्रशासन ने विशेष व्यवस्था की है। सरकारी परिवहन निगम के कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं ताकि परीक्षा के दौरान बस सेवा बाधित न हो।

फर्जी पुलिसकर्मी बनकर बुजुर्ग से ठगे सोने के आभूषण

सिलीगुड़ी : नकली पुलिसकर्मी बनकर बुजुर्ग को ठगने का मामला आज बागडोगरा के बुरीबालासन इलाके से सामने आई है। बदमाशों ने एक बुजुर्ग के सोने की चेन और अंगुठी ठगी की है। पीड़ित बुजुर्ग आशुतोष बोस ने बताया कि सुबह वह घर के सामने बैठा था, तभी दो बाइक उनके सामने आकर रुकी। जिसमें चार लोग सवार थे। वे सभी उनके पास आकर खुद को पुलिसकर्मी बताने लगे। हालांकि उसने कोई वर्दी नहीं पहनी थी। उन्होंने अपना आई कार्ड दिखाते हुए बोला कि हम स्पेशल चेकिंग अभियान पर है और जो लोग सोने की चीजें पहन रखे है, उन्हें हम जागरूक करते है। इतना कहकर उन्होंने मुझे चेन और अंगूठी खोलकर रुमाल में रखने को कहा और मैंने खोलकर रख दिया। इसके बाद उन्होंने रुमाल की चेकिंग के बाद मुझे वापस लौटा दिया। उसके बाद वे सभी चले गए। जब में थोड़ी देर बाद रुमाल खोलकर देखा तो चेन और अंगूठी की जगह बालू था। तब जाकर मुझे पता चला कि मैं ठगी का शिकार हो गया। बाद में स्थानीय लोगों और परिवार को बताया। घटना की सूचना पाकर बागडोगरा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और पीड़ित बुजुर्ग का शिकायत दर्ज कर ठगों की तलाश शुरू कर दी।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए आईडीएफसी फर्स्ट बैंक का विशेष पैकेज

मुंबई/कोलकाता : आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष बैंकिंग सेवाओं की पेशकश की है। इसमें सीनियर सिटीज़न सेविंग्स अकाउंट और फिक्स्ड डिपॉजिट्स शामिल हैं, जो 0.5% अतिरिक्त ब्याज दर और समय से पहले तोड़ने पर बिना पेनल्टी की सुविधा देते हैं। बैंक की मोबाइल ऐप में 'सीनियर सिटीज़न स्पेशल्स' फीचर जोड़ा गया है। इसके तहत 2 लाख साइबर इंश्योरेंस, निःशुल्क हेल्थ मेंबरशिप, वीडियो कंसल्टेशन, दवाओं पर छूट और फुल बॉडी चेकअप जैसी सुविधाएँ मिलेंगी। बैंक के कंट्री हेड चिन्मय धोबले ने कहा, हम अपने वरिष्ठ नागरिकों को खास अनुभव देना चाहते हैं, और यह पैकेज उनके वित्तीय और स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए बनाया गया है।

कोलकाता में आज से तीसरा अंतरराष्ट्रीय खेल फिल्मोत्सव शुरु

कोलकाता : महानगर कोलकाता में तीसरा अंतरराष्ट्रीय खेल फिल्मोत्सव 10 फरवरी से शुरू हो रहा है, जो 16 फरवरी तक चलेगा। इस फिल्मोत्सव में 14 देशों की 25 फिल्में दिखाई जाएंगी, जिनमें भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका, जर्मनी, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया, जापान, ग्रीस, स्पेन, रूस, ईरान, इटली, सर्बिया, कजाकिस्तान और न्यूजीलैंड शामिल हैं। फिल्मोत्सव का आयोजन सोशल स्पोर्ट्स फाउंडेशन, फेडरेशन ऑफ फिल्म सोसायटीज ऑफ इंडिया और स्ट्रेट ड्राइव द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। इसका उद्घाटन 10 फरवरी को रोटरी सदन में होगा और फिल्मों की स्क्रीनिंग 11 फरवरी से नंदन-3 प्रेक्षागृह में होगी। भारतीय फिल्मों में अजय देवगन की 'मैदान' और 'सेकेंड इनिंग्स' जैसी फिल्में शामिल हैं। बांग्ला भाषा की फिल्में भी दिखाई जाएंगी। फिल्मोत्सव के अंतिम दिन, 16 फरवरी को, भारतीय खेलों में अंतरराष्ट्रीय प्रीमियर लीगों के महत्व पर एक वार्ता सत्र का आयोजन होगा। पिछले वर्ष, फिल्म '83' पर एक वार्ता सत्र आयोजित किया गया था, जिसमें कई पूर्व क्रिकेटरों ने भाग लिया था। यह फिल्मोत्सव कोलकाता के बाद, सिलीगुड़ी, दिल्ली, लखनऊ और पोर्ट ब्लेयर में भी आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन के पीछे का उद्देश्य खेलों पर केंद्रित फिल्मों को बढ़ावा देना है, जो कि भारत में अन्य प्रकार के फिल्मोत्सवों के बीच अपेक्षाकृत कम देखने को मिलता है।

दिल्ली के बाद अब राहुल गांधी 'बंगाल चलो' की तैयारी में

कोलकाता : ऐसा लगता है कि वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी आखिरकार अपनी बात मनवाने में सफल हो रहे हैं। दिल्ली के बाद, कांग्रेस ने अब पश्चिम बंगाल पर ध्यान केंद्रित किया है और एक और इंडिया गठबंधन सहयोगी से मुकाबला करने की योजना बनाई है। कांग्रेस ने राहुल के लिए 'पदयात्रा' की योजना बनाई है, जबकि राज्य इकाई, जो अव्यवस्था में है, को तैयार रहने के लिए कहा गया है।2004 में सक्रिय राजनीति में शामिल होने के बाद राहुल गांधी को युवा मामलों का प्रभारी नियुक्त किया गया था। उन्होंने 'एकला चलो रे' की अवधारणा में दृढ़ विश्वास रखा, यानी पार्टी को अकेले खड़ा होना चाहिए, जो उनकी मां सोनिया गांधी के विपरीत था। जिन्होंने संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) की स्थापना की थी। जबकि यह कांग्रेस द्वारा गठबंधन राजनीति के साथ एक प्रयोग था। राहुल हमेशा मानते थे कि पार्टी तभी बढ़ सकती है जब वह अकेले लड़े। अपने सर्कल में उन्होंने अक्सर पार्टी सहयोगियों से कहा था कि अकेले खड़ा होना लंबे समय में मदद करेगा, भले ही पार्टी चुनाव हार जाए। लेकिन कई असफलताओं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हराने की उनकी इच्छा ने उन्हें गठबंधन राजनीति के विचार से समझौता करने पर मजबूर कर दिया। अब जब आप ने दिल्ली विधानसभा चुनाव हार लिया है और समाजवादी पार्टी और नेशनल कॉन्फ्रेंस जैसे सहयोगियों ने कांग्रेस को दोषी ठहराया है, तो पार्टी अडिग है। अगला ध्यान बंगाल में तृणमूल कांग्रेसपर है, जिसने कांग्रेस को लगातार नजरअंदाज किया है। वहीं तृणमूल ने स्पष्ट कर दिया है कि वह चाहती है कि उसकी नेता ममता बनर्जी इंडिया ब्लॉक का चेहरा बनें। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस ने राहुल के लिए 'पदयात्रा' की योजना बनाई है, जबकि राज्य इकाई, जो अव्यवस्था में है, को तैयार रहने के लिए कहा गया है। पार्टी के पास अब राज्य में एक भी सांसद नहीं है क्योंकि अधीर रंजन चौधरी, जो ममता के खिलाफ अकेले योद्धा थे, अपना आखिरी चुनाव हार गए। सूत्रों ने आगे कहा कि राहुल संसद सत्र के बाद बंगाल का दौरा करने की योजना बना रहे हैं और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ कुछ दिन बिताने की संभावना है ताकि उन्हें आश्वस्त किया जा सके कि ममता के खिलाफ लड़ाई जारी है। कांग्रेस ने कहा कि राज्य स्तर पर सहयोगियों से मुकाबला करने का मतलब यह नहीं है कि राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन खत्म हो गया है, लेकिन यह केवल एक तर्क है और पार्टी की महत्वाकांक्षाएं हैं, जिन्हें निगलना मुश्किल हो सकता है. लेकिन, फिलहाल, राहुल इस बात से आश्वस्त हैं कि भारत भर में राज्य इकाइयों को जागरूक करने की जरूरत। ऐसे में अब बंगाल का रुख जरुरी है।

दिल्ली पब्लिक स्कूल, रुबी पार्क ने वार्षिक मेला एक्जुबेरांजा 2025 का किया आयोजन

कोलकाता, समाज्ञा : दिल्ली पब्लिक स्कूल, रुबी पार्क, कोलकाता ने शनिवार को अपनी बहुप्रतीक्षित वार्षिक मेला एक्जुबेरांजा 2025 का आयोजन किया। जिसमें स्कूल के प्रांगण को खुशी, रचनात्मकता और सामुदायिक भावना से भर दिया गया। इस कार्यक्रम में छात्रों, अभिभावकों और विशेष आमंत्रित अतिथियों की भारी भागीदारी रही। इस कार्यक्रम की शुरुआत प्रधानाचार्या ज्योति चौधरी के उद्घाटन भाषण से हुई। जिसके बाद छात्रों द्वारा प्रस्तुत एक संगीतमय उद्घाटन गीत और आकर्षक नृत्य प्रदर्शन ने आयोजन का रंग जमाया। मेले में 24 स्टॉल्स लगाए गए, जिनमें टैटू स्टेशन, सेल्फी कॉर्नर और क्लेटिविटी जैसे आकर्षण शामिल थे। बाहरी राइड्स जैसे जल बोटिंग, बड़े स्लाइडिंग बाउंसी और पायरेट शिप ने आयोजन को और मनोरंजक बना दिया। इस दिन विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं और अभिभावकों के लिए विशेष खेलों का आयोजन किया गया। इसके साथ ही, 15-20 बच्चों को डेवलपमेंट एक्शन सोसाइटी एनजीओ से बुलाया गया, जो मेले का हिस्सा बने।

पूर्व रेलवे ने खगड़ाघाट रोड और कर्णा सुबर्ना के बीच इंफ्रास्ट्रक्चर में किया उन्नयन

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे ने सफलतापूर्वक खगड़ाघाट रोड-कर्णा सुबर्ना ब्लॉक खंड (कटवा-आजिमगंज सेक्शन) के हावड़ा मंडल में स्थित स्तर क्रॉसिंग गेट 24/ए/9 को समाप्त करने की दिशा में आरसीसी बॉक्स और स्लैब्स का निर्माण कार्य पूरा किया है। इस स्तर क्रॉसिंग को सीमित ऊंचाई वाले सबवे से बदल दिया गया है, जिससे सुरक्षा और गतिशीलता में वृद्धि होगी। यह महत्वपूर्ण कार्य 8 फरवरी 2025 को एक नियोजित इंजीनियरिंग ब्लॉक के माध्यम से समय पर पूरा किया गया, जिससे ट्रेन संचालन में न्यूनतम विघ्न हुआ। इस ब्लॉक के दौरान पूर्व रेलवे ने खगड़ाघाट रोड और कर्णा सुबर्ना स्टेशनों के बीच रेलवे की ट्रैक्शन प्रणाली पर महत्वपूर्ण रख-रखाव और उन्नयन कार्य भी पूरा किया। यह कार्य यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने, ट्रेन की समयबद्धता में सुधार करने और संचालन को सुचारू एवं प्रभावी बनाने के प्रयासों का हिस्सा था। ओवरहेड इलेक्ट्रिक प्रणाली का नियमित रखरखाव तकनीकी विफलताओं को रोकने, देरी को कम करने और यात्रियों के लिए निर्बाध यात्रा अनुभव सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है। इन

सुधारों से न केवल ट्रेन सेवाओं की विश्वसनीयता में वृद्धि होगी, बल्कि रेलवे नेटवर्क की समग्र कार्यक्षमता में भी सुधार होगा। इस कार्य के तहत, ओवरहेड इलेक्ट्रिक प्रणाली के रखरखाव को कई स्थानों पर किया गया, जिसमें प्रमुख घटकों की मरम्मत और समायोजन शामिल था जो ट्रेनों को बिजली प्रदान करते हैं। संपर्क तार और सहायक उपकरण के कई खंडों का नवीनीकरण किया गया, जिससे प्रणाली की स्थिरता और टिकाऊपन में सुधार हुआ।

बंगाल में फाउंड्री उद्योग को चालू वित्त वर्ष में 2,000 करोड़ रुपये का निवेश मिलेगा

बंगाल में फाउंड्री उद्योग तेजी से बढ़ रहा हैं

कोलकाता, समाज्ञा

बंगाल में फाउंड्री उद्योग को अपनी क्षमता बढ़ाने के लिए चालू वित्त वर्ष में 2,000 करोड़ रुपये का निवेश मिलेगा। यह निवेश नई परियोजनाओं और मौजूदा उद्योगों के विस्तार के लिए किया जाएगा। फाउंड्री उद्योग से जुड़े एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। फाउंड्री उद्योग में धातु को पिघलाकर उसे ढालने, आकार देने और विभिन्न उत्पादों के रूप में बनाने का काम किया जाता है। इसमें धातु जैसे लोहे, इस्पात एल्युमिनियम आदि का प्रयोग होता है। इस निवेश का उद्देश्य उद्योग को लाभ पहुंचाना और इसकी क्षमता को बढ़ाना है।

इंस्टिट्यूट आफ इंडियन फाउंड्रीमैन (आइआइएफ) के अध्यक्ष नवनीत बी अग्रवाल ने यहां एक कार्यक्रम में कहा कि बंगाल में फाउंड्री उद्योग तेजी से बढ़ रहा है और इसकी वृद्धी राष्ट्रीय औसत से 50 प्रतिशत अधिक है। फाउंड्री उद्योग के विस्तार के लिए बड़े उद्योगों और सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यमों (एमएसएमई) दोनों को ध्यान में रखते हुए, कुल 2,000 करोड़ रुपये का निवेश होगा।

मेट्रो कर्मचारियों के लिए तनाव प्रबंधन शिविर

कोलकाता : मेट्रो रेलवे अपने लाखों यात्रियों को सुरक्षित और संरक्षित सेवा प्रदान करने के लिए सभी संभव सुरक्षा उपाय कर रहा है। मेट्रो रेलवे के महाप्रबंधक पी. उदय कुमार रेड्डी के निर्देशानुसार, मेट्रो कर्मचारियों को उचित और नवीनतम प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए नियमित रूप से मॉक ड्रिल, ट्यूटोरियल और विशेष सत्र आयोजित किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में, मेट्रो प्रशासन ने 08 से 12 फरवरी 2025 तक नोआपाड़ा क्रू लॉबी में एक तनाव प्रबंधन शिविर का आयोजन किया है। इस शिविर में मोटरमैन, पर्यवेक्षक और विद्युत व वित्त विभाग के कार्यालय कर्मचारी भाग ले रहे हैं। यह मेट्रो मोटरमैन के लिए आयोजित दूसरा और नोआपाड़ा क्रू लॉबी में

आयोजित पहला तनाव प्रबंधन शिविर है। यह शिविर, विद्युत इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित किया गया है और इससे मेट्रो मोटरमैन एवं अन्य कर्मचारियों को तनाव प्रबंधन में मदद मिलेगी तथा उनकी उत्पादकता में वृद्धि होगी। इस शिविर में 'आर्ट ऑफ लिविंग' (श्री श्री रविशंकर द्वारा स्थापित) के अंतर्गत विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जो मेट्रो कर्मचारियों के लिए तनाव दूर करने में सहायक सिद्ध होगा। पांच दिवसीय इस शिविर में सभी प्रतिभागी योग, ध्यान और सुधर्शन क्रिया का अभ्यास कर रहे हैं, जिसे अनुभवी प्रशिक्षकों की देखरेख में सिखाया जा रहा है। यह प्रशिक्षण कर्मचारियों को तनावमुक्त रहने और किसी भी स्थिति का शांत मन से सामना करने में मदद करेगा।

खिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन ने वेणुगोपाल बांगड़ को किया सम्मानित

कोलकाता, समाज्ञा : अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से आज सुप्रसिद्ध समाजसेवी एवं प्रवीण उद्योगपति वेणुगोपाल बांगड़ को राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान प्रदत्त करने का समारोह स्थानीय हिंदुस्तान क्लब में आयोजित किया गया। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक महामहिम गुलाबचंद कटारिया उपस्थित हुए। उन्होंने अपने भाषण में मारवाड़ी सम्मेलन के कार्यों की प्रशंसा की। उन्होने कहा की विगत 90 वर्षों से सम्मेलन समाज के कार्य में रत है। यह प्रशंसा की बात है कि समाज के अच्छे कार्यों को एवं उन अच्छे कार्यों को करने वाले सज्जनों का सम्मेलन सम्मान करता है। उन्होंने कहा मारवाड़ी समाज हमेशा अपने सेवा,उद्योग एवं व्यापार के कारण जाना जाता है एवं पूरे देश में उन्होंने अपना योगदान दिया है। साथ ही साथ मारवाड़ी समाज अपने तीज त्यौहार,संस्कार संस्कृति के प्रति भी सदैव सजग रहता है।उन्होंने अपने अनुभव से कहा कि उन्होंने देखा है कि असम में दूरदराज स्थानो में किस प्रकार से महिलाएं अपने तीज-त्योहारों का निष्ठा एवं उल्लास के साथ पालन करती हैं। उन्होंने राजस्थान के गौरवमय इतिहास का वर्णन किया एवं याद किया कि किस प्रकार से राणा प्रताप,पन्नाधाय, भामाशाह आदि ने मातृभूमि के गौरव के लिए अपना सर्वोच्च न्योछावर कर दिया। उन्होंने अमर कवि कन्हैया लाल जी सेठिया का स्मरण किया एवं कहां की उन्होंने अपने रचनाओं के माध्यम से राजस्थान के गौरव को अमर कर दिया है। उन्होंने कोलकाता के विशिष्ट समाजसेवी स्व. जुगल किशोर जैथलिया की अवदानो को भी याद किया। उन्होने कहा कि समाज मे मजबूत संगठन की आवश्यकता है, एकता की

आवश्यकता है। अगर कहीं पर भी कोई भेदभाव है तो उसे दूर करके हमें एक होने की जरूरत है। हमें राष्ट्र की प्रगति के लिए अपने संस्कार और संस्कृति को बचा के रखना है ताकि हम अपने गौरव को फिर से प्राप्त करें और इस गौरव को तभी प्राप्त किया जा सकता है जब देश का प्रत्येक नागरिक इस विषय में प्रयास करें।

अध्यक्षीय भाषण में सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवकुमार लोहिया ने सम्मेलन की विभिन्न गतिविधियों एवं उसके ऐतिहासिक संदर्भों के विषय में संक्षिप्त में जानकारी दी। उन्होंने सम्मेलन के असंख्य कार्यकर्ताओं एवं नेतृत्व को नमन किया जिनके प्रयास एवं अवदानो के फलस्वरूप समाज में एक ऐसा संगठन कार्यरत है एवं समाज को स्वस्थ रखने एवं उसके विकास के लिए सदैव प्रयास करता आ रहा है। उन्होंने कहा कि इस सत्र में सम्मेलन का नारा है आ-पणो समाज-एक समाज-श्रेष्ठ समाज। समाज के अंदर जितने भी घटक हैं,सभी एकजुट होकर समाज के उत्थान एवं प्रगति के लिए साथ आए, सम्मेलन का यही उद्देश्य है। इसके लिए उन्होंने सभी समाज के सभी नेतृत्व को आवाहन किया इस नारे को सफल बनाने में अपना यो-गदान दें। राजस्थानी भाषा का प्रचार प्रसार एवं घर में आपस में राजस्थानी भाषा में बोलचाल करें, यह आज समय की मांग है। इसके बारे में सभी को सजग होना है। साथ ही प्री वेडिंग सूट का निषेध एवं विवाह शादियों के समारोह में मद्यपान निषेध मुख्य मुद्दे है, जिसका समाज मे सभी को पालन करने का निवेदन किया।

राजस्थान व्यक्तित्व सम्मान को स्वीकार करते हुए वेणु गोपाल बांगड ने सम्मेलन के प्रति आभार प्रकट किया एवं कहा कि सम्मेलन समाज को जोड़ने का एक अच्छा काम कर रहा है। मैं सम्मेलन के सभी कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देता हूं एवं उनके प्रति आभार प्रकट करता हूं कि उन्होंने मुझे इस लायक समझा। आज के युग में सभी को अपने कार्यों को लगन एवं निष्ठा के साथ करने की आवश्यकता है ताकि राष्ट्र निर्माण में सब योगदान दे सकें। उन्होंने कहा कि मुझे सम्मान यू तो कई जगह से मिला है लेकिन अपनों का यह मिला हुआ सम्मान मेरे लिए एक विशेष महत्व रखता है।

प्रारंभ में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष पद्मश्री प्रहलाद राय अग्रवाल ने सभी अतिथियों का स्वागत किया एवं सम्मेलन के राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान के विषय में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि मारवाड़ी सम्मेलन का यह सर्वोच्च सम्मान है।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री दिनेश जैन ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम का सफल संचालन राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष केदारनाथ गुप्ता ने किया। समारोह को सफल बनाने में राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री संजय गोयनका एवं पवन जालान व्यस्त थे। समारोह में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष सराफ, संयुक्त राष्ट्रीय महामंत्री पवन जालान एवं संजय गोयनका, पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पवन कुमार गोयनका, आत्माराम सोंथलिया, पश्चिम बंग प्रांतीय अध्यक्ष नन्द किशोर अग्रवाल,हरिमोहन बांगड़, हरिप्रसाद बुधिया, अरुण प्रकाश मल्लावत, अरुण कुमार सुरेका, नंदलाल सिंघानिया, रमेश कुमार बुबना, कुंज बिहारी अग्रवाल,जुगल किशोर जाजोदिया, नवल राजगढ़िया, शशिकांत साह, सुशील पोद्दार, राजेंद्र खंडेलवाल, जगदीश प्रसाद गाड़ोदिया, आत्माराम लोधा, बृजमोहन बजाज, विनोद कुमार सुर-राणा, कमल कुमार शर्मा, एल एन अग्रवाल, जे. एन. मुंधड़ा, डॉ. महेश कुमार माहेश्वरी, पवन टेकड़िवाल, भागीरथ चांडक, महेंद्र अग्रवाल, तरुण संचेती, सौरभ जैन, निर्मल नाहटा, अशोक संचेती, राधा किशन सफ्फड़, आशा माहेश्वरी, संतोष अग्रवाल, सुधा मुंधड़ा, बंशीधर शर्मा, चंदू लाल बागड़ी, बुलाकी दास मिमानी, राम कुमार बिनानी, महेश कुमार मालपानी, विजय बागड़ी, करोड़ी मल गोयल, घनश्याम सुगला,महेंद्र कुमार अग्रवाल, नवीन खेमका, श्री प्रकाश सोमानी, गिरधारी लाल शर्मा, जगत सिंह पुगलिया, राजमत पुगलिया, अनिल गोयनका, विजय क्याल, सीताराम शर्मा, मनीष कुमार कनोई, ऋषि बागड़ी, सरिता लोहिया, ओम प्रकाश बांगड़, बिश्वनाथ भुवालका, प्रकाश चंद्र हरलालका, बिनोद कुमार लिहला, दीनदयाल धनानिया, जय प्रकाश सेठिया, गोपाल अग्रवाल, सुरेश कुमार बंगानी, सांवर मल शर्मा, अमित कहली, राजेंद्र प्रसाद सुरेका, आनंद कुमार मेहता, रतन सिकरिया, अनुराग गोयल, राधिका गोयल, केदार मल झंवर, संजीव कुमार केडिया, चंद्र शेखर सारदा, शोभा गोयनका, कृष्णा भीमराजका, महेश अग्रवाल, ममता भीमराजका, सज्जन बेरीवाल एवं अन्य गण्यमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

नागरिक स्वास्थ्य संघ ने 108 नागरिकों को नेत्र ज्योति प्रदान की

कोलकाता : नागरिक स्वास्थ्य संघ ने श्री केडिया सभा के सहयोग से संघ नेत्रालय में सेवा शिविर में 108 नागरिकों की आँख में मोतियाबिन्द का निःशुल्क आपरेशन किया। समाजसेवी जगदीश प्रसाद केडिया की अध्यक्षता में सेवा शिविर में श्री केडिया सभा के अध्यक्ष विनोद केडिया, प्रमुख अतिथि विजय केडिया, किशन केडिया, मनमोहन केडिया, बलदेव केडिया, प्रकाश केडिया, निर्मल केडिया, संतोष केडिया एवम अतिथियों का स्वागत नागरिक स्वास्थ्य संघ के मैनेजिंग ट्रस्टी सुरेन्द्र अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष विजय दमानी, उपाध्यक्ष इन्द्र कुमार डागा, सचिव विकास चन्द चांडक, आलोक दमानी, गोवर्धन मूंधड़ा, बसन्त (झबरू) दुजारी ने किया। विकास चन्द चांडक ने बताया संघ के अध्यक्ष कुंज बिहारी अग्रवाल, उपाध्यक्ष विनोद गुप्ता, इन्द्र कुमार डागा के मार्गदर्शन में संस्था की प्रगति के लिये कार्यकर्ता सक्रिय हैं। सुरेन्द्र अग्रवाल ने संघ नेत्रालय भवन

निर्माण एवम् निरन्तर प्रगति की जानकारी देते हुए कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा प्रति वर्ष 3 हजार से अधिक नेत्र ऑपरेशन करने का लक्ष्य है। श्री केडिया सभा की ओर से मनमोहन केडिया ने संघ नेत्रालय में 500 से अधिक नेत्र ऑपरेशन करने का आश्वासन दिया। जगदीश प्रसाद केडिया, विनोद केडिया, प्रकाश केडिया एवम् पदाधिकारियों ने नागरिक स्वास्थ्य संघ के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए हरसंभव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। अतिथियों ने कहा सेवा कार्यों में सहयोग से आत्मीय सुख, आनन्द का अनुभव होता है। सेवा कार्यों का लक्ष्य निष्काम सेवा, परोपकार है। सन 1955 से अब तक नागरिक स्वास्थ्य संघ ने 83 हजार से अधिक नागरिकों की आंख में मोतियाबिंद का ऑपरेशन कर नेत्र ज्योति प्रदान की है। गोपीकिशन केडिया, निखिल, विनय, अनिल केडिया, विनय राणासरिया, विकास जयसवाल, आलोक नेवटिया, रोशन जयसवाल, सुरेशचंद गुप्ता, मधुसूदन सफ्फड़, राजकुमार कोठारी एवम् कार्यकर्ता सक्रिय रहे।

श्री श्याम कला कुंज का वार्षिकोत्सव धूमधाम से सम्पन्न

कोलकाता : श्री श्याम कला कुंज फतेहपुर के 27 वें वार्षिकोत्सव का आयोजन धूमधाम के साथ बड़ा बाजार के गणेश टाकीज स्थित जी सेंटर माल के एजेएस बैंक्वेट हॉल में सम्पन्न हुआ। श्री श्याम बाबा के भव्य मनोहारी व दिव्य दरबार ने भक्तों मोहित किया। इस दौरान बाबा के मनोहारी श्रृंगार का दर्शन कर भक्त निहाल भी हुए। पूजन, आरती के बाद प्रसाद का भी वितरण किया गया। कुल मिलाकर वार्षिकोत्सव का दृश्य श्यामलोक जैसा हो गया। यहां भक्तगणों ने श्याम बाबा की शान में गाये गये भजन गंगा में गोते लगाते रहे। इस दौरान संस्था के पदाधिकारी सहित सैंकड़ों की संख्या में बाबा के भक्त मौजूद रहे। उक्त दौरान संकीर्तन में श्री श्याम कला कुंज परिवार व आगत भक्त बाबा के में रंग में डूब गए व उनके कदम थिरके।

लायंस क्लब ऑफ कलकत्ता ने दिव्यांग बच्चों में बांटी खुशियां

❑ **विभिन्न खेल व सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने की भागीदारी**

कोलकाता : लायंस क्लब ऑफ कलकत्ता डिस्ट्रिक्ट 322बी1 ने राउंड टेबल इंडिया सीएमआरटी 113 व लेडीज सर्किल इंडिया 132 के सहयोग से रविवार को कसबा स्थित गीतांजलि स्टेडियम ग्राउंड में आशाएं रोशनी उम्मीदों के नाम से दिव्यांग बच्चों के लिए पैरालिंपिक खेल का आयोजन किया। इसमें 35 स्कूलों के 700 से भी अधिक बच्चों ने भागीदारी कर जहां खेल व विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों आंदन उठाया वहीं अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर उपस्थित बतौर मुख्य अतिथि राज्य के कारा विभाग के प्रधान सचिव आईपीएस अधिकारी डॉ राजेश कुमार ने इस खेल समारोह का उद्घाटन किया। इस साल खेल समारोह का 11वां संस्करण था।

लायंस क्लब ऑफ कलकत्ता डिस्ट्रिक्ट 322बी1 के आशाएं के चेयरमैन लायन प्रशांत जयसवाल ने कार्यक्रम की सफलता पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि यह प्रयास दिव्यांग छात्र-छात्राओं में खुशियां बांटने और उन्हें उत्साहित करने के उद्देश्य से होता आ रहा है। कलकत्ता डिस्ट्रिक्ट 322बी1

के अध्यक्ष लायन रमेश कुमार चोखानी ने बताया कि समारोह में उक्त नन्हे फरिश्तों के लिए कई मजेदार और आकर्षक गतिविधियां आयोजित हुईं। इन बच्चों के चेहरे पर मुस्कान देख क्लब के हर सदस्य को प्रसन्नता हुई। सभी प्रतिभागी बच्चों को उपहार भेंट किए गए। दीपक अग्रवाल इस कार्यक्रम का सफल संचालन किया। सभी प्रतिभागियों को नाश्ते और दोपहर के भोजन के लिए भोजन के पैकेट, टी-शर्ट, हुडी और कैप और गिफ्ट हैम्पर्स वितरित किए जाएंगे। राउंड टेबल इंडिया सीएमआरटी 113 के चेयरमैन वरुण जिंदल एवं कलकत्ता मिडटाउन लेडीज सर्कल 132 की चेयरपर्सन ऋषिका अग्रवाल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। 50 मीटर फ्लैट रेस और 100 मीटर फ्लैट रेस आयोजित किए गए। इस अवसर पर लायंस क्लब ऑफ कलकत्ता के स्क्रेटरी जितेंद्र रामपुरिया, कोषाध्यक्ष देवेंद्र बाजोरिया, पास्ट प्रेसिडेंट सुरेंद्र सांवरिया, वसंत खेतान, बाबू लाल बंका, जितेंद्र लोहिया, राजेश कुमार प्रसाद, विमल कुमार जैन, केदार नाथ गुप्ता, संतोष सराफ, केआर गुप्ता, विजय सरावगी सहित अन्य विशिष्ट जन उपस्थित थे। इनके अलावा प्रदीप नायर, लायंस क्लब ऑफ कलकत्ता 322बी1की डिस्ट्रिक्ट गवर्नर सलोनी साल्वी, सेकेंड एडीजी प्रवीण रूंगटा, सीएस वनिता झुनझुनवाला, सीटी अंकित गुप्ता सहित तमाम गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

कोलकाता अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेले 2025 में 27 लाख लोगों की भीड़, 25 करोड़ की किताबों की बिक्री

कोलकाता : अंतरराष्ट्रीय कोलकाता पुस्तक मेला 2025 ने इस साल एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। 12 दिनों तक चले इस मेले में कुल 27 लाख लोग पहुंचे, जबकि 25 करोड़ रुपये की किताबें बिक्री हुईं, जो अब तक का एक रिकॉर्ड है। हर साल आयोजित होने वाला यह मेला दुनिया के सबसे बड़े पुस्तक मेलों में से एक है और साहित्य प्रेमियों के लिए एक प्रमुख आकर्षण रहता है। इस बार मेले में विभिन्न भारतीय और अंतरराष्ट्रीय प्रकाशकों ने भाग लिया। किताबों की इतनी बड़ी

बिक्री से यह स्पष्ट है कि डिजिटल युग में भी पाठकों का झुकाव पुस्तकों की ओर बना हुआ है। आयोजकों के अनुसार, इस वर्ष का मेला साहित्य, संस्कृति और विचारों के आदान-प्रदान का एक महत्वपूर्ण केंद्र साबित हुआ। पाठकों की भारी भीड़ और पुस्तक प्रेमियों का उत्साह इस मेले की सफलता को दर्शाता है। अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेले के अंतिम दिन समापन समारोह में राज्य के शहरी विकास मंत्री सह कोलकाता नगरनिगम के मेयर फिरहाद हकिम व अन्य तृणमूल के विधायक उपस्थित रहे।

कोलकाता के सॉल्ट लेक हॉकी स्टेडियम को एफआईएच का श्रेणी दो का प्रमाण पत्र मिला

नयी दिल्ली/कोलकाता : अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने सॉल्ट लेक के विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन को श्रेणी दो का प्रमाण पत्र दिया है जिससे यह भारत में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों की मेजबानी के लिए कोलकाता नवीनतम स्थल बन गया है। हॉकी इंडिया ने 'एक्स' पर लिखा, 'कोलकाता के सॉल्ट लेक के युवा भारती क्रीड़ांगन को एफआईएच का श्रेणी दो का प्रमाण पत्र हासिल करने के लिए बधाई। हॉकी में उत्कृष्टता के लिए बड़ा कदम।' एफआईएच के मैदान प्रमाण पत्र नियमों के अनुसार प्रतियोगिता की मेजबानी के समय मैदान के पास एफआईएच का श्रेणी एक या दो का मैदान प्रमाण पत्र होना चाहिए। एफआईएच के श्रेणी एक के मैदान मुख्य रूप से शीर्ष स्तरीय अंतरराष्ट्रीय

हॉकी टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए डिजाइन किए गए हैं जबकि एफआईएच श्रेणी दो के मैदान शीर्ष स्तरीय राष्ट्रीय टूर्नामेंट और अंतरराष्ट्रीय मैचों की मेजबानी के लिए डिजाइन किए गए हैं। कोलकाता इसके साथ ही भुवनेश्वर, रायपुर, रांची, चेन्नई और नयी दिल्ली जैसे शहरों के क्लब में शामिल हो गया है जिन्हें अंतरराष्ट्रीय मैचों की मेजबानी के लिए हरी झंडी मिल गई है। स्थल को प्रमाण पत्र देते हुए एफआईएच ने कहा, 'एफआईएच को यह पुष्टि करते हुए खुशी हो रही है कि इस हॉकी मैदान का परीक्षण किया गया है और यह एफआईएच श्रेणी दो हॉकी मैदान की आवश्यकताओं का अनुपालन करता है।' यह प्रमाण पत्र 13 दिसंबर 2027 तक वैध रहेगा।

जहरीले धुएं के खिलाफ भूख हड़ताल के जरिये भाजपा पार्षद शुरू किया आंदोलन

हुगली, समाज्ञा : जिले के औद्योगिक उप नगरी रिसड़ा में लंबे समय से जहरीला धुआं सांसों में जहर घोल रहा है। धुएं के खिलाफ जब कोई प्रशासनिक कार्रवाई नहीं हुई तो आखिरकार रविवार को भाजपा पार्षद मनोज सिंह ने थाने के समक्ष एक मंच बनाकर भूख हड़ताल के जरिये अपना आंदोलन शुरू कर दिया। रविवार को यह भूख हड़ताल आंदोलन आठ घंटे तक चला। भाजपा पार्षद मनोज सिंह और शशि सिंह समेत अन्य कार्यकर्ताओं ने बिना अन्न ग्रहण किये आठ घंटे तक भूख हड़ताल की। ताकि प्रशासन कोई ठोस कदम उठाए। भाजपा पार्षद मनोज सिंह ने बताया कि आठ घंटे तक भूख हड़ताल के बाबजूद प्रशासन से कोई आश्वासन नहीं मिला।

दूषित जहरीले धुएं से रिसड़ा के कई वार्ड की जनता परेशान है।

मनोज सिंह ने आरोप लगाया कि प्रशासन निष्क्रिय भूमिका में है। रिसड़ा थाने से सटी दीवाल के पीछे अवैध तरीके से कचरा जलाया जाता है। रोजाना शाम को जलने वाले कूड़े की वजह से रिसड़ा स्टेशन संलग्न इलाके का वातावरण धुएं वाले धुंध में तब्दील हो जाता है। यह जहरीला धुआं वातावरण को प्रदूषित करने के साथ लोगों की सेहत पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है। इस वजह से स्थानीय लोगों पर भिन्न तरह की संक्रामक बीमारी से ग्रसित होने की संभावना है। आस पास कई स्कूल है बच्चों पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है लेकिन शासन प्रशासन निष्क्रिय बना हुआ है। प्रशासन इस कदर विवश है कि कचरा जलाने वालों के खिलाफ कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है। मनोज सिंह ने कहा कि अगर आठ घंटे के भूख हड़ताल से भी प्रशासन की नींद नहीं खुली तो वह अपनी अंतिम सांस तक भूख हड़ताल के जरिए यह लड़ाई जारी रखेंगे।

उल्लेखनीय है कि शाम के समय कुछ लोग कचरा जलाकर उसमे से तांबा, पीतल समेत कई तरह के खनिज निकालते है। इसको जलाने से हानिकारक गैस धुएं में मिश्रित होकर लोगों के लिय परेशानी का सबब बन जाती है। सांसों में जहर घुलने लगता है कई बार सांस लेने में भी दिक्कत होती है। इसके बाबजूद कूड़ा जलाने वालों के खिलाफ कोई ठोस कदम नहीं उठाये जा रहे। खासकर 10 नंबर वार्ड की जनता इस हानिकारक धुएं से सर्वाधिक परेशान है।

हावड़ा जायसवाल परिवार ने भव्य श्याम प्रभु की निशान यात्रा का किया आयोजन, 2 हजार श्रद्धालु हुए शामिल

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा जायसवाल परिवार द्वारा आयोजित भव्य और विशाल श्याम प्रभु की निशान यात्रा में लगभग 2 हजार श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस साल छठे वर्ष के आयोजन की शुरुआत प्रातः 7 बजे राम जानकी शिव मंदिर जायसवाल समाज भवन से हुई। यह यात्रा घुसड़ी स्थित श्याम मंदिर धाम में संपन्न हुई। यात्रा को चेयरमैन हरीश जायसवाल और संरक्षक केशव प्रसाद गुप्ता ने नारियल समर्पित कर आरंभ किया। कोलकाता से बड़ी संख्या में आए अतिथियों में मुख्यत जवाहर लाल जायसवाल, विकास जायसवाल,कृष्ण कुमार जायसवाल,राजीव जायसवाल,रौतन जायसवाल, अखिलेश जायसवाल,प्रशांत जायसवाल,मनोहर जायसवाल,रतन जायसवाल,दिनेश जायसवाल, प्रमोद जायसवाल,सुरेश चंद्र गुप्ता,आशीष जायसवाल उपस्थित रहे। हावड़ा से गणमान्य उपस्थिति में,

मानव जायसवाल, रामानंद जायसवाल, देवीप्रसाद जायसवाल, राम ताड़क जायसवाल, अरविंद गुप्ता, रमेश जायसवाल, शिव शंकर गुप्ता, राम सावर जायसवाल, अजय गुप्ता, संजय गुप्ता, बिनोद जायसवाल, अशोक जायसवाल, अनूप जायसवाल, उमेश जायसवाल, बृजेश जायसवाल, वीरेंद्र जायसवाल, राधेश्याम जायसवाल, लल्लन जायसवाल, बब्बन जायसवाल, नीरज गुप्ता, मनोज साव, त्रिपुरारी जायसवाल, मनोज जायसवाल, रितेश जायसवाल,आयुष जायसवाल शामिल हुए। महिला अतिथि में संतोषी सथालिया,ममता गुप्ता,मीनाक्षी गुप्ता,दीपिका गुप्ता,स्वीटी जायसवाल मौजूद रही।

यात्रा में कई संस्थाओं द्वारा यात्रियों की सेवा के लिए शिविर भी लगाया गया। जिसमें संजय सिंह, पप्पू सिंह, अनीता सिंह, बेलीलियस रोड में दिनेश जायसवाल किंग्स रोड में रवींद्र जायसवाल, शिवकुमार जायसवाल, शिवप्रसाद जायसवाल, चंद्रप्रकाश जायसवाल, नवीन जायसवाल 122 जे एन मुखर्जी रोड में प्रमुख थे। निशान यात्रा को सफल बनाने में महिलाओं में महिला अध्यक्षा माया जायसवाल, सचिव गीता जायसवाल, सुमन जायसवाल,कृष्णा जायसवाल,अंजू गुप्ता,सुनीता गुप्ता,सुनीता जायसवाल शामिल रही। पुरुषों में महेंद्र जायसवाल, कृष्णा जायसवाल, अजय कुमार गुप्ता, राजेश जायसवाल, विजय गुप्ता, तारकनाथ जायसवाल, सोमनाथ गुप्ता, गौतम जायसवाल, विजय साव (गुड्डू), मनोज पासवान, विजय जायसवाल, नवीन जायसवाल(डी.एन.) और नवीन जायसवाल का योगदान रहा।

श्याम रंग में रंगा रिसड़ा, होली से पूर्व खेला फाग

❑ **निकाली गई विशाल निशान यात्रा**

हुगली, समाज्ञा : रिसड़ा नगरपालिका के 19 नंबर वार्ड के श्रीकृष्णा नगर इलाके में स्थित शीतला मंदिर से श्रीकृष्णा नगर श्रीश्याम निशान शोभायात्रा निकाली गई। यह निशान पद यात्रा विभिन्न गली मोहल्लों की परिक्रमा करते हुए रिसड़ा तीन नंबर गेट के नजदीक श्याम मंदिर पहुंची। जहां श्याम भक्तों ने हारे के सहारे श्याम प्रभु को निशान अर्पण किया। समस्त इलाका श्याम भक्ति में सराबोर हुआ। भक्त अपने हाथों में श्रीश्याम ध्वज को पकड़कर खाटू श्याम मंदिर तक पहुंचे। निशान यात्रा में सैकड़ों की संख्या में महिलाएं, पुरुष युवा बच्चे शामिल रहे। रविवार को बसंत महोत्सव पर खाटू श्याम निशान यात्रा निकाली गई। इस निशान यात्रा में रिसड़ा नगरपालिका के चेयरमैन

विजय सागर मिश्रा ने भी बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। सुबह पूजा स्थल पर भक्तों ने निशान पूजा की और उसके बाद भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। पीले और रंग-बिरंगे वस्त्रों में सजे भक्तजन 'हारे का सहारा, बाबा श्याम हमारा' जैसे भजनों पर नृत्य करते हुए नगर की परिक्रमा के लिए निकले। केसरिया नील रंग से होली से पहले जमकर फाग खेला गया। दूसरी तरफ बांगुड़ पार्क में भी श्याम भक्तों ने विशाल निशान शोभायात्रा निकाली जिसमें शामिल बड़ी तादात में राजस्थानी समाज के लोगों ने भगवान श्याम की पताका लेकर निशान यात्रा की।

माध्यमिक परीक्षा में बढ़ी परीक्षार्थियों की संख्या छात्रों के मुकाबले छात्राओं की संख्या में इजाफा

हुगली, समाज्ञा : राज्य समेत जिले में भी माध्यमिक परीक्षा का काउंट डाउन शुरू हो गया है। इस वर्ष जिले में छात्रों की तुलना में छात्राओं की संख्या अधिक है। परीक्षा केंद्र भी तुलनात्मक बढ़ाए गए हैं। परीक्षा केंद्रों में अंतिम तैयारियां पूरी कर ली गई है। परीक्षा केंद्र में मीडिया के लिए भी प्रतिबन्ध लगाया गया है। केंद्र के भीतर प्रवेश निषेध किया गया है। प्रशासन के तरफ से ट्रैफिक सिस्टम को दुरुस्त किया गया है ताकि माध्यमिक परीक्षार्थी को किसी तरह की कोई परेशानी न हो। मेडिकल, पेयजल, एम्बुलेंस की भी व्यवस्था परीक्षा केंद्र के आस पास की गई है। स्कूलों के

प्रवेश द्वार पर रूम नंबर और सीट नंबर चिपकाए गए हैं। इसके अलावा, यदि कोई परीक्षार्थी परीक्षा के दौरान बीमार हो जाए या पहले से ही अस्वस्थ हो, तो उनके लिए अलग से 'सिक रूम' की व्यवस्था की गई है।

इस साल हुगली जिले में कुल 145 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा होगी।

पिछले साल की तुलना में परीक्षार्थियों की संख्या लगभग आठ हजार बढ़ी है। छात्रों की तुलना में छात्राओं की संख्या लगभग साढ़े पांच हजार अधिक है।

कुल परीक्षार्थी: 56,059
छात्र: 25,235
छात्राएं: 30,824

हुगली ब्रांच स्कूल के शिक्षक सुप्रिय चक्रवर्ती ने बताया कि मध्य शिक्षा परिषद के निर्देशानुसार सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। परीक्षा केंद्रों में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। प्रत्येक बेंच पर दो परीक्षार्थी बैठकर परीक्षा देंगे। सभी कमरों में पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था की गई है, किसी भी अंधेरे कमरे में परीक्षा नहीं होगी।

सोमवार सुबह 9:45 बजे से परीक्षार्थियों को स्कूल में प्रवेश करने की अनुमति दी जाएगी।

जिला एडवाइजरी कमेटी के संपर्क में रहकर परीक्षा का संचालन किया जा रहा है, ताकि यह पूरी तरह सुचारू और निष्पक्ष रूप से हो। हुगली ब्रांच स्कूल मुख्य परीक्षा केंद्र (मेन वेन्यू) बना है, जहां आठ स्कूलों के छात्र परीक्षा देंगे। परीक्षा केंद्र के 100 मीटर के दायरे में जेरॉक्स की दुकाने बंद रखने का निर्देश जारी किया गया है।

युवक ने कई लोगों को ब्लेड से घायल की खुदकुशी की कोशिश

बांकुड़ा : शहर के मचंतला इलाके में आज सुबह एक नशे में धुत युवक ने भीड़-भरे बाजार में कई लोगों पर ब्लेड से हमला कर दिया। इस हमले में स्थानीय कपड़ा व्यापारी जय कुंडू गंभीर रूप से घायल हो गए। जय को बचाने की कोशिश में मनोज चौधरी नामक एक सिविक वॉलेंटियर भी घायल हो गया। पुलिस के अनुसार, हमलावर का नाम पुच्चू मालाकार है, जो बांकुड़ा सदर थाना के ईदगाह मोहल्ला का रहने वाला है। घटना के बाद, आरोपित ने अपनी गर्दन पर चाकू मारकर आत्महत्या करने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उसे बचाया और अस्पताल पहुंचाया। घायल व्यक्तियों को भी तुरंत उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। हमले के कारणों को लेकर अभी तक कोई निश्चित जानकारी नहीं है, लेकिन स्थानीय लोगों का कहना है कि युवक नशे में था और उसने व्यभिचार किया था, जिसके बाद वह हिंसक हो गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ठाकुरपुकुर में गैस सिलेंडर लीक होने से घर में आग

कोलकाता : ठाकुरपुकुर इलाके में बिरेन रॉय रोड वेस्ट, कोलकाता-08 स्थित एक दो-मंजिला आवासीय भवन में गैस सिलेंडर लीक होने से आग लग गई। यह घटना सुबह 10:35 बजे की बताई जा रही है। दमकल विभाग की एक फायर टेंडर गाड़ी मौके पर पहुंची और सुबह 11:15 बजे आग पर काबू पा लिया गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई हताहत या घायल नहीं हुआ। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आग रसोई में गैस सिलेंडर के लीक होने के कारण लगी। हालांकि, संपत्ति को हुए नुकसान का सही आंकलन अब तक नहीं किया जा सका है। इस घटना की जानकारी ठाकुरपुकुर पुलिस स्टेशन से मिली।

बेतिया में नवनिर्मित आरओबी का लोकार्पण, बिहार में रेलवे विकास को मिलेगी नई रफ्तार

बेतिया/कोलकाता : केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को बेतिया में समपार सं. 02 पर नवनिर्मित सड़क ऊपरी पुल (आरओबी) का राष्ट्र को समर्पण किया। इस ऐतिहासिक अवसर पर नारी शक्ति के प्रतीक के रूप में महिलाओं के माध्यम से पुल का उद्घाटन कराया गया। कार्यक्रम में विभिन्न सांसद, विधायक, रेलवे अधिकारी और स्थानीय गणमान्य लोग उपस्थित थे।

❑ **बेतिया से गोरखपुर और पटना के बीच वंदे भारत ट्रेन की मांग**

समारोह में उपस्थित जनप्रतिनिधियों और जनता ने गोरखपुर-पटना मार्ग पर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन चलाने की जोरदार मांग रखी। इस पर रेल मंत्री ने सकारात्मक रुख दिखाते हुए विचार करने का आश्वासन दिया और कहा कि देशभर में जल्द ही कई वंदे भारत ट्रेनें शुरू की जाएंगी।

❑ **बिहार को रेलवे बजट में रिकॉर्ड 9 गुना बढ़ोतरी**

रेल मंत्री ने प्रेस वार्ता में बताया कि 2009 से 2014 के बीच बिहार को रेलवे विकास के लिए प्रतिवर्ष औसतन 1,132 करोड़ रुपये का बजट मिलता था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इस वर्ष बिहार को 10,066 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जो पिछली सरकार की तुलना में नौ गुना अधिक है।

उन्होंने कहा कि बिहार में रेलवे के समग्र विकास के लिए 95,566 करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है, जिससे अगले पांच वर्षों में रेलवे नेटवर्क का संपूर्ण परिवर्तन होगा।

रेल मंत्री ने यह भी बताया कि 2009-2014 के बीच बिहार में

औसतन 64 किमी नई रेल लाइन का निर्माण होता था, जबकि 2014-2025 के बीच यह औसत बढ़कर 167 किमी प्रतिवर्ष हो गया है, जो 2.6 गुना अधिक है।

अब तक 1,832 किमी नई रेल लाइन बिछाई जा चुकी है, जो मलेशिया के कुल रेल नेटवर्क के बराबर है। इसके अलावा, 2014 से अब तक 3,020 किमी रेलवे ट्रैक का विद्युतीकरण किया गया है, जिससे बिहार का रेलवे नेटवर्क शत-प्रतिशत विद्युतीकृत हो चुका है।

❑ **बिहार में रेलवे परियोजनाओं को मिली रफ्तार**

रेल मंत्री ने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत बेतिया, बापूधाम मोतिहारी, नरकटियागंज, रक्सौल सहित बिहार के 98 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है।

इसके साथ ही, नरकटियागंज-रक्सौल-सीतामढ़ी-दरभंगा रेलखंड के दोहरीकरण कार्य को कैबिनेट द्वारा मंजूरी दी गई है। वर्तमान में वाल्मीकिनगर-सगौली और सगौली-मुजफ्फरपुर रेलखंड का दोहरीकरण कार्य प्रगति पर है। इसके पूरा होने के बाद इस क्षेत्र में कई नई ट्रेनों का संचालन संभव होगा।

❑ **103 करोड़ की लागत से बना बेतिया आरओबी, शहर को मिलेगी ट्रैफिक जाम से राहत**

बेतिया शहर में 103 करोड़ रुपये की लागत से बेतिया और कुमारबाग स्टेशन के बीच समपार सं. 02 पर आरओबी का निर्माण किया गया है।

❑ **यह परियोजना तीन चरणों में पूरी की गई:**

■ मार्च 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेतिया-लौरिया लेन का उद्घाटन किया।

■ मई 2024 में मैनाटांड और नरकटियागंज लेन चालू किए गए।

■ जनवरी 2025 में शेष निर्माण कार्य पूरा हुआ, जिसे आज रेल मंत्री ने राष्ट्र को समर्पित किया।

इस आरओबी के चालू होने से बेतिया शहरवासियों को ट्रैफिक जाम से राहत मिलेगी, यातायात आसान और तेज़ होगा, तथा ट्रेनों के परिचालन की सुरक्षा भी कई गुना बढ़ जाएगी।

❑ **मुजफ्फरपुर स्टेशन बनेगा वर्ल्ड क्लास, 442 करोड़ की परियोजना**

बेतिया के बाद रेल मंत्री स्पेशल ट्रेन से मुजफ्फरपुर पहुंचे, जहां उन्होंने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित हो रहे मुजफ्फरपुर जंक्शन के 3डी मॉडल का अवलोकन किया।

उन्होंने बताया कि मुजफ्फरपुर स्टेशन को 442 करोड़ रुपये की लागत से विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि रेलवे के विकास के लिए परियोजनाओं को तेजी से पूरा किया जाएगा और फंड की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी।

❑ **अमृत भारत और नमो भारत ट्रेनों की योजना**

रेल मंत्री ने बताया कि रेलवे लंबी दूरी के लिए 100 अमृत भारत ट्रेनें और कम दूरी के लिए 50 नमो भारत ट्रेनें शुरू करने की योजना पर कार्य कर रहा है।

इसके साथ ही, रेलवे में 95,000 नई भर्तियाँ की जाएंगी। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष भारतीय रेलवे में पारदर्शी प्रक्रिया के तहत 1.51 लाख से अधिक लोगों की भर्ती की गई है।

❑ **रेल मंत्री का बिहार दौरा, रेलवे विकास को मिली नई दिशा**

रेल मंत्री ने अपने दौरे के दौरान गोरखपुर से वाल्मीकिनगर, बगहा, बेतिया रेलखंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया। इस दौरान वाल्मीकिनगर, बगहा और नरकटियागंज रेलवे स्टेशनों पर स्थानीय लोगों ने उनका भव्य स्वागत किया।

बिहार में रेलवे के व्यापक विकास की दिशा में बेतिया आरओबी का उद्घाटन, रेलवे बजट में ऐतिहासिक बढ़ोतरी, नई ट्रेनों के संचालन की योजनाएँ, और स्टेशन पुनर्विकास परियोजनाएँ इस दौरे की मुख्य उपलब्धियाँ रहीं।

रेल मंत्री ने आश्वासन दिया कि बिहार के रेलवे नेटवर्क के पूर्ण आधुनिकीकरण और विस्तार के लिए हरसंभव संसाधन मुहैया कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि बिहार के लोगों को रेलवे की आधुनिक और विश्वस्तरीय सुविधाएँ जल्द ही मिलने लगेंगी।

❑ **बिहार को रेलवे विकास की नई सौगात**

रेल मंत्री के इस दौरे से बिहार के रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास को एक नई दिशा और गति मिली है। आगामी वर्षों में स्टेशन पुनर्विकास, नई ट्रेनों की शुरुआत, रेलवे ट्रैक दोहरीकरण और विद्युतीकरण जैसी परियोजनाएँ राज्य में परिवहन व्यवस्था को और मजबूत बनाएंगी।

रेल मंत्री ने स्पष्ट किया कि बिहार में रेलवे विकास के लिए कोई कोताही नहीं बरती जाएगी और आने वाले वर्षों में प्रदेश के रेलवे नेटवर्क में ऐतिहासिक बदलाव देखने को मिलेगा।

आद्रा डिवीजन में विकास कार्यों के कारण कई ट्रेनें रद्द, कुछ के मार्ग बदले गए

कोलकाता : दक्षिण पूर्व रेलवे ने आद्रा डिवीजन में चल रहे विकास कार्यों के कारण कई ट्रेनों के रद्द होने, मार्ग परिवर्तन और आंशिक समापन की घोषणा की है। यात्रियों को असुविधा से बचने के लिए यात्रा से पहले अपनी ट्रेन की स्थिति जांचने की सलाह दी गई है।

रेलवे के अनुसार, 68090/68089 आद्रा-मिदनापुर-आद्रा मेमू 10, 14 और 16 फरवरी 2025 को रद्द रहेगी। 68045/68046 आद्रा-आसनसोल-आद्रा मेमू 10 से 16 फरवरी तक संचालित नहीं होगी। 63594/63593 आसनसोल-पुरुलिया-आसनसोल मेमू 10, 14 और 15 फरवरी को रद्द रहेगी।

इसके अलावा, 18019/18020 झाड़ग्राम-धनबाद-झाड़ग्राम एक्सप्रेस 10, 13 और 16 फरवरी को नहीं चलेगी। 68053/68054 आद्रा-बराभूम-आद्रा मेमू 10 फरवरी को और 13504/13503 हटिया-बर्द्धमान-हटिया मेमू एक्सप्रेस भी 10 फरवरी को रद्द रहेगी।

रेलवे ने यह भी बताया कि 18601 टाटानगर-हटिया एक्सप्रेस (जिसकी यात्रा 14 फरवरी से शुरू होगी) को चांडिल-गुंडा बिहार-मुरी के वैकल्पिक मार्ग से चलाया जाएगा। वहीं, 68056/68060 टाटानगर-आसनसोल-बराभूम मेमू (14 फरवरी से शुरू होने वाली यात्रा) को आद्रा में ही समाप्त और वहीं से पुनः शुरू किया जाएगा।

रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे यात्रा की योजना बनाते समय इन परिवर्तनों को ध्यान में रखें और किसी भी असुविधा से बचने के लिए समय पर अपडेट लेते रहें।

जय भारती संघ ने सरस्वती पूजा और खिचड़ी महाभोग का किया आयोजन

कोलकाता, समाज्ञा : जय भारती संघ के सदस्यों द्वारा सरस्वती पूजा का आयोजन नंदी बागान में किया गया। इसी उपलक्ष्य में खिचड़ी महाभोग का आयोजन भी किया गया। इस धार्मिक आयोजन में इलाके के तमाम लोग और संघ के सदस्य बढ़-चढ़कर शामिल हुए। कार्यक्रम में विधायक गौतम चौधरी, पूर्व पार्षद मनजीत राफेल, शैलेश राय, अरिजीत बटव्याल सहित समाज के अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। जय भारती संघ के सदस्यों के योगदान से यह आयोजन सफलता के साथ संपन्न हुआ और इलाके में धार्मिक और सामाजिक एकता का संदेश दिया गया।

माध्यमिक परीक्षा से पहले तेज आवाज में माइक बजाकर रक्तदान शिविर, विधायक ने बंद करवाया माइक

हावड़ा : हावड़ा के डोमजुर सापुईपाड़ा बसुकाठी इलाके में तृणमूल कांग्रेस द्वारा आयोजित एक रक्तदान शिविर में तेज आवाज में माइक बजाया जा रहा था। माध्यमिक परीक्षा से ठीक पहले इस शोरगुल की शिकायत जब डोमजुर के विधायक को मिली, तो वे खुद मौके पर पहुंचे और माइक बंद करवा दिया।

विधायक ने कहा कि उन्होंने कोलकाता हाईकोर्ट और राज्य सरकार के नियमों का पालन करते हुए यह कार्रवाई की है। माध्यमिक परीक्षा शुरू होने से पहले ऐसे शोर-गुल से परीक्षार्थियों को परेशानी हो सकती थी, जिसे ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया।

न्यूज इन ब्रीफ

जयपुरः युवाओं को नौकरी दिलाने का झांसा देने वाला फर्जी आईबी अधिकारी गिरफ्तार

जयपुर : पुलिस ने स्वयं को आईबी अधिकारी बताकर नौकरी दिलाने के नाम पर चार लोगों को ठगने के आरोप में रविवार को एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस उपायुक्त (पूर्व) तेजस्विनी गौतम ने बताया कि आरोपी श्रीनिवास कुमार चौबे ने स्वयं को आईबी का पुलिस उपाधीक्षक बताकर वित्त मंत्रालय और जयपुर विकास प्राधिकरण में नौकरी दिलाने का वादा कर चार लोगों से 20 लाख रुपये (प्रत्येक से पांच-पांच लाख रुपये) ठगे। उन्होंने बताया कि पीड़ितों नितिन कुमार, आकाश सिंह, राहुल फौजदार और जितेंद्र सिंह ने इस संबंध में आठ फरवरी को 'एयरपोर्ट थाने' में प्राथमिकी दर्ज कराई। उन्हों ने बताया कि एक टीम ने रामनगरिया थाने के पीछे स्थित 'कान्हा रेजीडेंसी' पर छापा मारकर श्रीनिवास कुमार चौबे को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से 'भारत सरकार' के नंबर वाली एक कार भी मिली, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है।

फरीदाबाद में अवैध हथियारों की फैक्टरी का हुआ भंडाफोड़, चार गिरफ्तार

फरीदाबाद(हरियाणा) : हरियाणा में फरीदाबाद के डबुआ थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध हथियार बनाने की एक फैक्टरी का भंडाफोड़ किया है और इस सिलसिले में चार लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक पुलिस प्रवक्ता के अनुसार मनोज शर्मा, अनुज कुमार, सौरभ और एक अन्य व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है जो डबुआ औद्योगिक क्षेत्र में किराये पर मकान लेकर वहां अवैध हथियारों का निर्माण कर रहे थे। प्रवक्ता के अनुसार छापेमारी के दौरान पुलिस ने चार देसी पिस्तौल, तीन अर्धनिर्मित पिस्तौल और हथियार बनाने के विभिन्न पुर्जे बरामद किए। इसके अलावा, हथियार बनाने में प्रयोग की जाने वाली मशीनरी भी बरामद की गई है, जिसमें 'ग्राइंडर मशीन', 'कटर मशीन', 'वेल्डिंग मशीन', खराद मशीन और 'ड्रिल मशीन' शामिल हैं।

नेपाल सीमा पर तस्कर गिरफ्तार : 50 लाख की स्मैक बरामद

बहराइच (उप्र) : बहराइच जिले में नेपाल के सीमावर्ती रूपईडीहा इलाके में पुलिस और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के संयुक्त गश्ती दल ने 50 लाख रुपये मूल्य की स्मैक बरामद कर एक कथित तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक राम नयन सिंह ने रविवार को बताया कि शनिवार रात एसएसबी और रूपईडीहा पुलिस के जवान अंतरराष्ट्रीय सीमा की संयुक्त गश्त पर थे, उसी दौरान टीम ने जब शक होने पर एक व्यक्ति को रोककर तलाशी ली तो उसके पास से 100 ग्राम स्मैक बरामद की गई। उन्होंने बताया कि पकड़े गये स्मैक तस्कर की पहचान रूपईडीहा कस्बा निवासी 20 वर्षीय विजय केवट के रूप में की गयी है। सिंह ने बताया कि बरामद मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 50 लाख रुपए आंकी गयी है। उन्होंने बताया कि आरोपी तस्कर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे अदालत के माध्यम से जेल भेजा गया है।

गाजियाबादः बीएसएफ की वर्दी और फर्जी पहचान पत्र देने का आरोपी गिरफ्तार

गाजियाबाद (उप्र) : गाजियाबाद जिले की इंदिरापुरम पुलिस ने लोगों से मोटी रकम लेकर उन्हें सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की वर्दी और पहचान-पत्र जारी करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। इंदिरापुरम के सहायक पुलिस आयुक्त अभिषेक श्रीवास्तव ने कहा, ''आरोपी की पहचान 55 वर्षीय यार्दर्म आर्य के रूप में हुई है। वह 'वसुंधरा संरक्षण फाउंडेशन' नामक एक संगठन संचालित करता है और अपने संगठन को बीएसएफ से जोड़कर लोगों को गुमराह करता था।'' उन्होंने बताया कि पुलिस ने एक वायरल वीडियो की जांच की तो पता चला कि आर्य का संगठन अपने सदस्यों को पुलिस जैसी वर्दी मुहैया करा रहा था, जिसमें कंधों पर तीन सितारों का प्रतीक चिह्न भी लगा था। उन्होंने बताया कि आरोपी लोगों को फर्जी पहचान पत्र भी जारी कर रहा था।

महाकुंभ में अनुमान से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने से यातायात व्यवस्था बिगड़ी

फ महाकुंभ मेले में स्नान पर्व के इतर आम दिनों में अनुमान से कहीं अधिक संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने से प्रयागराज की चारों दिशाओं से आने वाले मार्गों पर रविवार को कई कई घंटों का जाम लगा रहा। स्टेशन के बाहर अधिक भीड़ होने से प्रयागराज संगम रेलवे स्टेशन बंद कर दिया गया। मेला प्रशासन द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, रविवार शाम आठ बजे तक 1.57 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने संगम में स्नान किया तथा 13 जनवरी से नौ फरवरी तक 43.57 करोड़ से अधिक श्रद्धालु महाकुंभ में गंगा में डुबकी लगा चुके हैं। रायबरेली से आए श्रद्धालु राम कृपाल

ने बताया कि लखनऊ-प्रयागराज राजमार्ग पर फाफामऊ से पहले वह पांच घंटे जाम में फंसे रहे और फिर किसी तरह बेला कछार में वाहन खड़ा कर पैदल ही वहां से संगम घाट के लिए निकल पड़े। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने 'एक्स' पर जाम की स्थिति को लेकर पोस्ट किया, प्रयागराज महाकुंभ में फंसे करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए तुरंत आपातकालीन व्यवस्था का जाए। हर तरफ जाम में भूखे-प्यासे, बेहाल और थके तीर्थयात्रियों को मानवीय दृष्टि से देखा जाए। आम श्रद्धालु क्या इंसान नहीं हैं। उन्होंने लिखा, प्रयागराज में प्रवेश के लिए लखनऊ की तरफ 30 किलोमीटर पहले से ही नवाबगंज में जाम, रीवा रोड की तरफ से गौहनिया में 16 किलोमीटर पहले से जाम और वाराणसी की तरफ 12 से 15 किलोमीटर के जाम और ट्रेन के इंजन तक में भीड़ के प्रवेश कर जाने के समाचार हर जगह प्रकाशित हो रहे हैं। आम जनजीवन दूभर हो गया है। अखिलेश ने कहा, उत्तर प्रदेश सरकार असफल हो चुकी है। वह अहंकार से भरे झूठे विज्ञापन में ही दिख रही है, लेकिन सच में जमीन पर नदारद है।

विभिन्न अखाड़ों में 7,000 से अधिक महिलाओं ने ली संन्यास की दीक्षा

महाकुंभ नगर : प्रयागराज महाकुंभ में विभिन्न अखाड़ों में 7,000 से अधिक महिलाओं ने संन्यास की दीक्षा ली। आधिकारिक बयान के मुताबिक, जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी, श्री पंचदशनाम आवाहन अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अरुण गिरी और वैष्णव संतों के धर्माचार्यों के अंतर्गत सनातन से जुड़ने वालों में महिलाओं की संख्या अधिक रही। सभी प्रमुख अखाड़ों में इस बार 7,000 से अधिक महिलाओं ने गुरु दीक्षा ली और सनातन की सेवा का संकल्प लिया। संन्यासिनी श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े की अध्यक्ष डॉ. देव्या गिरी ने कहा, इस बार महाकुंभ में 246 महिलाओं को नागा संन्यासिनी को दीक्षा दी गई। इससे पूर्व 2019 के कुंभ में 210 महिलाओं को नागा संन्यासिनी की दीक्षा दी गई थी। देव्या गिरी ने बताया कि जिन महिलाओं को दीक्षा दी गई उनमें अधिक संख्या उच्च शिक्षित और आत्म चिंतन के लिए जुड़ने वाली महिलाओं की है। उन्होंने कहा कि महाकुंभ जैसे धार्मिक और आध्यात्मिक आयोजन से जन मानस को सनातन को समझने और इससे जुड़ने का अवसर मिलता है। महाकुंभ में युवाओं की भूमिका को लेकर शोध करने आई दिल्ली विश्वविद्यालय की शोध छात्रा इशिता होलकर ने बताया कि महाकुंभ के प्रथम स्नान पर्व- पौष पूर्णिमा से लेकर बसंत पंचमी तक विभिन्न प्रवेश द्वारों पर किए गए सर्वेक्षण में महाकुंभ में आ रहे हर 10 आगंतुकों में चार महिलाएं देखी गईं जिसमें नई पीढ़ी की संख्या 40 फीसदी है। गोविंद वल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान की तरफ से इस विषय पर किए जा रहे सर्वे और शोध में भी इस बात के संकेत मिल रहे हैं कि नई पीढ़ी में सनातन को समझने की ललक तेजी से बढ़ी है।

महाकुम्भ में आज सुबह डुबकी लगाएंगी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

महाकुम्भ नगर, (उप्र) : प्रयागराज के महाकुंभ में आज राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू डुबकी लगाएंगी। रविवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गयी। बयान के अनुसार मुर्मू आठ घंटे से अधिक समय तक प्रयागराज में रहेंगी और इस दौरान संगम स्नान के साथ ही यहां अक्षयवट और बड़े हनुमान मंदिर में दर्शन-पूजन करेंगी। इस दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहेंगे। राष्ट्रपति के दौरे को देखते हुए प्रयागराज में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद कर दी गई है। बयान में कहा गया कि राष्ट्रपति सुबह संगम नोज़ पहुंचकर त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाएंगी। देश की प्रथम नागरिक का संगम में डुबकी लगाने का यह ऐतिहासिक क्षण होगा। इससे पहले प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने भी महाकुम्भ में पावन स्नान किया था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इसके उपरांत धार्मिक आस्था को और मजबूती देने के लिए अक्षयवट का दर्शन-पूजन करेंगी। सनातन संस्कृति में अक्षयवट को अमरता का प्रतीक माना जाता है। यह हिन्दू धर्म का एक महत्वपूर्ण स्थल है, जिसकी महत्ता पुराणों में भी वर्णित है। इसके अलावा वह बड़े हनुमान मंदिर में भी दर्शन करेंगी और पूजा-अर्चना कर देशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना करेंगी। बयान के अनुसार राष्ट्रपति आधुनिक भारत और डिजिटल युग के साथ धार्मिक आयोजनों को जोड़ने की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल को समर्थन देंगी।

'डंकी रूट' से विदेश भेजने वाले एजेंटों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी : मुख्यमंत्री सैनी

चंडीगढ़ : हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को कहा कि राज्य के युवाओं को 'डंकी रूट' (अवैध मार्गों) से विदेश भेजने में शामिल ट्रैवल एजेंटों की पहचान की जा रही है और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पहले ही विदेश में रोजगार के अवसर तलाशने वाले नागरिकों के लिए उचित तंत्र स्थापित किया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे किसी भी तरह से धोखाधड़ी का शिकार न हों। पिछले सप्ताह एक अमेरिकी सैन्य विमान अमेरिका में रह रहे 104 अवैध भारतीय प्रवासियों को लेकर भारत आया था। अवैध प्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई के तहत डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन द्वारा निर्वासित भारतीयों का

यह पहला जत्था था। इन निर्वासितों में से 33-33 हरियाणा और गुजरात से, 30 पंजाब से, तीन-तीन महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश से और दो चंडीगढ़ से थे। हरियाणा के कई लोगों ने ट्रैवल एजेंट द्वारा ठगे जाने के बाद 'डंकी रूट' से भेजे जाने का आरोप लगाया है और उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। फरीदाबाद में पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि राज्य के युवाओं को अवैध मार्गों से विदेश भेजने में शामिल लोगों की पहचान की जा रही है और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

आस्था का महासंगम है महाकुंभः धामी

महाकुंभ नगर : उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी रविवार को महाकुंभ नगर पहुंचे और उत्तराखंड मंडपम का निरीक्षण किया। साथ ही वह सेक्टर आठ में चल रहे ज्ञान महाकुंभ में भी शामिल हुए। सरकार द्वारा जारी बयान के मुताबिक, प्रयागराज पहुंचने पर धामी ने कहा, महाकुंभ, आस्था का महासंगम है। हमारे देश के करोड़ों लोग यहां पवित्र संगम में स्नान कर रहे हैं। हम मां गंगा, यमुना और सरस्वती से प्रार्थना करेंगे कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में हमारा देश निरंतर समृद्धि और प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ता रहे। मुख्यमंत्री ने यहां स्थापित उत्तराखंड मंडपम का निरीक्षण किया और उत्तराखंड मंडपम

में आए श्रद्धालुओं से मुलाकात की एवं उनका हालचाल जाना। उन्होंने श्रद्धालुओं से व्यवस्थाओं की जानकारी ली और उनकी सुविधा को लेकर संतोष जताया। बयान के मुताबिक, धामी ने सेक्टर-आठ, प्रयागवाल मार्ग पर आयोजित 'ज्ञान महाकुंभ' में भी भाग लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने धार्मिक, आध्यात्मिक और बौद्धिक विमर्शों पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा, शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए आयोजित यह ज्ञान महाकुंभ निश्चित रूप से हमारी आने वाली नई पीढ़ी के विद्यार्थियों को एक नई दिशा देने का कार्य करेगा। प्रयागराज की पवित्र धरा पर हो रहे 'ज्ञान महाकुंभ' में शैक्षिक प्रदर्शनी, संगोष्ठियां, छात्र, महिला और आचार्य सम्मेलन जैसे विभिन्न आयोजनों के माध्यम से युवाओं में भारतीय ज्ञान परंपरा की चेतना को जागृत किया जा रहा है। उन्होंने 2027 में हरिद्वार में होने वाले अर्धकुम्भ के लिए सभी को आमंत्रित किया।

केजरीवाल से बड़ा 'अराजकतावादी' बनने की कोशिश कर रहे राहुल गांधी: ठाकुर का आरोप

लखनऊ : हिमाचल प्रदेश की हमीरपुर लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद अनुराग ठाकुर ने रविवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर अरविंद केजरीवाल से भी बड़ा 'अराजकतावादी' बनने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए कहा कि जनता कभी 'अर्बन नक्सल' को स्वीकार नहीं करेगी। ठाकुर ने लखनऊ में संवाददाताओं से बातचीत में कहा, ''मेरा विपक्ष से एक बड़ा सवाल है। आप कब तक अपनी हार के लिए अलग-अलग संस्थाओं और व्यवस्थाओं को जिम्मेदार ठहराते रहेंगे? यह सबसे दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश में 60 साल तक सत्ता में रहने वाली कांग्रेस पार्टी संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठा रही है और हंसी का पात्र बन रही है।'' उन्होंने कहा कि विपक्ष कभी भी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) से छेड़छाड़ का कोई सुबूत नहीं दे सका और आरोप लगाने का कोई कारण नहीं है। उन्होंने कहा, ''जब आप बार-बार जनता को अपमानित करने की कोशिश करते हैं तो जनता बार-बार आपको संदेश देने की कोशिश करती है।'' ठाकुर ने कहा, ''और, राहुल जी (लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी) संदेश बहुत स्पष्ट है कि अराजकता की राजनीति के रास्ते पर चलकर आप केजरीवाल से भी बड़े अराजकतावादी बनना चाहते हैं। जनता कभी भी 'अर्बन नक्सल' को स्वीकार नहीं करेगी।

डल्लेवाल को चिकित्सा सहायता रोकी गई, ड्रिप के लिए नसें नहीं मिल पाईं : किसान संगठन

चंडीगढ़ : किसान संगठनों ने रविवार को दावा किया कि अनशन कर रहे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल को पिछले छह दिनों से चिकित्सा सहायता रोक दी गई है, क्योंकि डॉक्टर 'ड्रिप' लगाने के लिए उनकी नसें नहीं ढूंढ पा रहे हैं। संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा (केएमएम) ने एक संयुक्त बयान में कहा, ''डल्लेवाल की चिकित्सा सहायता पिछले छह दिनों से रोक दी गई है, क्योंकि उनकी नसें अवरुद्ध हैं और डॉक्टर ड्रिप लगाने के लिए उनकी नसें नहीं ढूंढ पा रहे

हैं।'' फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी समेत किसानों की अन्य मांगों के लिए एसकेएम (गैर-राजनीतिक) के संयोजक डल्लेवाल पिछले साल 26 नवंबर से खनौरी सीमा पर आमरण अनशन पर हैं। अठारह जनवरी को संयुक्त सचिव (कृषि) प्रिय रंजन के नेतृत्व में केंद्र सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने एसकेएम (गैर-राजनीतिक) और केएमएम को 14 फरवरी को चंडीगढ़ में अपनी मांगों पर चर्चा के लिए आमंत्रित किया है, जिसके बाद डल्लेवाल ने चिकित्सा सहायता लेना स्वीकार किया।

लोकसभा चुनाव में अयोध्या की हार की मिल्कीपुर की झूठी जीत बराबरी नहीं कर सकती है : अखिलेश यादव

आगरा/लखनऊ (उप्र) : समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर मिल्कीपुर में वोटों की लूट करने का आरोप लगाते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव में अयोध्या की हार की मिल्कीपुर की झूठी जीत बराबरी नहीं कर सकती है। रविवार को आगरा दौरे पर पहुंचे सपा प्रमुख ने पत्रकारों से बातचीत में दावा किया कि भाजपा ने एक विधानसभा सीट जीतने के लिए पूरी ताकत लगाकर बेईमानी की। यादव ने कहा कि जो मिल्कीपुर लूट कर अहंकार का प्रदर्शन कर रहे हैं, वे यह समझ लें कि लोकसभा चुनाव में अयोध्या की हार की मिल्कीपुर की झूठी जीत बराबरी नहीं कर सकती है, क्योंकि भाजपा की अयोध्या की हार हमेशा के लिए इतिहास में दर्ज हो चुकी है। सपा मुख्यालय से जारी बयान के मुताबिक उन्होंने कहा कि मिल्कीपुर से उसका बदला नहीं हो सकता है। यादव ने कहा कि अयोध्या की जनता ने लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को जिताया था तथा पार्टी मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव भी जीत जाती, लेकिन भाजपा ने पूरी सरकार लगाकर बेईमानी की और वोटों की लूट की। सपा प्रमुख ने कहा कि मिल्कीपुर में चुनाव नहीं हुआ, मिल्कीपुर में चुनाव लूटा गया। मिल्कीपुर विधानसभा उप-चुनाव का परिणाम आठ फरवरी को घोषित हुआ जिसमें भाजपा उम्मीदवार चंद्रभानु पासवान (38) ने अवधेश प्रसाद के बेटे और समाजवादी पार्टी के अजीत प्रसाद (42) को 61,710 मतों से हराया। इसके पहले फैजाबाद (अयोध्या) लोकसभा सीट पर पिछले साल आम चुनाव में सपा के अवधेश प्रसाद ने भाजपा के पूर्व सांसद लल्लू सिंह को पराजित किया था।

न्यूज अपडेट

महाकुंभ में एक कल्पवासी के टेंट में लगी आग,10 मिनट में बुझाई गई

महाकुंभ नगर : महाकुंभ नगर के सेक्टर 19 में एक कल्पवासी के टेंट में रविवार सुबह गैस सिलेंडर लीक होने की वजह से आग लग गई जिसे दमकल कर्मियों ने 10 मिनट में बुझा दिया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी (कुंभ) प्रमोद शर्मा ने 'पीटीआई- भाषा' को बताया कि सेक्टर 19 में ओम प्रकाश पांडे सेवा संस्थान द्वारा लगाए गए कल्पवासी टेंट में आज सुबह करीब 11:20 बजे आग लगने की सूचना प्राप्त हुई। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने पर तत्काल दमकल की गाड़ियां घटनास्थल के लिए रवाना की गईं, 10 मिनट में आग बुझा ली गई। इस आग से प्रयागराज निवासी राजेंद्र जायसवाल का टेंट जल गया। शर्मा ने बताया कि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। इससे पूर्व, सात फरवरी को महाकुंभ नगर के सेक्टर-18 में स्थित अंतरराष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन) के शिविर में आग लग गई थी जिसमें करीब 20-22 टेंट जलकर खाक हो गए थे।

दलित ग्राम प्रधान से मारपीट के आरोप में आठ लोगों पर मुकदमा दर्ज

भदोही (उप्र) : भदोही जिले में गरीब लोगों को ग्राम समाज की जमीन का आवासीय पट्टा देने पर एक दलित ग्राम प्रधान के साथ मारपीट करने के आरोप में आठ लोगों के खिलाफ अदालत के आदेश पर मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने रविवार को बताया कि जिले में ज्ञानपुर थाना क्षेत्र के केशवपुर सरपतहां गांव में प्रधान गुलाब धर (40) ने ग्राम समाज की जमीन का पट्टा कुछ गरीबों और भूमिहीन लोगों को आवंटित कर उसे पिछले साल 19 नवंबर को ज्ञानपुर तहसील में स्वीकृति के लिए भेज दिया। उन्होंने बताया कि आरोप है कि इसकी जानकारी मिलने पर उस जमीन पर कई सालों से अवैध कब्जा किये आठ लोगों ने मिलकर प्रधान को लाठी-डंडे से पीटा और जान से मारने की धमकी दी। मांगलिक ने बताया कि गुलाब धर ने इसी साल जनवरी में अपर सत्र न्यायाधीश असद अहमद हाशमी की अदालत में याचिका दायर की थी। उन्होंने बताय कि अदालत ने शनिवार को इस मामले में सभी आठ आरोपियों-- पंकज शुक्ला, पवन शुक्ल, विकास शुक्ला, अजय शुक्ला, अंजनी शुक्ला, अमन शुक्ला, त्रिवेणी और विशाल शुक्ला के खिलाफ ज्ञानपुर थाने में भारतीय न्याय संहिता और दलित अधिनियम की सुसंगत धाराओं में शनिवार को मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया है।

बिहारः कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रवासियों के साथ 'दुर्व्यवहार' को लेकर मोदी और ट्रंप का पुतला फूंका

पटना : पटना में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अमेरिका में भारत से आए प्रवासियों के साथ कथित दुर्व्यवहार के खिलाफ रविवार को जुलूस निकाला। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ता यहां आयकर गोलंबर पर एकत्रित हुए और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पुतले फूंके। प्रदर्शनकारियों ने मोदी पर ''अमेरिका के सामने झुकने'' का आरोप लगाया। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारतीय नागरिकों के अपमान पर चुप्पी साध रखी है जबकि सत्तारूढ़ भाजपा देश को 'विश्व गुरु' (वैश्विक नेता) बनाने का दावा करती है।'' राज्यसभा सदस्य सिंह ने कहा, ''जब भी मोदी अमेरिका जाते हैं, तो उनके प्रचार पर करोड़ों रुपये खर्च किए जाते हैं। 'हाउडी मोदी' और 'नमस्ते ट्रंप' जैसे कार्यक्रमों के प्रायोजक उन 104 भारतीयों के लिए सम्मानजनक वापसी की व्यवस्था नहीं कर सके, जिन्हें अपराधियों की तरह हथकड़ी लगाकर सैन्य विमान में लाया गया। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया, ''हाल के दिनों में भारत का पड़ोसी देशों के सौहार्दपूर्ण संबंध खराब हुआ है। अमेरिका की ओर से किये गये इस कठोर व्यवहार से स्पष्ट हो गया है कि मोदी सरकार कूटनीतिक मोर्चे पर बुरी तरह विफल रही है।''

उप्र विधानमंडल का बजट सत्र 18 फरवरी से

लखनऊ : उत्तर प्रदेश विधानमंडल का बजट सत्र 18 फरवरी को शुरू होगा। विधानपरिषद के प्रमुख सचिव राजेश सिंह द्वारा रविवार को जारी एक बयान के मुताबिक राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने इस साल का पहला विधानमंडल सत्र आगामी 18 फरवरी को आहूत किया है। बयान के अनुसार साल 2025 के पहले सत्र में राज्यपाल 18 फरवरी को पूर्वाह्न 11 बजे विधानमंडल के दोनों समवेत सदनों को सम्बोधित करेंगी। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक इस सत्र में आगामी 20 फरवरी को वित्त वर्ष 2025-26 के लिये बजट पेश किया जाएगा।

विकसित भारत की महायात्रा में किसान की भूमिका को कोई कुंठित नहीं कर सकता: उपराष्ट्रपति

जयपुर : उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को कहा कि विकसित भारत की महायात्रा में किसान की भूमिका को कोई कुंठित नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि किसान के हाथों में राजनीतिक ताकत और आर्थिक योग्यता है, उसे किसी की मदद का मोहताज नहीं होना चाहिए। चित्तौडगढ़ में अखिल मेवाड़ क्षेत्र जाट महासभा को सम्बोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा, किसान की आर्थिक स्थिति में जब उत्थान आता है तो देश की व्यवस्था में उद्धार आता है। बाकी किसान दाता है, किसान को किसी की ओर नहीं देखना चाहिए, किसी की मदद का मोहताज किसान नहीं

होना चाहिए, क्योंकि किसान के सबल हाथों में राजनीतिक ताकत है, आर्थिक योग्यता है। उन्होंने कहा, कुछ भी हो जाए, कितनी बाधाएं आएं, कोई भी अवरोधक बने, आज के दिन विकसित भारत की महायात्रा में किसान की भूमिका को कोई कुंठित नहीं कर सकता। आज की शासन व्यवस्था किसान के प्रति नतमस्तक है।'' उपराष्ट्रपति ने 25 साल पहले हुए जाट आरक्षण आंदोलन के दिनों को याद करते हुए कहा, मैं यहां 25 साल बाद आया हूं, 25 साल पहले इसी जगह पर एक बहुत अच्छा काम हुआ था। सामाजिक न्याय की लड़ाई की शुरुआत हुई थी, जाट और कुछ जातियों को आरक्षण मिले।'' उन्होंने कहा ,''यह शुरुआत 1999 की थी, समाज के प्रमुख लोग यहां उपस्थित थे। मैं भी उनमें एक था। आज उसके नतीजे देश और राज्य की प्रशासनिक सेवाओं में मिल रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि उसी आरक्षण का जिनको लाभ मिला है, आज वो सरकार में प्रमुख पदों पर हैं। धनखड़ ने कहा, '' उनसे मेरा आग्रह रहेगा कि वे पीछे मुड़कर जरूर देखें और कभी नहीं भूलें कि इस समाज के सहयोग की वजह से, इस समाज के प्रयास से हमें सामाजिक न्याय मिला.। वैसे जब भी कोई आंदोलन होता है, खास तौर से आरक्षण से जुड़ा हुआ। लोग हिंसक हो जाते हैं। पर इस पावन भूमि पर मेरा सिर गर्व से ऊंचा है कि दुनिया के लिए हमारा आंदोलन सामाजिक न्याय का सबसे बड़ी मिसाल है।

कुशीनगर में 'अवैध रूप से निर्मित' मस्जिद के ध्वस्तीकरण की कार्यवाही

कुशीनगर (उप्र) : कुशीनगर में जिला प्रशासन ने 'अवैध रूप से निर्मित' एक मस्जिद को अदालत के स्थगन आदेश की अवधि खत्म होने के बाद रविवार को ध्वस्त करने की कार्रवाई शुरू कर दी। उपजिलाधिकारी योगेश्वर सिंह और पुलिस क्षेत्राधिकारी कुंदन सिंह रविवार सुबह व्यापक पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और तीन मंजिला मदनी मस्जिद के ध्वस्तीकरण का काम शुरू कर दिया। जिला प्रशासन के आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक मस्जिद को लेकर विवाद 1999 से शुरू हुआ था। स्थानीय नेता राम बच्चन सिंह ने पहली बार इसके अवैध निर्माण के बारे में शिकायत दर्ज कराई थी। हालांकि, उस समय

कोई कार्रवाई नहीं की गई थी। दिसंबर 2023 में यह मुद्दा फिर से सामने आया तब जांच शुरू की गई। सूत्रों ने बताया कि नगर पालिका प्रशासन ने मस्जिद की प्रबंधन समिति को कानूनी दस्तावेज उपलब्ध कराने के लिए तीन नोटिस जारी किये, मगर कोई वैध कागजात उपलब्ध नहीं कराए गए, लिहाजा मस्जिद को अनधिकृत घोषित कर दिया गया। सूत्रों ने बताया कि मस्जिद प्रबंधन समिति ने जिला प्रशासन के फैसले को उच्च न्यायालय में चुनौती दी, जिसने मस्जिद के ध्वस्तीकरण पर स्थगन का आदेश दिया था। इस आदेश की अवधि आठ फरवरी को समाप्त हो गयी। सूत्रों का कहना है कि आगे कोई कानूनी बाधा न होने के कारण, अधिकारियों ने ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी।

न्यूज इन ब्रीफ

सिंधिया के 'जन सुनवाई' कार्यक्रम के दौरान प्राप्त आवेदन रद्दी में डाले गए, पांच कर्मचारी निलंबित

शिवपुरी : केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की जन सुनवाई के दौरान प्राप्त आवेदनों को फेंकने के मामले में पांच सरकारी कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया। सिंधिया के कार्यालय द्वारा सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई जानकारी के अनुसार, शनिवार को शिवपुरी के पिछोर में 'जन सुनवाई' शिविर आयोजित किया गया। इसमें कहा गया है कि जानकारी मिली है कि कुछ आवेदनों को कूड़ेदान में फेंक दिया गया, जबकि सिंधिया ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए थे कि सभी आवेदनों को उचित तरीके से सूचीबद्ध किया जाए और उनका तुरंत समाधान किया जाए। सिंधिया के कार्यालय ने कहा कि घटना को कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा योजनाबद्ध तरीके से अंजाम दिया गया और मामला दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है।

ऋषिकेश के निकट लक्ष्मणझूला क्षेत्र में इंजीनियरिंग का छात्र गंगा में डूबा

देहरादून : उत्तराखंड में ऋषिकेश के निकट लक्ष्मणझूला क्षेत्र में रविवार को गंगा नदी में नहाते समय इंजीनियरिंग का एक छात्र डूब गया। राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) के अधिकारियों ने यहां बताया कि गाजियाबाद स्थित एबीईएस कॉलेज में बीटेक द्वितीय वर्ष के छात्र वैभव शर्मा (20) का शव बरामद किया गया है। उन्होंने बताया कि घटना मस्तराम घाट पर हुई जहां ऋषिकेश घूमने आए कॉलेज के चार छात्र गंगा में स्नान कर रहे थे। उन्होंने बताया कि इसी दौरान इन छात्रों में शामिल शर्मा का पैर फिसल गया और वह नदी में डूब गया। अधिकारियों के अनुसार इस घटना की सूचना मिलते ही एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और उसके गोताखोरों ने शर्मा की तलाश शुरू की। करीब आधा घंटे तक 20-25 फीट गहराई तक गहन खोज के बाद गोताखोरों ने शर्मा का शव बाहर निकाला। शर्मा उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के बड़ौत का रहने वाला था।

जम्मू-कश्मीर के राजौरी में नियंत्रण रेखा पर पाक घुसपैठिया पकड़ा गया

राजौरी/जम्मू : पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के 40 वर्षीय एक निवासी को रविवार को जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास से गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कोटली जिले के सेरी गांव के निवासी अब्दुल रहमान को जब नौशेरा सेक्टर के लाम इलाके में घुसपैठ करने के तुरंत बाद भारतीय सेना द्वारा पकड़ा गया, तो वह नशे में था। अधिकारियों ने बताया कि व्यक्ति के पास से कोई आपत्तिजनक सामग्री बरामद नहीं हुई है और उससे पूछताछ की जा रही है।

गुजरात: झील में डूबने से चार बच्चों सहित पांच व्यक्तियों की मौत

पाटन (गुजरात) : गुजरात के पाटन जिला स्थित एक झील में चार बच्चों और एक महिला की डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पाटन पुलिस नियंत्रण कक्ष के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना चाणस्मा तालुका स्थित वडावली गांव के बाहरी इलाके में हुई। प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि मृतक चरवाहे थे। पुलिस के अधिकारी ने बताया, ''उनकी बकरियां झील के निकट चर रही थीं, तभी पांच व्यक्तियों में से एक फिसलकर झील में गिर गया। अन्य लोग भी उसे बचाने के लिए झील में कूद गए लेकिन सभी डूब गए।'' अधिकारी ने बताया कि ग्रामीण मौके पर पहुंचे और चार बच्चों समेत पांच व्यक्तियों को झील से बाहर निकाला। उन्हें चाणस्मा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन पांचों को मृत घोषित कर दिया। अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान सिमरन सिपाही (13), मेहरा मालेक (9), अब्दुल मालेक (10), सोहेल कुरैशी (16) और फिरोजा मालेक (32) के रूप में हुई है।

केजरीवाल ने आप के नवनिर्वाचित विधायकों के साथ बैठक की, उनसे जनता के लिए काम करने को कहा

नयी दिल्ली : दिल्ली में आम आदमी पार्टी (आप) के सत्ता से बाहर होने के एक दिन बाद पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने रविवार को अपने फिरोजशाह रोड स्थित आवास पर 22 नवनिर्वाचित विधायकों के साथ बैठक की और उनसे जनता के लिए काम करने को कहा। बैठक के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए कार्यवाहक मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि पार्टी रचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभाएगी और यह सुनिश्चित करेगी कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपने वादों को पूरा करे। आतिशी ने कहा कि केजरीवाल ने नवनिर्वाचित विधायकों को लोगों की सेवा करने और उनकी समस्याओं का समाधान करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा, ''आप एक रचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभाएगी और यह सुनिश्चित करेगी कि भाजपा अपने वादे के अनुसार आठ मार्च तक महिलाओं को 2,500 रुपये प्रति माह दे, 300 यूनिट मुफ्त बिजली उपलब्ध कराए और लोगों के लिए अन्य सुविधाएं जारी रखे।'' उन्होंने कहा कि विधायक यह सुनिश्चित करेंगे कि भाजपा आप नीत सरकार द्वारा पिछले 10 वर्षों में दी गई मुफ्त सेवाओं और सुविधाओं को बंद न करे। आतिशी ने कहा कि आने वाले दिनों में आप विधायक दल की बैठक के दौरान विपक्ष के नेता को नामित किया जाएगा। भाजपा ने दिल्ली की 70 विधानसभा सीट में से 48 सीट पर जीत हासिल की। भाजपा ने आप को पराजित करके 26 साल से अधिक समय के बाद दिल्ली की सत्ता में वापसी की है।केजरीवाल ने आप के नवनिर्वाचित विधायकों के साथ बैठक की, उनसे जनता के लिए काम करने को कहानयी दिल्ली, नौ फरवरी (भाषा) दिल्ली में आम आदमी पार्टी (आप) के सत्ता से बाहर होने के एक दिन बाद पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने रविवार को अपने फिरोजशाह रोड स्थित आवास पर 22 नवनिर्वाचित विधायकों के साथ बैठक की और उनसे जनता के लिए काम करने को कहा।

वर्ष 2024 में जब्त मादक पदार्थों की मात्रा में 22 प्रतिशत गिरावट

नयी दिल्ली : वर्ष 2024 में जब्त मादक पदार्थों की मात्रा साल 2023 की तुलना में 22 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,087 टन के आसपास रही। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, साल 2024 में, देश भर में 72,496 मामलों में 16,966 करोड़ रुपये मूल्य के 1,087 टन मादक पदार्थ जब्त किए गए। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के अधिकारियों ने 2023 में 1.09 लाख से अधिक मामलों में 16,123 करोड़ रुपये मूल्य के 1,389 टन मादक पदार्थ जब्त किए थे। सीबीआईसी के अध्यक्ष संजय कुमार अग्रवाल ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए सीमा शुल्क विभाग विदेशी यात्रियों के आगमन, खुले सीमा बिंदुओं और देश में आने वाले वाणिज्यिक माल पर नजर रख रहा है।

दिल्ली में भ्रष्टाचार के मामलों की जांच के लिए एसआईटी गठित करेगी भाजपा सरकार

नयी दिल्ली : दिल्ली में 27 साल बाद सत्ता में वापसी करने वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने नयी सरकार की पहली कैबिनेट बैठक में भ्रष्टाचार के मामलों की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने की घोषणा की है। भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि पार्टी भ्रष्टाचार को लेकर 'कतई बर्दाश्त नहीं' की नीति रखती है और घोटाले में शामिल लोगों को जवाबदेह ठहराया जाएगा। सचदेवा ने 'पीटीआई-वीडियो' से कहा, ''जैसा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कई बार कहा है, और हमने भी कहा है। कैबिनेट की पहली बैठक में कैग की रिपोर्ट पेश की जाएगी। हम भ्रष्टाचार के सभी मामलों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का भी गठन करेंगे।'' दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा के 48 सीट जीतकर बहुमत हासिल करने पर सचदेवा ने पार्टी को सफलता दिलाने का श्रेय प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा को दिया। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि दिल्ली के मतदाताओं ने विकास के लिए भाजपा का समर्थन किया तथा मोदी के नेतृत्व में विश्वास व्यक्त किया। कांग्रेस की लगातार तीसरी बार हुई हार पर सचदेवा ने कहा कि ऐतिहासिक रूप से महत्व-पूर्ण पार्टी होने के बावजूद उसका बहुत बुरा हाल हुआ है और उसे कड़ी मेहनत करनी चाहिए। दिल्ली में भाजपा के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के बारे में सचदेवा ने कहा कि पार्टी एक व्यवस्थित दृष्टिकोण अपनाती है और ऐसे निर्णय केंद्रीय नेतृत्व पर छोड़ देती है, जैसा कि अन्य राज्यों में देखा गया है।

यमुना नदी तट का पुनरुद्धार सर्वोच्च प्राथमिकता : प्रवेश वर्मा

नयी दिल्ली : दिल्ली में मुख्यमंत्री पद के प्रबल दा-वेदार एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता प्रवेश वर्मा ने रविवार को कहा कि यमुना नदी तट का विकास उनकी पार्टी की प्राथमिकता होगी। प्रवेश वर्मा ने यहां अपने पैतृक गांव मुंडका में अपने पिता एवं पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद संवाददाताओं से कहा कि पिछली सरकार ने दिल्ली के ग्रामीण इलाकों की उपेक्षा की है और सड़कों की हालत खराब है। वर्मा ने कहा, ''यमुना नदी तट का पुनरुद्धार हमारी प्राथमिकताओं में होगा।'' वर्मा ने कहा कि वह अपने पिता के अधूरे कार्यों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वर्मा ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिले बहुमत के लिए लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा, ''दिल्ली की जनता के आशीर्वाद और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से हम एक ऐसी सुंदर दिल्ली बनाने की दिशा में काम करेंगे जिसमें समाज के सभी वर्गों की भागीदारी हो।'' वर्मा की राजनीतिक लोकप्रियता नयी दिल्ली सीट से आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर 4,089 मतों की शानदार जीत के साथ काफी बढ़ गई है। उन्हें दिल्ली में भाजपा की आगामी सरकार में मुख्यमंत्री पद का प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

दिल्ली चुनाव : ओखला के विधायक अमानतुल्लाह खान ने 'आप' की हार के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया

नयी दिल्ली : दिल्ली की ओखला सीट से आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक अमानतुल्लाह खान ने रविवार को विधानसभा चुनाव में पार्टी की हार के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया। कांग्रेस ने खान के आरोप को खारिज किया है। आप ने 2020 में 62 और 2015 में 67 विधानसभा सीटें जीती थीं, लेकिन इस चुनाव में उसकी संख्या घटकर 22 रह गई, क्योंकि भाजपा ने 70 सदस्यीय सदन में 48 सीटों के साथ शानदार जीत दर्ज की। कांग्रेस एक भी सीट नहीं जीत सकी। खान ने कांग्रेस पर अपनी चुनावी सफलता के बजाय आप की हार को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया। खान ने कहा, ''कांग्रेस ने चुनाव जीतने के लिए नहीं, बल्कि हमारी हार सुनिश्चित करने के लिए लड़ा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी पहली बार मेरे निर्वाचन क्षेत्र में प्रचार करने आए थे। उन्हें पता था कि उनके पास जीतने का कोई मौका नहीं है, लेकिन वे हमें हराने के लिए दृढ़ थे।'' आप और कांग्रेस विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के घटक हैं और पिछले साल दिल्ली में गठबंधन करके लोकसभा चुनाव लड़े थे। खान ने कहा कि गठबंधन के सहयोगियों को प्रत्येक राज्य में सबसे मजबूत पार्टी का समर्थन करना चाहिए। उन्होंने कहा, ''हम दिल्ली में मजबूत थे, कांग्रेस नहीं। लेकिन इसके कदमों ने भाजपा को सत्ता में आने में मदद की। कांग्रेस के पास खोने के लिए कुछ नहीं था, लेकिन इसकी रणनीति ने धर्मनिरपेक्ष मतदाताओं को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया।'' शनिवार को आए नतीजों में आप को 43.57 प्रतिशत जबकि भाजपा को 45.56 प्रतिशत वोट मिले। कांग्रेस का वोट शेयर 6.34 प्रतिशत रहा। खान के दावों पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नरेंद्र नाथ ने कहा कि उनकी पार्टी ने जीतने के लिए चुनाव लड़ा था।

संविधान को कमजोर करने के प्रयास कर रही भाजपा नीत केंद्र सरकार: प्रियंका गांधी

वायनाड (केरल) : कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए रविवार को आरोप लगाया कि इतिहास में पहली बार कोई सरकार देश के संविधान और लोकतंत्र दोनों को कमजोर करने के प्रयास कर रही है। एरनाड विधानसभा क्षेत्र में पार्टी के बूथ स्तर के नेताओं को संबोधित करते हुए वायनाड की सांसद प्रियंका ने कहा, यह शायद हमारे देश के इतिहास में पहली ऐसी सरकार है जो संविधान और लोकतंत्र को कमजोर करने के प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा, आपको यह समझना चाहिए कि आज हम जो लड़ाई लड़ रहे हैं, वह सिर्फ हमारी अपनी राजनीति और विचारधारा की लड़ाई नहीं है, बल्कि भारत ने जो कुछ भी हासिल किया है उसे बचाने की लड़ाई है। वायनाड की अपनी तीन दिवसीय यात्रा के दूसरे दिन, प्रियंका ने मानव-पशु संघर्ष के मुद्दे पर बात करते हुए कहा कि वह केंद्र और राज्य सरकार को, अधिक धन आवंटित करने के लिए पत्र लिखेंगी क्योंकि प्रभावी सुरक्षा उपायों के लिए पर्याप्त धन की आवश्यकता है। बैठक के बाद मानव-पशु संघर्ष के मुद्दे पर पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि वह इस मुद्दे को एक बार पहले भी उठा चुकी हैं और आगे भी उठाती रहेंगी। उन्होंने कहा, यह ऐसा मुद्दा है जिस पर हमें गौर करने की जरूरत है, यह एक जटिल मुद्दा है क्योंकि इसका कोई आसान समाधान नहीं है। निश्चित रूप से, मैं जितना संभव होगा उतना दबाव डालूंगी। प्रियंका ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों दोनों से धन प्राप्त करने में कठिनाई हो रही है। उन्होंने कहा, मैं इस मुद्दे को उठाऊंगी और सुनिश्चित करूंगी कि इसका समाधान निकाला जाए।

दिल्ली चुनाव: कांग्रेस के 67 नेताओं समेत 80 प्रतिशत उम्मीदवारों की जमानत जब्त

नयी दिल्ली : दिल्ली विधानसभा की तीन सीट छोड़कर सभी 67 सीट पर कांग्रेस उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। कुल मिलाकर दिल्ली विधानसभा चुनाव लड़ने वाले 80 प्रतिशत उम्मीदवारों (निर्दलीय समेत) की जमानत जब्त हो गई। राष्ट्रीय राजधानी में पांच फरवरी को हुए मतदान के बाद शनिवार को परिणाम जारी किए गए, जिसमें आम आदमी पार्टी (आप), भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके सहयोगी दल जनता दल (यूनाइटेड) और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के सभी उम्मीदवार अपनी जमानत बचाने में कामयाब रहे। दिल्ली में कुल 699 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा था, जिनमें से 555 (79.39 प्रतिशत) प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई है। कांग्रेस के लिए यह बहुत ही परेशान करने वाली स्थिति है कि वह न केवल लगातार तीसरी बार एक भी सीट नहीं जीत पाई बल्कि उसके 67 उम्मीदवारों की जमानत भी जब्त हो गई। राष्ट्रीय राजधानी की सत्ता में लगातार तीन बार 2013 तक शासन करने वाली कांग्रेस ने सभी 70 निर्वाचन क्षेत्रों में उम्मीदवार खड़े किए थे। कांग्रेस के केवल तीन उम्मीदवार अपनी जमानत बचाने में कामयाब रहे जिसमें कस्तूरबा नगर से अभिषेक दत्त, नांगलोई जाट से रोहित चौधरी और बादली से देवेंद्र यादव शामिल हैं। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने दो सीट पर अपने उम्मीदवार उतारे थे, जिसमें ओखला सीट से चुनाव लड़े प्रत्याशी शिफा-उर-रहमान खान अपनी जमानत बचाने में सफल रहे।

पुंछ में जंगल में आग लगने से नियंत्रण रेखा पर चार बारूदी सुरंगों में विस्फोट, कोई हताहत नहीं

मेंढर/जम्मू : जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास जंगल में आग लगने के कारण रविवार को कम से कम चार बारूदी सुरंगों में विस्फोट हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इस दौरान कोई हताहत नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि मेंढर उपमंडल में बालाकोट सेक्टर के लांजोटे जंगल में दोपहर करीब एक बजे आग लग गई और बारूदी सुरंगों में विस्फोट हो गया। अधिकारियों ने बताया कि नियंत्रण रेखा से सटे अग्रिम इलाकों में घुसपैठ रोधी बाधा प्रणाली के तहत बारूदी सुरंगें बिछाई गई हैं ताकि आतंकवादियों को देश में घुसने से रोका जा सके। उन्होंने बताया कि आग लगने का कारण अभी पता नहीं चल पाया है। उन्होंने बताया कि सेना, पुलिस और स्थानीय स्वयंसेवकों के संयुक्त प्रयासों से कई घंटों के बाद आग पर काबू पा लिया गया।

प्रयागराज में भारी भीड़ का मध्यप्रदेश में भी असर, कुछ जिलों में रोकना पड़ा यातायात

भोपाल : मध्यप्रदेश के रास्ते उत्तर प्रदेश के महाकुंभ मेला जा रहे तीर्थयात्रियों के वाहनों के कारण राज्य में 200-300 किलोमीटर तक भीषण जाम लग गया, जिसके कारण पुलिस को विभिन्न जिलों में रविवार को यातायात रोकना पड़ा। पुलिस द्वारा यातायात रोके जाने के कारण यात्री कई घंटों तक सड़कों पर फंसे रहे और इससे उन्हें कई परेशानियों का सामना करना पड़ा। एक दिन पहले, भारी यातायात और भीड़भाड़ होने से रोकने के लिए प्रयागराज की ओर जाने वाले सैकड़ों वाहनों को राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में रोक दिया गया था। मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों में पुलिस ने रविवार को वाहनों का आवागमन रोक दिया और लोगों से सुरक्षित स्थान ढूंढकर रुकने के लिए कहा। कटनी जिले में पुलिस वाहनों से घोषणा की गई कि सोमवार तक यातायात रोक दिया गया है। राज्य के मैहर जिले की पुलिस ने वाहनों को कटनी और जबलपुर की ओर लौटने तथा वहीं रुकने का निर्देश दिया है। पुलिस ने कहा, ''आज प्रयागराज की ओर जाना असंभव है क्योंकि 200-300 किलोमीटर लंबा जाम लगा हुआ है।'' सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में मध्यप्रदेश के कटनी, मैहर और रीवा जिलों की सड़कों पर हजारों कार और ट्रक की लंबी कतारें नजर आ रही हैं। प्रत्यक्षदर्शियों ने दावा किया कि कटनी से लेकर रीवा जिले के चाकघाट में मध्यप्रदेश-उत्तर प्रदेश सीमा तक 250 किलोमीटर लंबे मार्ग पर भारी जाम लगा हुआ है। कई लोगों ने दावा किया कि वे कई घंटों से सड़कों पर फंसे हुए हैं। रीवा के प्रभारी पुलिस महानिरीक्षक साकेत प्रकाश पांडे ने कहा कि भीड़ के कारण रविवार को यहां भारी ट्रैफिक जाम लग गया। उन्होंने कहा कि एक-दो दिन में स्थिति सामान्य होने की संभावना है। पांडे ने बताया कि मध्यप्रदेश की पुलिस प्रयागराज प्रशासन के साथ समन्वय के बाद वाहनों को जाने की अनुमति दे रही है।

न्यूज अपडेट

मेरठ में अतिरिक्त छह किलोमीटर खंड पर नमो भारत ट्रेन का परीक्षण शुरू

नयी दिल्ली : उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले में मेरठ दक्षिण और शताब्दी नगर के बीच छह किलोमीटर लंबे अतिरिक्त खंड पर रविवार को नमो भारत ट्रेन का परीक्षण शुरू हुआ। एनसीआर परिवहन निगम ने यह जानकारी दी। एनसीआरटीसी ने एक बयान में कहा कि परीक्षण के दौरान निर्माण संरचना की अनुकूलता की जांच के लिए नमो भारत ट्रेनों को शुरू में 'मैन्युअल' रूप से संचालित किया जाएगा। बयान के मुताबिक, जैसे-जैसे परीक्षण आगे बढ़ेगा, एनसीआरटीसी ट्रेन के एकीकृत प्रदर्शन और पटरी, सिग्नल, प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर (पीएसडी) तथा ओवरहेड विद्युत आपूर्ति प्रणाली सहित प्रमुख उप-प्रणालियों के साथ समन्वय का आकलन करने के लिए व्यापक मूल्यांकन करेगा। बयान में कहा गया है कि इसके बाद उच्च गति परीक्षण सहित व्यापक परीक्षण की योजना बनाई जाएगी। इसमें कहा गया, ''गलियारे के इस छह किलोमीटर के अतिरिक्त हिस्से में शताब्दी नगर में एक नमो भारत स्टेशन के अलावा परतापुर और रिठानी के दो मेरठ मेट्रो स्टेशन भी होंगे। एक बार परिचालन शुरू हो जाने पर, नमो भारत ट्रेन यात्रियों को न्यू अशोक नगर और शताब्दी नगर के बीच तेज यात्रा का विकल्प प्रदान करेगी, जिससे 61 किलोमीटर की यात्रा का समय 45 मिनट से कम हो जाएगा।'' बयान के मुताबिक, शताब्दी नगर मेरठ का दूसरा नमो भारत स्टेशन होगा जो नमो भारत और मेरठ मेट्रो दोनों के लिए काम करेगा, जिससे यह एक प्रमुख पारगमन केंद्र बन जाएगा। इसमें कहा गया कि यह स्टेशन क्षेत्र में यात्रियों की आवाजाही को सुविध-ाजनक बनाएगा, जिससे दिल्ली और मोदीपुरम दोनों की ओर निर्बाध कनेक्टिविटी मिलेगी। यात्रियों की सुविधा के लिए शताब्दी नगर स्टेशन पर सड़क के दोनों ओर दो प्रवेश-निकास द्वार हैं।

चिरेका में 59वीं वार्षिक पुष्प एवं बागवानी प्रदर्शनी-2025

बेहतर प्रदर्शन करने वाले चिरेका वासी को मिला पुरस्कार

चित्तरंजन : चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना (चिरेका) रेल नगरी के हिल टॉप निकट स्थित नर्सरी परिसर में रविवार को 59वां वार्षिक पुष्प और बागवानी प्रदर्शनी का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद विजय कुमार,महाप्रबंधक/चिरेका और सम्मानित अतिथि, चिरेका महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती किरण बधान द्वारा फीता काटकर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर चिरेका के प्रधान विभागाध्यक्ष गण,वरिष्ठ अधिकारी गण,चिरेका महिला कल्याण संगठन की सदस्याएं,इस वेजिटेबल और फ्लावर शो में हिस्सा ले रहे विभिन्न प्रतिभागी और कर्मचारीगण उपस्थित थे। इस उद्घाटन मौके पर आयोजक विभाग के सौजन्य से एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस पुष्प प्रदर्शनी में 46 श्रेणियां में 80 प्रतिभागियो ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। विजय कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि इस भव्य पुष्प एवं सब्जी प्रदर्शनी से हमें निजी जीवन में सीख मिलती है। यह हमारी पोषक और भावात्मक महत्वपूर्ण को प्रदर्शित करती है। लगातार 59 साल तक इसका आयोजन ही इस खूबसूरत आयोजन के महत्व को दर्शाता है। अपने संबोधन में श्री कुमार ने कहा कि पिछले 59 वर्षों से शॉ के आयोजन को भव्य रूप से प्रदर्शित किया जा रहा है। आगे भी आप ज्यादा से ज्यादा पुष्प और सब्जियों के बागवानी को विकसित करने का प्रयास करें और इस शहर को और भी ज्यादा खूबसूरत एवं इको फ्रेंडली बनाएं। इस आयोजन के लिए आयोजन कर्ताओं की सराहना की।

सांसदों-विधायकों के खिलाफ करीब 5,000 मामलों के शीघ्र निपटारे के लिए न्यायालय से मांगा निर्देश

नयी दिल्ली : वर्तमान एवं पूर्व संसद सदस्यों तथा विधानसभा सदस्यों के विरुद्ध लगभग 5,000 मामले लंबित होने के कारण, उच्चतम न्यायालय से आग्रह किया गया है कि वह सांसदों के विरुद्ध मामलों के शीघ्र निपटारे के लिए निर्देश जारी करे। सांसदों/विधायकों के खिलाफ आपराधिक मामलों के शीघ्र निपटारे की मांग वाली जनहित याचिका में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा नियुक्त न्यायमित्र वरिष्ठ अधिवक्ता विजय हंसारिया द्वारा दायर नवीनतम हलफनामे में कहा गया है कि विधायकों का उनके खिलाफ मामलों की जांच और/या सुनवाई पर बहुत प्रभाव होता है और सुनवाई पूरी नहीं करने दी जाती है। हलफनामे के अनुसार, यह कहा गया है कि इस न्यायालय द्वारा समय-समय पर दिए गए आदेशों और उच्च न्यायालय की निगरानी के बावजूद सांसदों और विधायकों के खिलाफ बड़ी संख्या में मामले लंबित हैं, जो हमारे देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर एक धब्बा हैं। इसमें कहा गया, बड़ी संख्या में मामलों का लंबित रहना, जिनमें से कुछ तो दशकों से लंबित हैं, यह दर्शाता है कि विधायकों का अपने विरुद्ध मामलों की जांच और/या सुनवाई पर बहुत अधिक प्रभाव है, तथा मुकदमे को पूरा नहीं होने दिया जाता है। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ सोमवार को अश्विनी उपाध्याय द्वारा 2016 में दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करेगी, जिसमें दोषी राजनेताओं पर आजीवन प्रतिबंध लगाने की अपील की गई है। चुनाव अधिकार संस्था एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए हंसारिया ने कहा कि वर्तमान लोकसभा के 543 सदस्यों में से 251 के खिलाफ आपराधिक मामले हैं, जिनमें से 170 गंभीर आपराधिक मामले हैं (जिनमें पांच साल या उससे अधिक की सजा हो सकती है)। मामलों की सुनवाई में देरी के विभिन्न कारणों को रेखांकित करते हुए हंसारिया ने कहा कि सांसदों/विधायकों के लिए विशेष अदालत नियमित अदालती काम करती हैं और कुछ राज्यों को छोड़कर, सांसदों/विधायकों के खिलाफ मुकदमा इन अदालतों के कई कार्यों में से एक है।

एयरो इंडिया: एयर चीफ मार्शल सिंह, सेना प्रमुख द्विवेदी ने तेजस में उड़ान भरी

बेंगलुरु : वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह और थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने रविवार को येलहांका स्थित वायुसेना अड्डे पर हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) तेजस में उड़ान भरकर भव्य एयरो इंडिया-2025 की रूपरेखा तैयार की। शीर्ष अधिकारियों की तेजस में यह उड़ान यहां सोमवार से शुरू हो रहे इस द्विवार्षिक भव्य कार्यक्रम की पूर्व भूमिका थी। एयरो इंडिया 2025 सोमवार से शुरू होकर 14 फरवरी तक चलेगा। जब एयर चीफ मार्शल ने सेना प्रमुख के साथ तेजस को उड़ाया तो सभी की निगाहें आसमान की ओर लगी रहीं। सफल उड़ान के बाद जनरल द्विवेदी ने इस अनुभव को उनके जीवन का सबसे अच्छा पल बताया। जनरल द्विवेदी ने पत्रकारों को बताया, यह मेरे जीवन का सबसे अच्छा पल था और जैसा कि आप जानते हैं कि एयर चीफ मार्शल और मैने साथ में कोर्स किया है। हम एनडीए (नेशनल डिफेंस एकेडमी) के दिनों से साथ हैं। काश कि वह मुझसे पहले मिलते और मैं निश्चित रूप से वायुसेना में जाता। जैसा कि मैंने पहले भी कहा है, अगर मैं वायुसेना में जाता तो मैं लड़ाकू पायलट होता। उन्होंने कहा, और मैं यह जरूर कहना चाहूंगा कि आज से एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह मेरे गुरु हैं, क्योंकि उन्होंने मुझे आसमान में रहते हुए बहुत सी भूमिकाएं और अन्य गतिविधियां करने को कहा। सेना प्रमुख ने कहा कि उन्होंने उड़ान का आनंद लिया क्योंकि यह एक बड़ी चुनौती थी।

तूफानी शतक जड़कर फॉर्म में लौटे रोहित,
इंग्लैंड को चार विकेट से हराकर भारत ने जीती श्रृंखला

कटक : भारत ने दूसरे वनडे में इंग्लैंड को चार विकेट से हराकर तीन मैचों की वनडे सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली। कटक के बाराबटी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड ने बेन डकेट और जो रूट की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत 49.5 ओवर में 10 विकेट पर 304 रन बनाए। जवाब में भारत ने रोहित शर्मा की शतकीय पारी की बदौलत 44.3 ओवर में छह विकेट गंवाकर 308 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। दोनों टीमों के बीच तीसरा मुकाबला अहमदाबाद में 12 फरवरी को खेला जाएगा। इस मैच में भारतीय टीम जीत के साथ इंग्लैंड का सूपड़ा साफ करने के उद्देश्य से उतरेगी। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत शानदार हुई थी। रोहित शर्मा और शुभमन गिल के बीच पहले विकेट के लिए 136 रनों की साझेदारी हुई, जिसे जैमी ओवरटन ने तोड़ा। उन्होंने युवा बल्लेबाज गिल को 17वें ओवर में बोल्ड किया। 25 वर्षीय बल्लेबाज 52 गेंदों में 60 रनों की पारी खेलकर पवेलियन लौटे। उन्होंने लगातार दूसरे मैच में अर्धशतक जड़ा। गिल ने अपने वनडे करियर का 15वां पचासा 45 गेंदों में पूरा किया। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए विराट कोहली एक बार फिर ऑफ स्टंप के बाहर जा रही गेंद पर आउट हो गए। आदिल रशीद ने अपना शिकार बनाया। वह सिर्फ पांच रन बना सके। इसके बाद मोर्चा श्रेयस अय्यर ने संभाला। उन्होंने तीसरे विकेट के लिए हिटमैन के साथ 70 गेंदों की साझेदारी की। इस दौरान भारतीय कप्तान ने 76 गेंदों में 32वां शतक जड़ा। वह 90 गेंदों में 12 चौके और सात छक्कों की मदद से 119 रनों की शानदार पारी खेलकर पवेलियन लौटे। उन्हें लियाम लिविंगस्टोन ने पारी के 30वें ओवर में आदिल रशीद के हाथों कैच कराया। इंग्लैंड के खिलाफ श्रेयस अय्यर ने 44, हार्दिक पांड्या ने 10, अक्षर पटेल ने 41* और रवींद्र जडेजा ने 11* रन बनाए। इंग्लैंड के लिए जैमी ओवरटन ने दो विकेट लिए जबकि गस एटकिंसन, आदिल रशीद और लियाम लिविंगस्टोन को एक-एक सफलता मिली।

टीम के लिए कुछ रन जुटाने में मजा आया, फॉर्म में लौटे रोहित शर्मा ने कहा

भारतीय कप्तान और 'प्लेयर ऑफ द मैच' रहे रोहित शर्मा (119 रन) ने रविवार को यहां इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे वनडे में शतक जड़कर फॉर्म में वापसी करने के बाद कहा कि टीम के लिए कुछ रन जुटाने में मजा आया। भारतीय कप्तान ने मैच के बाद कहा, ''मुझे बल्लेबाजी करने और टीम के लिए रन बनाने में मजा आया। यह एक अहम श्रृंखला है। लेकिन मैं किस तरह की बल्लेबाजी करना चाहता हूं, इसके लिए योजना बनाई कि वनडे में कैसे बल्लेबाजी करनी है।'' उन्होंने कहा, ''यह प्रारूप टी20 से अलग है टेस्ट से छोटा है। मैं लंबे समय तक बल्लेबाजी करना चाहता था और मेरा फोकस यही था।''

फ्लडलाइट की खराबी से भारत-इंग्लैंड के बीच दूसरे वनडे में हुआ 35 मिनट का विलंब

कटक : बीसीसीआई के लिए बड़ी शर्मिंदगी की बात यह रही कि रविवार को यहां बाराबती स्टेडियम में इंग्लैंड और भारत के बीच खेले जा रहे दूसरे वनडे मैच में फ्लडलाइट की खराबी के कारण खेल लगभग 35 मिनट तक रोकना पड़ा। जब फ्लडलाइट खराब हुई तब मेजबान टीम ने 305 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए बिना विकेट गंवाये 48 रन बना लिए थे। भारत अच्छी स्थिति में था लेकिन 'क्लॉक टॉवर' के पास लगी आठ फ्लडलाइट में से एक फेल हो गई जिससे खिलाड़ियों को मैदान से बाहर जाना पड़ा। यह समस्या सबसे पहले शाम करीब सवा छह बजे सामने आई, जब कुछ फ्लडलाइट कुछ देर के लिए बंद हो गई। लेकिन जैसे ही इंग्लैंड के तेज गेंदबाज साकिब महमूद गेंदबाजी करने वाले थे, यह शुरू हो गई। पर कुछ देर बाद लाइट पूरी तरह से बंद हो गई जिससे खिलाड़ी निराश हो गए।

यूपी वारियर्स ने चोटिल हीली की जगह दीप्ति शर्मा को कप्तान बनाया

नयी दिल्ली : यूपी वारियर्स ने रविवार को अनुभवी ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा को डब्ल्यूपीएल 2025 के लिए कप्तान नियुक्त किया क्योंकि नियमित कप्तान एलिसा हीली पैर की चोट के कारण लीग से बाहर हो गई हैं। वारियर्स को उम्मीद है कि दीप्ति डब्ल्यूपीएल 2024 में अपने शानदार प्रदर्शन को दोहराएगी जिसमें उसने आठ पारियों में 136.57 के स्ट्राइक रेट और 98.33 की औसत से 295 रन बनाए थे। दीप्ति ने अपनी ऑफ स्पिन से 7.23 की इकॉनमी रेट से 10 विकेट भी लिए थे। 27 वर्षीय दीप्ति को कप्तानी का भी अनुभव है, उन्होंने घरेलू मैचों में बंगाल और पूर्वी क्षेत्र का नेतृत्व किया है। दीप्ति ने डब्ल्यूपीएल से पहले महिला टी20 चैलेंज में वेलोसिटी का भी नेतृत्व किया था। डब्ल्यूपीएल में भी वह उत्तर प्रदेश की टीम के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है, उसने 16 पारियों में 385 रन बनाए हैं और 19 विकेट लिए हैं। हालांकि वॉरियर्स को इस दौर की बेहतरीन महिला बल्लेबाज हीली की कमी खलेगी। डब्ल्यूपीएल में उन्होंने 17 मैचों में 428 रन बनाए हैं।

ज्योति याराजी और तेजस शिरसे को राष्ट्रीय खेलों की बाधा दौड़ स्पर्धा में लगातार तीसरा स्वर्ण

देहरादून : आंध्र प्रदेश की ज्योति याराजी और महाराष्ट्र के तेजस शिरसे ने रविवार को यहां राष्ट्रीय खेलों की एथलेटिक्स प्रतियोगिता के दूसरे दिन खेलों के रिकॉर्ड समय के साथ क्रमश: महिला 100 मीटर बाधा दौड़ और पुरुष 110 मीटर बाधा दौड़ में लगातार तीसरे स्वर्ण पदक जीते। अपनी स्पर्धाओं में राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक शिरसे और याराजी ने इससे पहले गुजरात और गोवा में हुए पिछले दो राष्ट्रीय खेलों में भी स्वर्ण पदक जीते थे।गत एशियाई चैंपियन और 2023 में हुए हांगझोउ एशियाई खेलों की रजत पदक विजेता 25 साल की याराजी ने फाइनल में 13.10 सेकेंड के समय के साथ 13.22 सेकेंड के अपने पिछले राष्ट्रीय खेलों के रिकॉर्ड में सुधार किया जो उन्होंने 2023 में बनाया था। याराजी का राष्ट्रीय रिकॉर्ड 12.78 सेकेंड है। पश्चिम बंगाल की मौमिता मंडल ने 13.36 सेकेंड के साथ रजत पदक अपने नाम किया जबकि तमिलनाडु की नित्या रामराज ने 13.60 सेकेंड के समय के साथ कांस्य पदक जीता। बाइस साल के शिरसे ने 13.65 सेकेंड के समय के साथ 13.71 सेकेंड के अपने राष्ट्रीय खेलों के पिछले रिकॉर्ड में सुधार करते हुए स्वर्ण पदक जीता। उनका राष्ट्रीय रिकॉर्ड 13.41 सेकेंड का है जो उन्होंने पिछले साल बनाया था।

ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका को नौ विकेट से हराकर क्लीनस्वीप किया

गॉल (श्रीलंका) : ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को यहां दूसरा टेस्ट नौ विकेट से जीतकर दो मैच की श्रृंखला में श्रीलंका का 2-0 से सूपड़ा साफ किया। श्रीलंका के 75 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मार्नस लाबुशेन (नाबाद 26) ने चौथे दिन लंच से 15 मिनट पहले संन्यास ले रहे दिमुथ करुणारत्ने की गेंद को मिड विकेट पर एक रन के लिए खेलकर ऑस्ट्रेलिया का स्कोर एक विकेट पर 75 रन पर पहुंचाकर टीम को जीत दिलाई। सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा 27 रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलिया ने 2011 से श्रीलंका में पहली बार टेस्ट श्रृंखला जीती है। टीम ने तब रिकी पोंटिंग की अगुआई में श्रीलंका को 1-0 से हराया था। ऑस्ट्रेलिया को 2016 में स्टीव स्मिथ की कप्तानी में श्रीलंका में 3-0 से क्लीनस्वीप का सामना करना पड़ा जबकि 2022 में श्रृंखला 1-1 से ड्रॉ रही। पैट कमिंस की जगह कप्तानी कर रहे स्मिथ ने इस तरह श्रृंखला जीतकर राहत की सांस ली होगी। श्रीलंका ने दिन की शुरुआत आठ विकेट पर 211 रन और सिर्फ 54 रन की बढ़त के साथ की।

सिंधू चोट के कारण बैडमिंटन एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप से हटीं

नयी दिल्ली : दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने पैर की मांसपेशियों में चोट के कारण चीन में होने वाली बैडमिंटन एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप से नाम वापस ले लिया है जिससे देश की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में पदक का रंग सुधारने की संभावनाओं को बड़ा झटका लगा है। यह टूर्नामेंट 11 से 16 फरवरी तक किंगदाओ में खेला जाएगा। भारतीय खिलाड़ी अभी गुवाहाटी में ट्रेनिंग शिविर में हिस्सा ले रहे हैं। सिंधू के अलावा शिविर में लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय के साथ-साथ सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की शीर्ष युगल जोड़ी भी हिस्सा ले रही है। यह 29 वर्षीय खिलाड़ी उस भारतीय टीम का हिस्सा थी जिसने टूर्नामेंट के पिछले सत्र में कांस्य पदक जीता था। सिंधू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मैं भारी मन से यह बता रही हूं कि मैं बैडमिंटन एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप 2025 के लिए टीम के साथ यात्रा नहीं करूंगी। चार फरवरी को गुवाहाटी में ट्रेनिंग के दौरान मुझे अपनी पैर की मांसपेशियों में दर्द महसूस हुआ। अपने देश के लिए पट्टी लगाकर खेलने के प्रयास करने के बावजूद एमआरआई से पता चला है कि मुझे शुरुआत में जितना लगा था चोट के ठीक होने में उससे अधिक समय लगेगा।''

सरकार ने गठित की खेल विशेषज्ञ सलाहकार समिति; मैरी कॉम, साइना, लिएंडर के नाम शामिल

नयी दिल्ली : सरकार ने खेल मंत्री मनसुख मांडविया की अध्यक्षता में एक समिति गठित की है, जिसके तीन सदस्य ओलंपिक पदक विजेता खिलाड़ी होंगे। यह समिति प्रतिभाओं की पहचान करने और उन्हें निखारने, निष्पक्ष और पारदर्शी चयन सुनिश्चित करने, अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले एथलीटों के प्रदर्शन की निगरानी और कोच का मूल्यांकन करने के बारे में सलाह देगी। सत्रह सदस्यीय खेल विशेषज्ञ सलाहकार समिति की सदस्य प्रसिद्ध मुक्केबाज मैरी कॉम, टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस और बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल होंगी, जिन्होंने ओलंपिक पदक जीते हैं। केंद्रीय खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे समिति की उपाध्यक्ष होंगी और खेल सचिव/संयुक्त सचिव संयोजक होंगे। शनिवार को जारी खेल मंत्रालय के परिपत्र के अनुसार, समिति में सरकारी प्रतिनिधि और विभिन्न खेलों के सेवानिवृत्त प्रतिष्ठित एथलीट शामिल हैं। समिति के उद्देश्यों में प्रतिभाओं की पहचान करना और सब-जूनियर एवं जूनियर स्तर के एथलीटों के विकास के लिए प्रशिक्षण संबंधी सलाह देना, निष्पक्ष और पारदर्शी चयन सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय एथलीटों/टीमों के चयन पर नजर रखना शामिल है। इसके अलावा, समिति राष्ट्रीय शिविरों के दौरान कोचिंग सुविधाओं और राष्ट्रीय टीमों से जुड़े भारत/विदेशी प्रशिक्षकों के प्रदर्शन का निरीक्षण व विश्लेषण करेगी।

समाज्ञा व्यापार

न्यूज ब्रीफ

हिमंत असम व्यापार शिखर सम्मेलन को बढ़ावा देने के लिए सिंगापुर का दौरा करेंगे

गुवाहाटी : असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा पूर्वोत्तर राज्य में होने वाले निवेशक सम्मेलन को बढ़ावा देने के लिए सोमवार से सिंगापुर की दो दिवसीय यात्रा पर जाएंगे। शर्मा ने कहा कि राज्य को उन्नत उद्योगों और नवाचार के उभरते केंद्र के रूप में प्रदर्शित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, कल से मैं अगले दो दिनों तक सिंगापुर में रहूंगा, जहां मैं'एडवांटेज असम' का प्रचार करूंगा, जिसमें सेमीकंडक्टर, प्रौद्योगिकी, बुनियादी ढांचे और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में राज्य की बढ़ती क्षमता पर प्रकाश डालूंगा। उनकी यात्रा के दौरान रणनीतिक सहयोग और निवेश के अवसरों का पता लगाने के लिए एक 'रोड शो' और उद्योग जगत के नेताओं के साथ बैठकें भी आयोजित की जाएंगी। शर्मा ने कहा, मुख्य रूप से ध्यान असम को उन्नत उद्योगों और नवाचार के उभरते केंद्र के रूप में स्थापित करने पर होगा।

कोल इंडिया का सीएसआर पर खर्च अप्रैल-जनवरी में 36.5 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली : सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) का कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) पहल पर खर्च चालू वित्त वर्ष के पहले 10 माह (अप्रैल-जनवरी) के दौरान 36.5 प्रतिशत बढ़कर 497 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। कंपनी के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। एक साल पहले इसी अवधि में कंपनी ने सीएसआर पर 364 करोड़ रुपये खर्च किए थे। अधिकारी ने बताया कि घरेलू कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से अधिक की हिस्सेदारी रखने वाली कंपनी सीआईएल अपने सीएसआर कोष का 70 प्रतिशत से अधिक स्वास्थ्य सेवा, पोषण एवं स्वच्छता तथा शिक्षा एवं आजीविका पर खर्च करती है।

अपने कर योगदान के अनुपात में केंद्र से धन मांगना राज्यों की 'छोटी सोच' : गोयल

मुंबई : केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि कुछ राज्यों द्वारा केंद्रीय कोष में उनके कर योगदान के अनुपात में केंद्रीय धन की मांग करना 'छोटी सोच' और 'दुर्भाग्यपूर्ण' है। गोयल ने शनिवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मानना है कि अगर देश को समृद्ध बनाना है, तो पूर्वोत्तर के आठ राज्यों और बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड जैसे पूर्वी भारतीय राज्यों का विकास होना चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछले 11 साल में मोदी सरकार का महाभारत के अर्जुन की तरह से ध्यान पूर्वोत्तर और पूर्वी राज्यों पर रहा है। गोयल ने कहा, ''यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ राज्य और कुछ नेता...मैं इसका राजनीतिकरण नहीं करना चाहता, लेकिन महाराष्ट्र के कुछ नेता कहते थे...पहले की सरकार के नेता जो ढाई साल तक सत्ता में रहे, वे मुंबई और महाराष्ट्र द्वारा चुकाए गए कर का हिसाब लगाते थे और मांग करते थे कि उन्हें उतनी राशि (केंद्रीय निधि) वापस मिलनी चाहिए।'' गोयल का इशारा पूर्ववर्ती उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी सरकार की ओर था। उन्होंने कहा, ''कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना जैसे कुछ राज्य हैं जो कहते हैं कि उन्हें उनके द्वारा चुकाए गए करों की राशि वापस मिलनी चाहिए। इससे बड़ी कोई 'छोटी सोच' नहीं हो सकती। इससे ज्यादा 'दुर्भाग्यपूर्ण' कुछ नहीं हो सकता।'' उन्होंने कहा, लेकिन अब चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि महाराष्ट्र में मौजूदा भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार पूर्वोत्तर भारत के प्रति बहुत संवेदनशील है। गोयल ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार पिछले 11 साल से पूर्वोत्तर भारत को प्राथमिकता देते हुए 'एक्ट ईस्ट' और 'लुक ईस्ट' नीति पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के तहत पूर्वोत्तर राज्यों की राजधानियों को रेलवे से जोड़ा जा रहा है और राजमार्गों का एक नेटवर्क बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी 65 से अधिक बार पूर्वोत्तर का दौरा कर चुके हैं। उन्होंने लोगों से इस क्षेत्र की सुंदरता और संस्कृति को देखने के लिए कम से कम एक बार यहां आने का आग्रह किया।

मप्र के मुख्यमंत्री यादव ने निवेशक सम्मेलन से पहले 1.8 लाख करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की

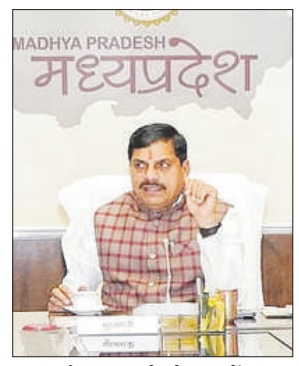

भोपाल : मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इस महीने के अंत में होने वाले राज्य के वैश्विक निवेशक सम्मेलन से पहले पिछले कुछ हफ्तों में ब्रिटेन से लेकर जापान तक के देशों के व्यापारिक दिग्गजों के साथ-साथ भारतीय औद्योगिक घरानों से संपर्क कर लगभग 1.8 लाख करोड़ रुपये की निवेश प्रतिबद्धता हासिल की हैं। मध्यप्रदेश अपने भौगोलिक लाभ, व्यापार-समर्थक नीतियों और मजबूत बुनियादी ढांचे का लाभ उठाकर एक आर्थिक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित कर रहा है, जो वैश्विक उद्यमों और दूरदर्शी उद्यमियों को आकर्षित करता है। यादव के नेतृत्व में राज्य ने कई महत्वपूर्ण निवेश पहलों के माध्यम से अपने औद्योगिक परिदृश्य को फिर से परिभाषित करने के मिशन की शुरुआत की है। अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री ने पर्याप्त निवेश प्रस्ताव हासिल करने और राज्य में आर्थिक वृद्धि को गति देने के लिए कई विदेशी और क्षेत्रीय दौरे किए। पिछले साल उनकी ब्रिटेन और जर्मनी की छह दिवसीय यात्रा के परिणामस्वरूप 78,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों को बढ़ावा मिलेगा। उनकी ब्रिटेन यात्रा के दौरान मध्यप्रदेश को 59,350 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जबकि जर्मनी ने 18,090 करोड़ रुपये का अतिरिक्त योगदान दिया।

बजाज ऑटो चालू वित्त वर्ष के अंततक ई-रिक्शा बाजार में उतरेगी

नयी दिल्ली : बजाज ऑटो चालू वित्त वर्ष के अंततक घरेलू ई-रिक्शा बाजार में उतरने की तैयारी कर रही है। कंपनी का इरादा तेजी से बढ़ते, लेकिन काफी हद तक असंगठित ई-रिक्शा बाजार में उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाना है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। बजाज ऑटो के कार्यकारी निदेशक राकेश शर्मा ने विश्लेषकों को बताया कि कंपनी को अपने ई-रिक्शा के लिए चालू तिमाही के अंततक नियामकीय मंजूरी मिलने की उम्मीद है, जिससे वह इस क्षेत्र में उतर सकेगी। ई-रिक्शा बाजार फिलहाल मासिक 45,000 इकाई का है। शर्मा ने कहा, ''इस वित्त वर्ष के अंततक हमारा इरादा एक आधुनिक 'ई-रिक्शा' पेश करने का है, जो इस खंड में बिल्कुल नया मानक स्थापित करेगा और मालिकों और यात्रियों दोनों को उच्च स्तर की संतुष्टि प्रदान करेगा।'' उन्होंने कहा कि ई-रिक्शा खंड तिपहिया खंड जितना ही बड़ा है और नए ई-रिक्शा से नया कारोबार उत्पन्न होना चाहिए। समयसीमा के बारे में पूछे जाने पर शर्मा ने कहा, ''हमें इस तिमाही के अंततक, यानी चालू वित्त वर्ष के अंततक ई-रिक्शा पेश करने की उम्मीद है।

एफडीआई को बढ़ावा देने के लिए प्रक्रिया को आसान बनाने पर विचार कर रही है सरकार: अधिकारी

नयी दिल्ली : सरकार देश में अधिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आकर्षित करने के लिए कुछ क्षेत्रों में प्रक्रियाओं को और आसान बनाने पर विचार कर रही है। एक सरकारी अधिकारी ने यह जानकारी दी। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने विभिन्न सरकारी विभागों, नियामकों, उद्योग संघों, सलाहकार एवं कानूनी फर्मों, पेंशन कोषों, निजी इक्विटी और उद्यम पूंजी कंपनियों के साथ हितधारक परामर्श आयोजित किया है। विभाग ने देश में एफडीआई को और अधिक आकर्षित करने के तरीकों पर उनके विचार मांगे। अधिकारी ने कहा, हमने परामर्श पूरा कर लिया है। विभाग को विभिन्न मुद्दों पर सुझाव प्राप्त हुए हैं। अभी तक चीजों को अंतिम रूप नहीं दिया गया है...प्रक्रियात्मक मोर्चे पर मानदंडों को आसान बनाने पर विचार किया जा रहा है। हालांकि, अधिकारी ने यह नहीं बताया कि सरकार किन क्षेत्रों में प्रक्रियागत ढील देने पर विचार कर रही है। परामर्श में जिन मुद्दों को उठाया गया उनमें ई-वाणिज्य कंपनियों को केवल निर्यात उद्देश्यों के लिए ऑनलाइन व्यापार के इन्वेंट्री-आधारित मॉडल में एफडीआई प्राप्त करने की अनुमति देना; लाभकारी स्वामित्व को परिभाषित करके प्रेस नोट-3 को आसान बनाना; तथा एकल-ब्रांड खुदरा व्यापार के लिए नीति में कुछ बदलाव करना शामिल था। प्रेस नोट के अनुसार, भारत के साथ भूमि सीमा साझा करने वाले देशों के निवेशकों के लिए किसी भी क्षेत्र में सरकारी अनुमोदन अनिवार्य है। अप्रैल, 2000-सितंबर, 2024 की अवधि में भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्रवाह एक हजार अरब डॉलर के मील के पत्थर को पार कर गया है।

ई-विटारा को उतारने से पहले मारुति चार्जिंग बुनियादी ढांचे को मजबूत करेगी

नयी दिल्ली : देश की प्रमुख वाहन कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) का लक्ष्य ई-विटारा को बाजार में उतारने से पहले देश में चार्जिंग बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। कंपनी अपने इस मॉडल को देश के परिवारों का प्रमुख वाहन बनाना चाहती है। वाहन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी ने बिक्री के बाद सहायता बढ़ाने, लीजिंग मॉडल लाने तथा ग्राहकों को मॉडल खरीदने के लिए प्रोत्साहित करने को 'वित्तपोषण' के अधिक विकल्प उपलब्ध कराने की भी योजना बनाई है। मारुति सुजुकी इंडिया के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (विपणन एवं बिक्री) पार्थो बनर्जी ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा, ग्राहकों के लिए सबसे बड़ी चिंता चार्जिंग के मामले में सार्वजनिक बुनियादी ढांचे की कमी है। इसलिए हम शीर्ष 100 शहरों में 10 किलोमीटर की दूरी पर फास्ट चार्जर लगाने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने योजना के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि देश में जितने भी इलेक्ट्रिक वाहन बिक रहे हैं, उनका अधिकांश हिस्सा यानी 97 प्रतिशत हिस्सा इन 100 शहरों से आ रहा है। बनर्जी ने कहा, ''हमारा मानना है कि जो ग्राहक कार खरीदेगा वह शहर से बाहर भी जाएगा, इसलिए हम अपनी ई-विटारा को प्राथमिक कार बनाना चाहते हैं, न कि द्वितीयक कार और इसे प्राथमिक कार बनाने के लिए, बिक्री के बाद अच्छी सर्विस प्रदान करना बहुत महत्वपूर्ण है।

सऊदी अरब की 63 अरब डॉलर की परियोजना में भारतीय निवेशकों की गहरी दिलचस्पी

नयी दिल्ली/दावोस : सऊदी अरब की 63 अरब डॉलर की गीगा परियोजना 'दिरियाह' में निवेश करने में कई भारतीय कंपनियों ने गहरी रुचि दिखाई है। यह बात इसके मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जेरी इंजेरिलो ने कही। दिरियाह को 'पृथ्वी का शहर' कहा जा रहा है। इसे सऊदी अरब की राजधानी रियाद के बाहरी इलाके में बनाया जा रहा है और इसमें एक लाख लोगों के लिए घर और एक लाख से अधिक लोगों के लिए कार्यालय स्थान होगा। इस नए शहर में 40 से अधिक लक्जरी होटल, 1,000 से अधिक दुकानें, 150 से अधिक रेस्तरां और कैफे, एक विश्वविद्यालय, कला और सांस्कृतिक संपत्तियां, संग्रहालय, एक ओपेरा हाउस, 20,000 सीटों वाला बहुउद्देशीय कार्यक्रम स्थल, एक गोल्फ कोर्स और एक अंतरराष्ट्रीय घुड़सवारी और पोलो केंद्र सहित अन्य सुविधाएं शामिल होंगी। इस 63.2 अरब डॉलर की रियल एस्टेट विकास और पर्यटन परियोजना का उद्देश्य आधुनिक सऊदी साम्राज्य के ऐतिहासिक जन्मस्थान को पुनर्स्थापित करना है और इस स्थल में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल अत-तुरैफ भी शामिल है। इंजेरिलो ने पीटीआई-भाषा से कहा, दिरियाह में हम सऊदी अरब के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में से एक के रूप में भारत के प्रभाव को बढ़ाने के लिए उत्सुक हैं। भारत, सऊदी से द्विपक्षीय व्यापार में शीर्ष स्थान पर है और 2022-23 में आपसी व्यापार लगभग 52.8 अरब डॉलर रहा है। उन्होंने दावोस में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक-2025 के मौके पर यह जानकारी दी थी। इंजेरिलो ने कहा कि 3,000 से अधिक भारतीय कंपनियां पहले से ही सऊदी अरब में काम कर रही हैं, जो निर्माण, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), ऊर्जा और दूरसंचार जैसे क्षेत्रों में योगदान दे रही हैं, जिससे दोनों देशों के बीच आर्थिक साझेदारी मजबूत हो रही है।

वर्ष 9, पूर्णांक 4145 अंक 295, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **सरोज राय** द्वारा 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- **अनिल कुमार राय** (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in